शुभ लाभ

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शुक्रवार, 07 फरवरी, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-7 | अंक-37

अमेरिका के रिपब्लिकन सासंद ब्रायन मास्ट का सनसनीखेज खुलासा

नेपाल में हिंदू राष्ट्र खत्म करने के लिए दिए थे 5 लाख डॉलर!

अमेरिका के रिपब्लिकन सासंद ब्रायन मास्ट ने दावा किया है कि नेपाल के हिंदू राष्ट्र की संवैधानिक मान्यता खत्म कर धर्मनिरपेक्ष देश घोषित करने के लिए यूनाइटेड स्टेट्स एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट (यूएसएड) की तरफ से 5 लाख डॉलर खर्च किया गया था। अमेरिकी प्रशासन द्वारा विश्वभर में यूएसएड के द्वारा होने वाले सभी फंडिंग रुकने और यूएसएड के दफ्तर को बंद करने के आदेश के बाद यह खुलासा हुआ है। यूएसएड को बंद करने के पीछे के कारणों की जानकारी देते हुए रिपब्लिकन सांसद ब्रायन मास्ट ने यह खुलासा किया है।

यूएसएड द्वारा अमेरिकी जनता के कर के पैसे का दुरुपयोग करने का आरोप लगाते हुए ब्रायन मास्ट ने दुनिया के कई देशों के उदाहरण के साथ ही नेपाल का भी उदाहरण दिया। मास्ट ने कहा कि तत्कालीन अमेरिकी डेमोक्रेटिक पार्टी की सरकार ने नेपाल में नास्तिकता फैलाने के नाम पर हिंदू राष्ट्र की संवैधानिक

तत्कालीन राष्ट्रपति जो बाइडेन की आपराधिक हरकतें उजागर

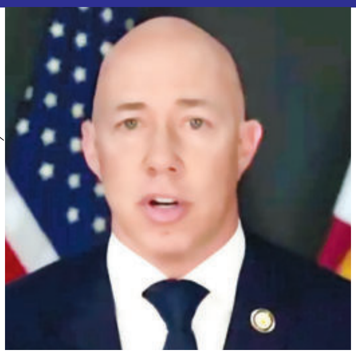

घोषणा समाप्त करने के लिए 5 लाख अमेरिकी डॉलर खर्च किए थे। मास्ट ने कहा कि नेपाल विश्व का एकमात्र हिंदू राष्ट्र की संवैधानिक मान्यता वाला देश था लेकिन नास्तिकता का विस्तार करने के नाम पर 5 लाख डॉलर खर्च कर उसको धर्मनिरपेक्ष देश घोषित कराया गया। तत्कालीन बाइडेन प्रशासन ने भी नेपाल में नास्तिकता को बढ़ावा देने के लिए पांच लाख अमेरिकी डॉलर खर्च किए। उल्लेखनीय है कि रिपब्लिकन सांसद ब्रायन मास्ट ओवरसाइट और अकाउंटेबिलिटी पर हाउस फॉरेन अफेयर्स सब-कमेटी के अध्यक्ष हैं।

शुभ-लाभ सरोकार

बाइडेन प्रशासन में प्रबंधन और संसाधन के लिए राज्य के उप सचिव रहे रिचर्ड आर. वर्मा ने 21 मार्च को उपसमिति के समक्ष गवाही दी, क्योंकि इसी विभाग ने निरीक्षण के साथ विदेश विभाग के अनुपालन का मूल्यांकन किया था। वर्मा की गवाही के दौरान, रिपब्लिकन नेता ब्रायन मास्ट ने उनसे कहा कि विभाग के अनुदान अनुरोध दस्तावेज में उल्लेख किया गया है कि इसने नेपाल में नास्तिकता को बढ़ावा देने के लिए धन दिया। रिपब्लिकन सांसद ब्रायन मास्ट द्वारा साझा किए गए वर्मा की गवाही के वीडियो में, ब्रायन मास्ट को उनसे पूछते हुए सुना जा सकता है, क्या राज्य (यूएस) विभाग के लिए अमेरिकी करदाताओं के पैसे से नास्तिकता को बढ़ावा देने के लिए आधा मिलियन डॉलर का अनुदान अधिकृत करना उचित है? इस पर, बाइडेन प्रशासन के अधिकारी वर्मा ने जवाब दिया, संयुक्त राज्य अमेरिका की तरफ से किसी भी धर्म या गैर-धर्म को बढ़ावा देने के लिए अनुदान देना उचित नहीं होगा। वर्मा ने जब स्वीकार किया कि अमेरिका के लिए गैर-धर्म (नास्तिकता) सहित किसी भी धर्म को बढ़ावा देना उचित नहीं होगा, तो ब्रायन मास्ट ने नेपाल में नास्तिकता को बढ़ावा देने के लिए 500,000 डॉलर का अनुदान देने के बारे में पूछताछ की। उन्होंने वर्मा से पूछा, नास्तिकता के विस्तार के लिए नेपाल को आधा मिलियन डॉलर का अनुदान, क्या आपको लगता है कि यह धन का उचित उपयोग है? बाइडेन प्रशासन के अधिकारी रहे वर्मा ने कहा कि नेपाल को ▶10 पर

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर राज्यसभा में बोले पीएम मोदी

अभिभाषण समझना कांग्रेस के बूते में नहीं

नई दिल्ली, 06 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्यसभा में धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का अभिभाषण समझना कांग्रेस के बूते के बाहर है। राष्ट्रपति का अभिभाषण देश की 140 करोड़ जनता के विश्वास और विकास पर केंद्रित था। राष्ट्रपति ने विस्तार से चर्चा की और देश को आगे की दिशा दिखाई। राष्ट्रपति का अभिभाषण प्रभावी भी था और हम सबके लिए भविष्य के काम पर मार्गदर्शक भी था। इसे जिसने जैसा समझा, वैसे समझाया। सबका साथ, सबका विकास पर यहां बहुत कुछ कहा गया। इसमें कठिनाई क्या है। ये तो हम सबका दायित्व है। जहां तक कांग्रेस का सवाल है, उनसे इसके लिए कोई अपेक्षा करना बहुत

फैमिली फर्स्ट वाली कांग्रेस कैसे समझे नेशन-फर्स्ट!

विकास और विश्वास कांग्रेस की समझ के बाहर है

बड़ी गलती होगी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि फैमिली-फर्स्ट वाली कांग्रेस पार्टी नेशन-फर्स्ट की महत्ता कैसे समझ सकती है!

पीएम मोदी ने कहा कि, ये उनकी सोच, समझ के बाहर है और रोडमैप में भी सूट नहीं करता। इतना बड़ा दल एक परिवार के लिए समर्पित हो गया है। उसके लिए ये संभव ही नहीं है। कांग्रेस के मॉडल में फैमिली फर्स्ट सर्वोपरि रहा है। देश की जनता ने हमें तीसरी बार लगातार सेवा का मौका दिया। ये बताता है कि देश की जनता ने हमारे विकास के मॉडल को परखा है, समझा है और समर्थन दिया है। हमारा ये मॉडल एक शब्द में कहना हो तो कहूंगा नेशन फर्स्ट। पीएम मोदी ने कहा कि, इसी उम्दा भावना के साथ वाणी-वर्तन, नीतियों में इसी एक बात को मानदंड मानकर सेवा करने का प्रयास किया है।

पीएम मोदी ने कहा कि लंबे समय तक देश को तराजू पर तौलने का कोई अवसर ही नहीं मिला था कि वैकल्पिक मॉडल क्या हो? 2014 में हमने देश को वैकल्पिक मॉडल दिया। जनता ने हमारे मॉडल को मंजूर किया। हमने तुष्टिकरण नहीं, संतुष्टिकरण का मॉडल दिया है। कांग्रेस का तरीका होता था कि जब चुनाव आए तब छोटे तबके को कुछ दे देना और बाकियों को तरसते देखना। पीएम मोदी ने कांग्रेस पर जबरदस्त हमला बोलते हुए कहा कि, झुनझुना बांटना, लोगों की आंखों पर पट्टी बांधकर अपनी सियासत को चलाए रखना। इनकी नजर वोट की खेती पर होती थी। हमारी कोशिश रही है कि भारत के पास जो भी संसाधन हैं, उनका इष्टतम उपयोग किया जाए। जो समय है, उसको भी बर्बादी से बचाकर के पल-पल का उपयोग जनकल्याण के लिए, देश की प्रगति के लिए खर्च हो। ▶10 पर

राज्यसभा में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा

अवैध आव्रजन के धंधे पर सख्ती जरूरी

ट्रंप सरकार से कहा, निर्वासितों के साथ दुर्व्यवहार न हो

नई दिल्ली, 06 फरवरी (एजेंसियां)। भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने अमेरिका से निर्वासित किए गए भारतीय नागरिकों के बारे में आज राज्यसभा में कहा कि यह सभी देशों का दायित्व है कि यदि उनके नागरिक विदेश में अवैध रूप से रहते हुए पाए जाते हैं तो उन्हें वापस ले लिया जाए। हम अमेरिकी सरकार के साथ बातचीत कर रहे हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वापस लौटने वाले निर्वासितों के साथ किसी भी तरह का दुर्व्यवहार न हो। डॉ. जयशंकर ने इसके साथ ही यह भी कहा कि अवैध आव्रजन के बढ़ते धंधे के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई आवश्यक है। विदेश मंत्री ने कहा कि सदन भी इस बात की सराहना करेगा कि हमारा ध्यान अवैध आव्रजन उद्योग के खिलाफ कड़ी कार्रवाई पर है। ऐसा होना भी चाहिए। निर्वासितों द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर कानून प्रवर्तन एजेंसियां एजेंटों और ऐसी एजेंसियों के खिलाफ आवश्यक, निवारक और अनुकरणीय कार्रवाई करेंगी।

जयशंकर ने कहा, अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे वापस लौटने वाले प्रत्येक व्यक्ति (अमेरिका से निर्वासित भारतीय) के साथ बातचीत करें और पता लगाएं कि वे अमेरिका कैसे गए, एजेंट कौन था और हम कैसे सावधानी बरतें ताकि यह फिर न हो। कांग्रेस सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला के सवाल का जवाब देते हुए विदेश मंत्री ने कहा, हम जानते हैं कि ▶10 पर

उजागर हो रहे वक्फ बोर्ड के कारनामे, सरकारी जमीनों पर दावा

यूपी में वक्फ बोर्ड की अवैध सम्पत्तियों का जखीरा

जेपीसी ने लोकसभा अध्यक्ष को सौंपा ब्यौरा

लखनऊ, 06 फरवरी (एजेंसियां)। वक्फ के नाम पर अवैध तरीके से सरकारी जमीनें कब्जाने में अयोध्या, शाहजहांपुर, रामपुर, जौनपुर और बरेली जिले सबसे आगे हैं। इनमें से प्रत्येक जिले में वक्फ बोर्ड दो हजार या उससे ज्यादा सम्पत्तियों पर अपना दावा कर रहा है। जबकि, राजस्व रिकॉर्ड में ये जमीनें सार्वजनिक उपयोग वाली श्रेणी में हैं। संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) ने यूपी की ऐसी वक्फ सम्पत्तियों का जिलेवार ब्यौरा लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला को दिया है। वक्फ बोर्ड के रिकॉर्ड में शाहजहांपुर में 2589 सम्पत्तियां दर्ज हैं, जिसमें से 2371 सरकारी सम्पत्तियां हैं। रामपुर में 3365 वक्फ सम्पत्तियों में ▶10 पर

सीसीटीवी और अन्य स्रोतों से पहचाने गए 600 संदिग्ध

महाकुंभ भगदड़ में मिली हिंदू विरोधियों की मौजूदगी

प्रयागराज, 06 फरवरी (एजेंसियां)। महाकुंभ में हुई भगदड़ के दौरान वहां पर सीएए-एनआरसी का विरोध करने वाले प्रदर्शनकारी मौजूद थे। कई आपराधिक इतिहास वाले लोग भी महाकुंभ में मौजूद थे। पुलिस इन सबको अब महाकुंभ में हुई भगदड़ के बाद जांच के दायरे में लिया है। वह लोग भी पुलिस के राडार में हैं, जो लगातार महाकुंभ को लेकर भ्रामक जानकारी सोशल मीडिया पर डाल रहे थे। इनमें से कई ने महाकुंभ को लेकर कई नकारात्मक पोस्ट की थीं। जांच एजेंसी एनआईए, उत्तर प्रदेश एंटी टेररिस्ट स्क्वाड (एटीएस) समेत प्रदेश की पुलिस मौनी अमावस्या की भगदड़ को साजिश के एंगल से देख कर जांच कर रही हैं। उन्होंने इसके लिए महाकुंभ में मौजूद लोगों का डाटा निकालना चालू कर दिया है। रिपोर्ट बताती है कि पुलिस उन लोगों को अब नोटिस भेज रही है, जो मना किए जाने के बावजूद प्रयागराज महाकुंभ में गए। पुलिस ने महाकुंभ से पहले ही 1 लाख लोगों को प्रयागराज जाने को मना किया था। लेकिन कई लोग फिर भी पहुंचे। पुलिस उनकी भी जांच कर रही है जो बड़े प्रदर्शनों में शामिल रहे हैं। वाराणसी के ही 50 से अधिक गैर हिंदू प्रयागराज में पाए गए, उन्हें भी मना किया गया था। इसके अलावा जांच के दायरे में प्रतिबंधित इस्लामी संगठन पीएफआई के एजेंटों को भी लिया गया है। यह वह लोग हैं जो बीते कुछ महीनों में पकड़े गए हैं। सिर्फ उत्तर प्रदेश ही नहीं बल्कि देश के बाक़ी हिस्सों से भो पकड़े गए लोगों से पूछताछ हुई है। प्रयागराज महाकुंभ को लेकर जिन लोगों ने लगातार सोशल मीडिया पर सर्च किया, ▶10 पर

सीएए-एनआरसी विरोधियों के कई चेहरे दिखे, तलाश जारी

दो यात्रियों से मिले 7.8 करोड़ के सोने के सिक्के

आईजीआई एयरपोर्ट पर 10 किलो से अधिक सोना जब्त

नई दिल्ली, 06 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क विभाग को बड़ी सफलता हाथ लगी है। दो यात्रियों के पास से 7.8 करोड़ रुपए मूल्य के सोने के सिक्के जब्त किए गए हैं। जिसका वजन 10 किलोग्राम से ज्यादा बताया जा रहा है। आरोपी कश्मीर के रहने वाले हैं।

सीमा शुल्क विभाग ने बताया कि आईजीआई एयरपोर्ट, नई दिल्ली के कस्टम विभाग की एयर इंटेलिजेंस यूनिट (एआईयू) ने पांच फरवरी को फ्लाइट एआई-138 से मिलान से आने वाले कश्मीर के दो पुरुष यात्रियों (आयु 45 और 43 वर्ष) को रोका। यात्रियों की व्यक्तिगत तलाशी में 10.092 किलोग्राम सोना बरामद हुआ, जिसकी कीमत लगभग 7.8 करोड़ रुपए है। यात्रियों को कस्टम अधिनियम-1962 के तहत आगे की जांच के लिए हिरासत में लिया गया है। ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 33°

न्यूनतम : 19°

केरल सरकार की धर्मनिरपेक्षता और कानून व्यवस्था दोनों फर्जी

यौन उत्पीड़न का शिकार 44 नाबालिगों ने आत्महत्या कर ली

तिरुअनंतपुरम, 06 फरवरी (एजेंसियां)। केरल की वामपंथी सरकार की तथाकथित धर्मनिरपेक्षता और कानून व्यवस्था दोनों ही फर्जी साबित हो रही है। प्रदेश में नाबालिगों के यौन शोषण के मामले गंभीर चिंता का विषय बन गए हैं। इनमें से अधिकांश मामले लव-जेहाद और साम्प्रदायिक कट्टरता से जुड़े हैं। आधिकारिक रूप से यह जानकारी सामने आई है कि केरल में वर्ष 2016 से अब तक 44 नाबालिग पीड़िताओं ने दुष्कर्म के बाद आत्महत्या कर ली है। केरल में यह स्थिति कम्युनिस्ट पार्टी के कार्यकाल में पैदा हुई है, जिसमें पिछले आठ वर्षों में 31,000 से अधिक पॉक्सो के तहत मामले दर्ज किए गए हैं। इन आंकड़ों से राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग चिंतित है, लेकिन राज्य सरकार इस मसले पर मौन है।

केरल राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे जघन्य अपराध पर सख्त कार्रवाई जरूरी है। इसके साथ ही पीड़ितों को उचित मनोवैज्ञानिक सहायता की भी आवश्यकता है। आघात से गुजरने वाली

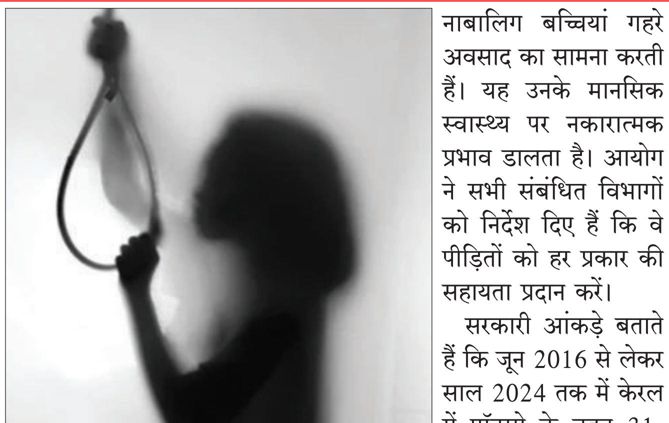

धार्मिक कट्टरता के कारण अधिक बढ़ा यौन उत्पीड़न का अपराध

नाबालिग बच्चियां गहरे अवसाद का सामना करती हैं। यह उनके मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। आयोग ने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए हैं कि वे पीड़ितों को हर प्रकार की सहायता प्रदान करें।

सरकारी आंकड़े बताते हैं कि जून 2016 से लेकर साल 2024 तक में केरल में पॉक्सो के तहत 31, 171 केस दर्ज किए गए। 28, 728 लोगों की गिरफ्तारी भी हुई। साल 2022 के बाद से नाबालिगों से संबंधित यौन उत्पीड़न के मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। जहां 2016 और 2021 के बीच हर साल लगभग 3,000 मामले दर्ज किए गए थे, वहीं 2022 में यह संख्या बढ़कर 4,518 हो गई। इसके बाद 2023 में 4,641 और 2024 में 4,594 मामले दर्ज हुए। इस प्रकार की घटनाओं ने समाज और सरकार दोनों को चिंतित किया है। केवल 2025 की बात करें तो साल की शुरुआत के 17 दिनों में 271 केस पॉक्सो के तहत दर्ज हो चुके हैं और करीब 175 गिरफ्तारियां भी हुई हैं। यौन उत्पीड़न का अपराध लव जेहाद और धार्मिक कट्टरता के कारण अधिक बढ़ा है।

केरल में नाबालिगों की स्थिति का खुलासा तब हुआ जब पिछले दिनों पठानमठिट्ठा की दलित लड़की ने आरोप लगाया था कि 62 लोगों ने उसका यौन शोषण किया। इसमें उसके रिश्तेदार से लेकर उसके टीचर और दोस्त भी शामिल हैं।

लड़की की शिकायत के बाद ये मामला सनसनी की तरह फैला, फिर राज्य में अन्य मामलों पर चर्चा शुरू हो गई और सामने आया कि कैसे नाबालिगों के साथ यौन उत्पीड़न मामले न केवल बढ़े हैं बल्कि उनके आत्महत्या के मामले भी दर्ज किए गए हैं।

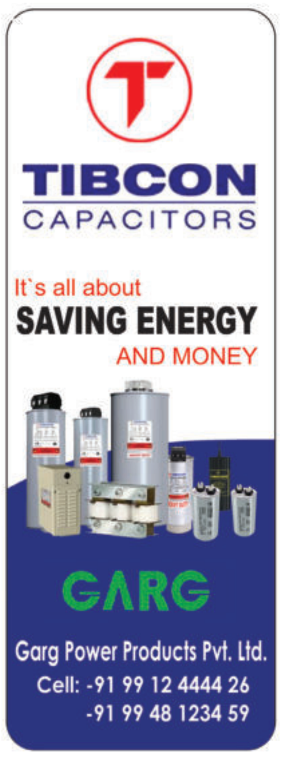

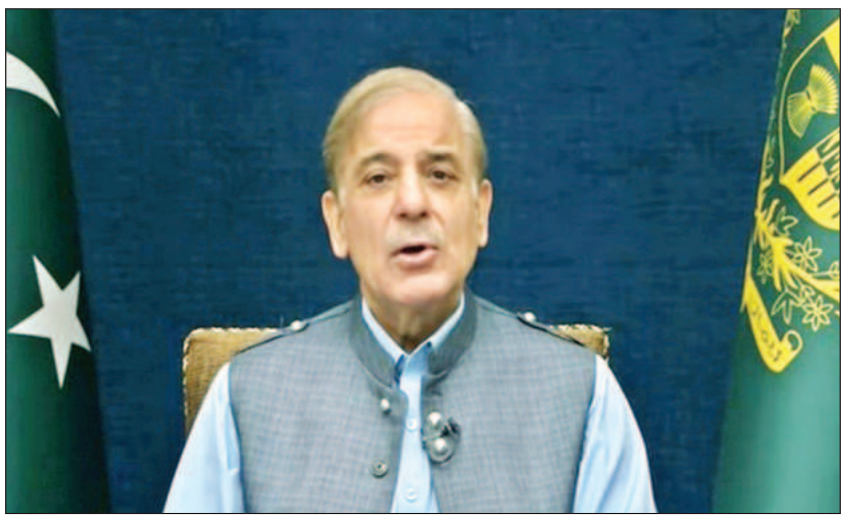

पाकिस्तानी प्रधानमंत्री ने कश्मीर सहित अन्य मुद्दों पर भारत के साथ बातचीत पर दिया जोर

इस्लामाबाद, 06 फरवरी (एजेंसियां) ।
पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कश्मीर सहित सभी लंबित मुद्दों को हल करने के लिए भारत के साथ संवाद की जरूरत पर जोर दिया है। उन्होंने यह बात पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) की विधानसभा में कश्मीर एकजुटता दिवस के अवसर पर विशेष सत्र को संबोधित करते हुए कही। इस दौरान उन्होंने कश्मीरी जनता के प्रति अपने नैतिक, कूटनीतिक और राजनीतिक समर्थन को दोहराया। शरीफ ने अपने संबोधन में कहा कि पाकिस्तान शांति चाहता है और क्षेत्र में स्थिरता और समृद्धि के लिए भारत के साथ बातचीत को ही एकमात्र रास्ता मानता है। उन्होंने 05 अगस्त 2019 को भारत द्वारा जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत को इस फैसले पर पुनर्विचार करना चाहिए और बातचीत के लिए आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब तक कश्मीर मुद्दे का हल नहीं निकलता, तब तक क्षेत्र में स्थायी शांति संभव नहीं होगी। शरीफ ने 1999 के लाहौर घोषणापत्र का हवाला देते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच बेहतर संबंधों का आधार संवाद ही हो सकता है। उन्होंने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी की पाकिस्तान यात्रा के दौरान इस पर सहमति बनी थी, और भी यह प्रासंगिक है। शरीफ ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से भी अपील की कि वह भारत पर कश्मीर मसले के समाधान के लिए दबाव बनाए। अपने संबोधन में शरीफ ने भारत पर हथियारों का जखीरा बढ़ाने का आरोप लगाया और कहा कि सैन्य शक्ति बढ़ाने से शांति स्थापित नहीं होगी। उन्होंने कहा कि दक्षिण एशिया की जनता को आर्थिक और सामाजिक प्रगति की जरूरत है, न कि हथियारों की होड़ की। शरीफ ने कहा कि पाकिस्तान कश्मीरी जनता को आत्मनिर्णय के अधिकार की प्राप्ति तक समर्थन देता रहेगा। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों के तहत कश्मीर मुद्दे के हल की आवश्यकता पर बल दिया और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से कश्मीरियों को अपना भविष्य तय करने का अधिकार देने के लिए भारत पर दबाव बनाने की अपील की।

न्यूज ब्रीफ

टैरिफ परिवर्तन के बीच अमेरिकी डाक सेवा फिर शुरू करेगी चीन में पार्सल डिलीवरी

वाशिंगटन। अमेरिकी डाक सेवा (यूएसपीएस) ने अस्थायी निलंबन के बाद एक बार फिर चीन और हांगकांग से पार्सल स्वीकार करने की घोषणा की है। यह निर्णय हाल ही में किए गए टैरिफ परिवर्तनों के बीच लिया गया है। यूएसपीएस ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि वह सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा एजेंसियों के साथ मिलकर नए चीन टैरिफ के लिए एक प्रभावी संग्रह प्रणाली विकसित कर रहा है, जिससे पार्सल डिलीवरी में न्यूनतम व्यवधान सुनिश्चित किया जा सके। अमेरिकी प्रशासन ने चीनी उत्पादों पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लागू किया है और डी मिनिमिस छूट को समाप्त कर दिया है, जिसके तहत 800 डॉलर से कम मूल्य के पैकेज शुल्क मुक्त अमेरिका में प्रवेश कर सकते थे। इस बदलाव का प्रभाव कई खुदरा विक्रेताओं, जैसे टेमू, शीन और अमेज़न पर पड़ा है, जो इस प्रावधान का उपयोग कर अमेरिकी ग्राहकों तक उत्पाद पहुंचाते थे। न्यूयॉर्क स्थित कंसल्टेंसी सप्लाई चेन कंप्लायंस की सह-संस्थापक मॉरीन कोरी ने इस नीति परिवर्तन पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इससे निपटने के लिए किसी को भी पर्याप्त समय नहीं मिला। उन्होंने स्पष्ट निर्देशों की आवश्यकता पर जोर दिया, जिससे व्यवसायों को अचानक हुए इस बदलाव के अनुरूप ढलने में सहायता मिल सके।

राष्ट्रपति जरदारी ने बीजिंग में चीन के प्रधानमंत्री कियांग से की मुलाकात

इस्लामाबाद/बीजिंग। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने बीजिंग में चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) और द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग से मुलाकात की। राष्ट्रपति सचिवालय ने इस्लामाबाद में जारी बयान में कहा गया कि उच्चस्तरीय बैठक ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल में हुई। दोनों पक्षों ने नवीकरणीय ऊर्जा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, बुनियादी ढांचे और कृषि में गहन सहयोग पर जोर देते हुए सीपीईसी 2.0 को आगे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया। चर्चा का उद्देश्य साझा आर्थिक प्रगति में तेजी लाना और दोनों देशों के बीच आम समृद्धि को बढ़ावा देना था। जरदारी और कियांग ने द्विपक्षीय व्यवसाय और आर्थिक सहयोग बढ़ाने के अवसरों पर भी चर्चा की। राष्ट्रपति जरदारी ने चीन-पाकिस्तान की स्थायी और गहरी जड़ों वाली ऑल-वेदर स्ट्रैटेजिक को-ऑपरेटिव पार्टनरशिप के महत्व पर चर्चा की। उन्होंने दोनों देशों के बीच संबंधों को और मजबूत करने की पाकिस्तान की प्रतिबद्धता दोहराई। इस उच्चस्तरीय बैठक में राष्ट्रपति जरदारी के अलावा उपप्रधान मंत्री इशाक डार और मुख्यमंत्री (सिंध) मुराद अली शाह भी मौजूद रहे। बैठक में कई एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। राष्ट्रपति शी जिनपिंग के निमंत्रण पर राष्ट्रपति जरदारी पांच दिवसीय राजकीय यात्रा पर मंगलवार को बीजिंग पहुंचे हैं। जरदारी की कल बीजिंग में अपने समकक्ष जिनपिंग से मुलाकात हो चुकी है। जरदारी ने मंगलवार को नेशनल पीपुल्स कांग्रेस की स्थायी समिति के अध्यक्ष झाओ लेजी से भी मुलाकात की।

राष्ट्रीय सभा में बहुमत नहीं जुटा पाने के बाद अध्यादेश पर वोटिंग से पीछे हटी ओली सरकार

काठमांडू, 06 फरवरी (एजेंसियां) ।
नेपाल सरकार के पिछले महीने लाए गए 6 अध्यादेशों को गुरुवार को संसद के दोनों सदनों से पारित करने की कार्यसूची से हटा दिया गया है। उच्च सदन राष्ट्रीय सभा में सरकार के पक्ष में बहुमत नहीं जुटा पाने के कारण सरकार को इससे पीछे हटना पड़ा है। प्रधानमंत्री के प्रमुख सलाहकार विष्णु रिमाल ने इसकी पुष्टि की है।

कई कानूनों के संशोधन को लेकर प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की सरकार ने पिछले महीने एक के बाद एक कर के छह अध्यादेश जारी किए थे। संवैधानिक प्रावधानों के मुताबिक अध्यादेश जारी होने के बाद वाले संसद सत्र में इन अध्यादेशों को संसद के दोनों सदनों से पारित करने पर ही इनकी वैधता कायम रहती है।

ओली सरकार के पास प्रतिनिधि सभा में जहां दो तिहाई बहुमत है वहीं उच्च सदन राष्ट्रीय सभा में वो अल्पमत में है। राष्ट्रीय सभा में निर्णायक भूमिका में रहे जनता समाजवादी पार्टी नेपाल (जसपा नेपाल) के तीन सांसदों के समर्थन से ही यह अध्यादेश पारित होने वाला है। संसद की कार्रवाई शुरू होने तक जसपा नेपाल ने अध्यादेश पर कोई निर्णय नहीं किया था।

जसपा नेपाल के अध्यक्ष उपेन्द्र यादव ने बताया कि अध्यादेश पर समर्थन को लेकर उनकी मुलाकात प्रधानमंत्री ओली और सत्तारूढ़ गठबंधन दल के नेता शेर बहादुर देउवा से हुई है। उनकी कुछ मांगे हैं जिस पर सत्तारूढ़ दलों के तरफ से सकारात्मक जवाब आने के बाद ही वो निर्णय लेंगे।

इसी बीच कानून मंत्री अजय चौरसिया ने स्पीकर देवराज घिमिरे से मुलाकात कर संसद की कार्यसूची से अध्यादेश को पारित करने वाले विषय को हटाने का आग्रह किया, जिसके बाद दोनों सदनों से इसे हटा दिया गया है। कानून मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री का संदेश लेकर वह स्पीकर घिमिरे से मिले और उनसे कार्यसूची बदलने का आग्रह किया है।

संसद सचिवालय की तरफ से संसद के दोनों सदनों प्रतिनिधि सभा और राष्ट्रीय सभा की कार्यसूची से अध्यादेश को बदलने वाले विषय को हटाए जाने की सूचना दे दी गई है। प्रधानमंत्री के प्रमुख सलाहकार विष्णु रिमाल ने कहा कि जसपा नेपाल से बातचीत कर समर्थन लेने के लिए समय लगेगा, इस कारण की बैठक की कार्यसूची से इसको हटा दिया गया है।

भारत के चाय पत्ती आयात पर बदले प्रावधानों से नेपाली निर्यातक संकट में

काठमांडू। भारत के चाय पत्ती आयात करने के नए प्रावधानों ने नेपाली निर्यातकों की मुश्किलें बढ़ा दी है। नेपाली चायपत्ती उत्पादक संघ ने प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को अपनी चिंता से अवगत कराया है। ओली ने संघ को आश्वासन दिया है कि नेपाल सरकार इसके लिए भारत सरकार से बात करेगी । भारत ने हाल ही में नए प्रावधान लागू करते हुए नीलामी प्रक्रिया से ही विदेश से चाय पत्ती का आयात करने का फैसला किया है। नेपाल चायपत्ती उत्पादक संघ के अध्यक्ष आदित्य पराजुली का कहना है कि इससे उनकी परेशानी बढ़ गई है। भारतीय बाजार में जाने वाली चाय पत्ती की मात्रा घट गई है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपा गया है। पराजुली ने बताया कि प्रधानमंत्री ने समस्या के समाधान के लिए कूटनीतिक प्रयास करने का आश्वासन दिया है। नेपाल जल्द ही भारतीय दूतावास के माध्यम से अपनी पक्ष भारत सरकार के सामने रखेगा। नेपाल से करीब 600 करोड़ रुपये की चाय पत्ती का सालाना निर्यात किया जाता है। नेपाल से हर वर्ष एक करोड़ 20 लाख किलोग्राम सीटीसी चाय पत्ती और 50 लाख किलोग्राम आर्थोडॉक्स चाय पत्ती का निर्यात भारत को किया जाता है। नेपाल में उत्पादित कुल चाय पत्ती का 80 प्रतिशत हिस्सा सिर्फ भारत में निर्यात होता है। अब तक नेपाली चाय पत्ती पर 40 प्रतिशत कस्टम ड्यूटी के साथ निर्यात की अनुमति थी। नेपाल और भारत के बीच सन 2009 में हुए मुक्त व्यापार संधि के तहत यह कस्टम ड्यूटी तय हुई थी।

यूएसएआईडी पर करदाताओं के पैसे का गलत इस्तेमाल करने का आरोप, ट्रंप ने दिया बंद करने का आदेश

वाशिंगटन, 06 फरवरी (एजेंसियां) ।
अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूनाइटेड स्टेट्स एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट (यूएसएआईडी) को बंद करने का आदेश दिया है। ट्रंप प्रशासन ने एजेंसी पर करदाताओं के पैसे का गलत इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है। कुछ दिनों पहले ट्रंप ने एलन मस्क को सभी अमेरिकी विदेशी सहायता की समीक्षा करने का निर्देश दिया था। वहीं, हजारों यूएसएआईडी कर्मचारियों को नौकरी से निकालने का भी आदेश

वाशिंगटन, 06 फरवरी (एजेंसियां) ।

ट्रंप ने आदेश दिया कि दुनियाभर में इसके कार्यक्रम बंद कर दिए जाएं। एलन मस्क ने एजेंसी को आपराधिक संगठन बताया है। ट्रंप प्रशासन ने दावा किया है कि यूएसएआईडी ने पिछले कुछ सालों में अलकायदा जैसे आतंकवादी संगठन का फंड दिया है। अमेरिकी विदेश विभाग के मुताबिक फलाह-ए-इंसानियत फाउंडेशन को भी यूएसएआईडी द्वारा फंडिंग की गई है। यह संगठन हाफिज सईद के लश्कर-ए-तैयबा का मुखौटा है। यह आतंकी संगठन भारत विरोधी गतिविधियों को अंजाम देते आया है।

कई लैटिन अमेरिकी देशों में एलजीबीटी समुदाय से जुड़े लोगों की मदद के लिए एजेंसी की ओर से फंड दिया गया है। इतना ही नहीं श्रीलंकाई पत्रकारों को द्विआधारी लिंगीय भाषा की चुनौतियों से निपटने जैसी छोटी चीजों के लिए भी फंड दिया गया है। इस मामले पर ट्रंप प्रशासन ने एक्स पर लिखा कि दशकों तक, यूएसएआईडी के नौकरशाहों का मानना था कि वे किसी के प्रति जवाबदेह नहीं हैं, लेकिन वह युग समाप्त हो गया है। राष्ट्रपति ट्रंप पैसों की बर्बादी, धोखाधड़ी और दुरुपयोग को रोक रहे हैं।

ट्रंप के इस फैसले पर पूर्व राष्ट्रपति बाइडन, ओबामा, जॉर्ज [illegible], बिल क्लिंटन और रीगन प्रशासन में काम करने वाले अधिकारियों ने चिंता जाहिर की है। उन्होंने कहा कि यूएसएआईडी को खत्म करना किसी भी राजनीतिक दल के लिए फायदेमंद नहीं है। ट्रंप के फैसले से अमेरिका के लोगों को नुकसान होगा। यूएसएआईडी द्वारा की जा रही सहायता अमेरिका के हित के लिए महत्वपूर्ण है।

लाहौर प्रशासन से हाई कोर्ट ने कहा- पीटीआई की रैली पर फैसला लो

पाकिस्तान के अपदस्थ प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के आठ फरवरी को लाहौर के मीनार-ए-पाकिस्तान में रैली करने के ऐलान से प्रशासन के हाथ-पांव फूले हुए हैं। पीटीआई 10 दिन पहले लाहौर जिला प्रशासन को इसकी सूचना देते हुए अनुमति मांगी थी। प्रशासन से कोई प्रतिक्रिया न मिलने पर पीटीआई ने तीन फरवरी को लाहौर हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। अदालत ने लाहौर के डिप्टी कमिश्नर को फैसला लेने का आदेश दिया है।

यूक्रेन की सेना ने नेपाल के दो युवकों को नौ महीने बाद छोड़ा

काठमांडू, 06 फरवरी (एजेंसियां) ।
रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान यूक्रेन की सेना के कब्जे में रहे नेपाल के दो युवकों को नौ महीने बाद रिहा कर दिया गया। दोनों को प्रवासी नेपाली संघ यूक्रेन को सौंपा गया।

प्रवासी नेपाली संघ यूक्रेन के अध्यक्ष डॉ. बद्री केसी ने टेलीफोन पर बताया कि पिछले नौ महीने से यूक्रेन के डिटेंशन सेंटर में रहे नेपाल के तेह्रथुम जिले के निवासी 29 वर्षीय फुर्वा शेरपा और इसी जिले के 39 वर्षीय सांबो शेरपा को यूक्रेन की सेना ने रिहा कर दिया है। जर्मनी स्थित नेपाली राजदूत डॉ. शैल रूपखेती दोनों युवकों को लेने के लिए कीव पहुंचे। दोनों युवकों को टर्किश एयर से काठमांडू भेज दिया गया है। यह विमान शुक्रवार दोपहर काठमांडू पहुंचेगा।

राजदूत रूपखेती ने बताया कि नौकरी के झांसे में करीब 10 महीने पहले ये दोनों युवक यूक्रेन आए थे। नई दिल्ली स्थित एक कंसल्टेंसी के जरिये कीव पहुंचे इन दोनों को रूस के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार कर डिटेंशन सेंटर में रखा गया। उधर, इन दोनों की रिहाई पर परिवार वालों ने खुशी व्यक्त की है।

वाशिंगटन विमान दुर्घटना में सभी 67 मृतकों के अवशेष मिले

वाशिंगटन, 06 फरवरी (एजेंसियां) । पिछले हफ्ते वाशिंगटन में हुए यात्री विमान और हेलीकॉप्टर के बीच टकराव में मारे गए सभी 67 लोगों के अवशेष बचाव दल ने बरामद कर लिए हैं। अमेरिकी मीडिया के अनुसार, इनमें से 66 मृतकों की पहचान की जा चुकी है।संयुक्त कमांड ने बताया कि उनकी टीमें अब भी दुर्घटनाग्रस्त विमान के मलबे को पोटोमैक नदी से हटाने में जुटी हैं। बड़े हिस्सों को निकालने के लिए मंगलवार रात तक काम जारी रहेगा। बुधवार को, जब पर्यावरण और ज्वार की स्थिति अनुकूल होगी, तब मलबा हटाने की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। इसके बाद ब्लैक हॉक हेलीकॉप्टर के बचे हुए हिस्से को निकालने का काम शुरू होगा।यह दुर्घटना तब हुई जब बुधवार रात एक यात्री विमान, जिसमें 64 लोग सवार थे, वाशिंगटन के रोनाल्ड रीगन नेशनल एयरपोर्ट पर उतरते समय सेना के हेलीकॉप्टर से टकरा गया। दोनों विमान पोटोमैक नदी में गिर गए। हेलीकॉप्टर में तीन अमेरिकी सैनिक मौजूद थे।

यह 1982 के बाद वॉशिंगटन में हुई सबसे भीषण विमान दुर्घटना मानी जा रही है। इस हादसे की जांच अमेरिकी राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड कर रहा है।गुरुवार को वाशिंगटन के दमकल प्रमुख जॉन डॉनेली ने बताया कि अब बचाव अभियान को राहत और शव बरामदगी अभियान में बदला जा रहा है, क्योंकि इस दुर्घटना में किसी के जीवित बचने की संभावना नहीं है।

प्रथम पुण्यतिथि

स्व. श्री चिमनलाल जी नारनोली
(सुपुत्र – स्व श्री गोवर्धन दास जी नारनोली)
स्वर्गवास : 07 फ़रवरी 2024
प्रेम आपका था हम पर, करते हैं नमन आपको...
श्रद्धा के सब सुमन समर्पित, रखेंगे सदैव स्मरण आपको...
श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता
विजय लक्ष्मी (धर्मपत्नी)
अजय कुमार अग्रवाल , उदय कुमार अग्रवाल (पुत्र), राजेश्वरी (बहू)
नमन अग्रवाल (पौत्र), निति (पौत्र बहु), लक्ष अग्रवाल (पौत्र)
श्री विनायक ग्रैंड बाजार,
श्री कृपा मार्केट, मलकपेट
Ph. No : 9290661991 9000090691
फर्म : गोवर्धन दास जी चिमनलाल नारनोली

प्रथम पुण्यतिथि

स्व. श्री सतीश कुमारजी बजाज
(सुपुत्र : स्व. श्री रामनिवासजी बजाज)
स्वर्गवास : बुधवार दि.7-2-2024
जब याद आपकी आती हैं आँखें बरबस नम हो जाती है।
यह कैसी माया है जो समय से पहले उठा ले जाती है ।।
-: श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता :-
श्रीमती जमुनाबाई बजाज (काकीजी), श्रीमती संतोषबाई बजाज (धर्मपत्नी)
रमादेवी - घनश्यामदास राठी (भाई-भाभी), चंद्रकांता-बृजमोहन, कविता-गोवर्धनदास (अनुज-अनुजवधु)
संतोषबाई - जयप्रकाशजी बंग (जीजी-जीजाजी), पूजा - सागरजी झंवर (बेटी-दामाद)
दीपिका-कृष्णा (पुत्र-पुत्रवधु) कन्हैया, मयूर (पुत्र) CS किर्ती (पुत्री) एवं समस्त बजाज परिवार
फर्म : बालमुकुंद रामनिवास बजाज
नई बस्ती, जिन्सी चौराह
फोन : 9849069405, 9290830588

राष्ट्र प्रथम
बंटेंगे तो कटेंगे
एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे
Best Wishes
BS
Basai Steels And Power (P) Ltd.
MANUFACTURERS OF
BILLETS | POWER | SPONGE IRON & M.S & G.P PIPE 15mm to 150mm
SQUARE, RECTANGULAR & ROUND PIPES IN ALL REGULAR THICKNESS
A-23/586, APIE, Balanagar, Hyderabad 500037
Cell: 9848030471,7799555555
gopalagarwal@basaisteels.com
Ward No 3, Plot No 412, Sidiginamola Village
Bellary-Alur Highway, Bellary 583138
www.basaisteels.com

बॉलीवुड का सबसे बड़ा फ्लॉप अभिनेता गिरीश कुमार!

बॉलीवुड में हर साल कई एक्टर्स आते हैं, इनमें से कुछ का सिक्का चल पाता है और कई फ्लॉप होकर गुमनाम जिंदगी में चले हैं। कुछ ऐसे भी हैं, जो बतौर एक्टर पर्दे पर कमाल नहीं कर पाते हैं, लेकिन बतौर प्रोड्यूसर फिल्मों से मोटा पैसा कमा रहे हैं। इस कड़ी में हम बताने जा रहे हैं बॉलीवुड के बड़े प्रोड्यूसर के उस बेटे के बारे में, जो बतौर एक्टर तो हिट नहीं लेकिन अब फिल्म प्रोड्यूसर बनकर पिता के साथ खूब पैसा कमा रहा हैं। बता दें, एक्टर से प्रोड्यूसर बने इस स्टार ने बॉलीवुड में तीन साल काम किया और एक भी हिट फिल्म नहीं दे पाया। आइए जानते हैं इसके बारे में।

इस फ्लॉप के पिता ने सैफ अली खान, बॉबी देओल, रणबीर कपूर, कैटरीना कैफ और अजय देवगन जैसे स्टार्स की फिल्में प्रोड्यूस की हैं, लेकिन जब साल 2013 में फिल्म 'रमैया वस्तावैया' से अपने बेटे को बॉलीवुड में लॉन्च किया, तो अपनी डेब्यू फिल्म से ही फ्लॉप हो गया। फिल्म 'रमैया से अब आप समझ ही गये होंगे कि हम किस एक्टर की बात कर रहे हैं। जी हां, हम बात कर रहे हैं फिल्म प्रोड्यूसर और टिप्स इंडस्ट्री के मालिक रमेश तौरानी के बेटे गिरीश कुमार तौरानी की। फिल्म रमैया वस्तावैया भले ही फ्लॉप हो गई थी, गिरीश इस फिल्म से सिनेप्रेमियों की नजरों में जरूर आए थे। इसके बाद साल 2016 में गिरीश को फिल्म 'लवशुदा' में देखा गया, लेकिन यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फेल हुई और गिरीश ने एक्टिंग को बाय-बाय कह दिया।

कंपनी में मिली बड़ी जिम्मेदारी

वहीं, एक्टिंग छोड़ने के बाद गिरीश अब पिता और चाचा की टिप्स इंडस्ट्री से जुड़ गए हैं। गिरिश टिप्स के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर हैं। इसमें गिरीश फिल्म बनाने और उसे डिस्ट्रीब्यूट करने के साथ-साथ म्यूजिक का भी काम संभालते हैं। बता दें, टिप्स की कुल नेटवर्थ 4700 करोड़ रुपये है। शायद ही आपको पता गिरीश ने साल 2016 में ही अपनी बचपन की दोस्त और गर्लफ्रेंड कृष्णा मंगवानी से गुपचुप शादी रचाई थी। वहीं, गिरीश ने एक साल बाद अपनी शादी का खुलासा किया था।

जुनैद खान और खुशी कपूर की मोस्ट अवेटेड फिल्म

लवयापा की एडवांस बुकिंग शुरू

जुनैद खान और खुशी कपूर की मोस्ट अवेटेड फिल्म लवयापा जल्द ही थिएटर्स में धमाल मचाने वाली है, और एक्साइटमेंट अपने पीक पर है. जबरदस्त ट्रेलर और सुपरहिट गानों ने पहले ही लोगों का दिल जीत लिया है, जिससे फिल्म को लेकर जबरदस्त बज बना हुआ है. अब जब सबको बेसब्री से फिल्म का इंतजार है, तो इंतजार करने की जरूरत नहीं, क्योंकि लवयापा की एडवांस बुकिंग शुरू हो चुकी है. तो फटाफट टिकट बुक कर लो और तैयार हो जाओ प्यार और इमोशंस से भरी इस खूबसूरत जर्नी के लिए.

जुनैद खान, खुशी कपूर और लवयापा की पूरी टीम फिलहाल फिल्म के प्रमोशन में जुटी हुई है और पूरे देश में धूम मचा रही है. फिल्म को लेकर जबरदस्त क्रेज बना हुआ है, और अब ऑडियंस के लिए एक बड़ी खुशखबरी आ गई है, एडवांस बुकिंग ऑफिशियली ओपन हो चुकी है! बस कुछ ही दिनों में ये मोस्ट अवेटेड रोमांटिक कॉमेडी बड़े पर्दे पर आने वाली है, तो अगर अभी तक टिकट बुक नहीं की, तो देर मत करो, बल्कि जल्दी से अपनी सीट पक्की कर लीजिए! ट्रेड एनालिस्ट की मानें तो, फिल्म पहले दिन 1 से 1.50 करोड़ रुपये का बिजनेस कर सकती है. फिल्म को यू/अ 16+ सर्टिफिकेट मिला है. फिल्म का रनटाइम 2.17 घंटे का है.

लवयापा मॉडर्न रोमांस की दुनिया में बसाई गई एक दिल छू लेने वाली कहानी है, जो दमदार परफॉर्मेंस, जबरदस्त म्यूजिक और शानदार विजुअल्स से सजी हुई है। प्यार के हर रंग को सेलिब्रेट करती ये फिल्म हर उम्र के दर्शकों के दिलों को छूने वाली है. 2025 की सबसे एक्साइटिंग फिल्मों में से एक बनने जा रही लवयापा के लिए तैयार हो जाइए! 7 फरवरी 2025 को ये खूबसूरत लव स्टोरी बड़े पर्दे पर दस्तक देने वाली है, तो अपना कैलेंडर मार्क कर लीजिए और प्यार से भरी इस जर्नी का हिस्सा बनने के लिए रेडी हो जाइए.

छावा का दिल दहला देने वाला नया पोस्टर जारी

जख्मों से घायल और खून से लथपथ दिखे विक्की कौशल

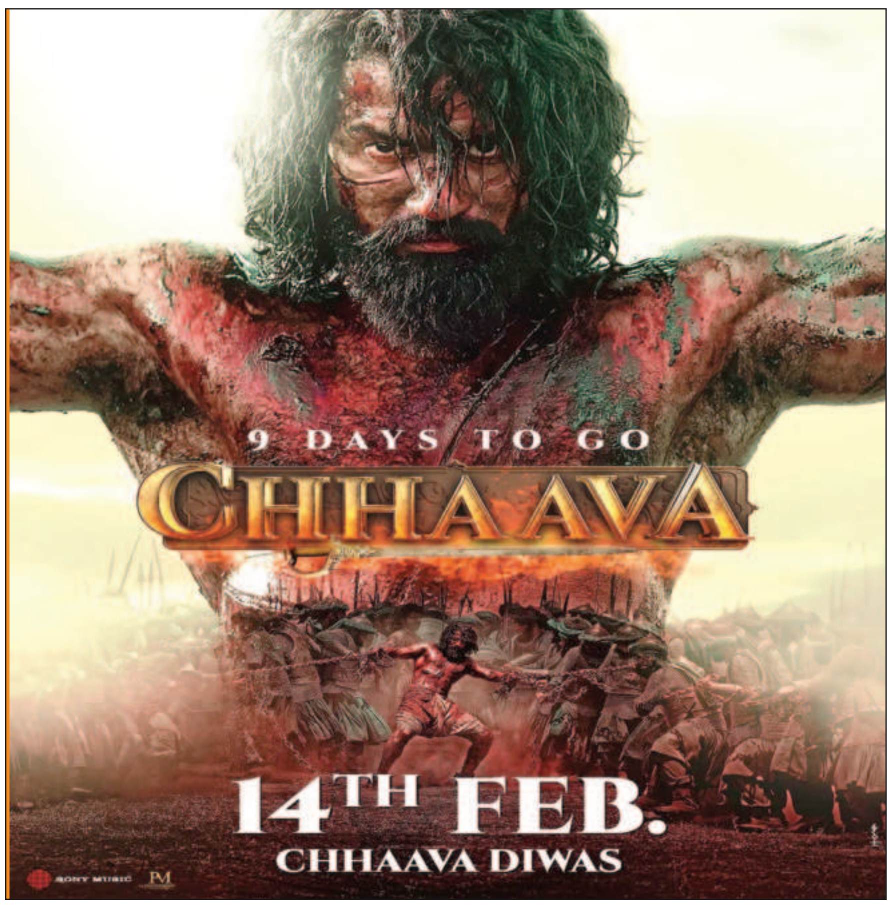

विक्की कौशल इन दिनों छावा फिल्म को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। इस फिल्म के जरिए वे रश्मिका मंदाना के साथ पहली बार साथ काम करते नजर आएंगे। फिल्म में विक्की छत्रपति संभाजी महाराज की भूमिका निभाएंगे, जबकि रश्मिका मंदाना येसूबाई भोसले की भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। वहीं अब विक्की कौशल ने अपना नया लुक जारी किया है, जिसे देख फैंस भी हैरान रह गए।सिनेमाघरों में फिल्म की रिलीज से पहले अभिनेता ने फिल्म से अपना एक नया इंटेंस पोस्टर शेयर किया है। छावा ने विक्की और रश्मिका के प्रशंसकों के बीच काफी चर्चा बटोरी है और इस नए पोस्टर ने उनकी उत्सुकता को और बढ़ा दिया है। नए पोस्टर में विक्की का दिल दहला देने वाला लुक देखने को मिला, जिसमें अभिनेता पूरी तरह से खून से लथपथ हैं और उनकी शरीर पर अनगिनत चोटों के निशान भी हैं। वहीं, पोस्टर में विक्की को रस्सी से बांधे हुए सैकड़ों सैनिक पीछे की ओर घसीटते नजर आ रहे हैं।विक्की ने पोस्टर को कैप्शन के साथ साझा किया। उन्होंने लिखा, मिलते हैं छावा दिवस पर। विक्की ने 14 फरवरी को छावा दिवस करार दिया है। फिल्म का ट्रेलर पहले ही रिलीज हो चुका है, जिसने फैंस के बीच फिल्म की रिलीज को लेकर उत्सुकता को बढ़ा दिया। ट्रेलर में मराठों और मुगलों के बीच युद्ध के दृश्य दिखाए गए। वहीं, इससे पहले फिल्म का पहला गाना जाने तू रिलीज हुआ।इससे पहले फिल्म के गाने के दृश्य को लेकर ही विवाद शुरू हुआ। दरअसल, हाल ही में फिल्म एक ऐसे दृश्य के कारण विवादों में घिर गई थी, जिसमें मराठा सम्राट छत्रपति संभाजी महाराज को नाचते हुए दिखाया गया था।

इस आपत्तिजनक दृश्य के कारण इतिहासकारों और विभिन्न संगठनों ने आपत्ति जताई। कई लोगों ने तो इस ऐतिहासिक ड्रामा पर प्रतिबंध लगाने की भी मांग की। हालांकि निर्माताओं ने उस दृश्य को हटाने का फैसला किया। मैडॉक फिल्म्स द्वारा निर्मित, छावा में रश्मिका मंदाना, अक्षय खन्ना, आशुतोष राणा, दिव्या दत्ता और नील भूपालम भी हैं। फिल्म में आशुतोष राणा सरसेनापती हंबीरराव मोहिते की भूमिका में नजर आएंगे। अक्षय खन्ना औरंगजेब का किरदार निभाएंगे, जबकि दिव्या सोयराबाई की भूमिका में नजर आएंगी। यह फिल्म 14 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

भाग्य लक्ष्मी में मलिष्का का किरदार निभाएंगी मेघा प्रसाद

टीवी सीरियल भाग्य लक्ष्मी में नई अभिनेत्री मेघा प्रसाद शामिल हुई हैं। शो की मुख्य अभिनेत्री ऐश्वर्या खरे ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर उन्हें बधाई दी। मेघा, मायरा मिश्रा की जगह लेंगी। मिश्रा ने इस धारावाहिक में नेगेटिव किरदार निभाया है।शो से संबंधित हर एक पोस्ट सोशल मीडिया पर शेयर करने वाली अभिनेत्री ऐश्वर्या खरे ने शो में नए सदस्य के स्वागत के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया। इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन पर मेघा प्रसाद की एक तस्वीर शेयर करते हुए ऐश्वर्या खरे ने कैप्शन में लिखा, भाग्य लक्ष्मी की मलिष्का आपका स्वागत है। मैं शो में आपको देखने के लिए उत्सुक हूं।तस्वीर के साथ ऐश्वर्या ने आमिर खान, रानी मुखर्जी और करीना कपूर स्टारर तलाश फिल्म के गाने मुस्कानें झूठी हैं को भी जोड़ा।

भाग्य लक्ष्मी का प्रसारण जी टीवी पर होता है, जिसकी कहानी लक्ष्मी, ऋषि और मलिष्का के ईर्द-गिर्द घूमती है। ऋषि और लक्ष्मी की प्रेम कहानी में मलिष्का नई-नई चालें चलती नजर आती है।इससे पहले शो में लक्ष्मी का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री ऐश्वर्या खरे ने शो में मेकअप खुद करने पर बात की थी। अभिनेत्री ने बताया था कि वह अपना मेकअप खुद करती हैं और ऐसा करने से उन्हें गर्व के साथ खुशी भी मिलती है।ऐश्वर्या ने बताया था कि उनके लिए मेकअप का मतलब सिर्फ अच्छा दिखना नहीं है बल्कि यह खुद के प्रति सच्चे रहने और संतुष्टि के लिए भी जरूरी है और हाथ में ब्रश और बगल में कॉफी का कप लेकर आईने के सामने बैठना अभिनेत्री के दिन की शुरुआत करने के पसंदीदा तरीकों में से एक है।खरे ने बताया था, यह मुझे खुद को जमीन जुड़ा रखने, आत्मविश्वासी महसूस कराने और अपने आप में रहने का आनंद लेने का मौका देता है। सादगी की अपनी सुंदरता होती है और खुद को लक्ष्मी के रूप में देखना मुझे गर्व से भर देता है।अभिनेत्री का शो के कलाकारों के साथ खास बॉन्ड है। उन्होंने बताया था कि वह अपनी ऑन-स्क्रीन बेटी त्रिशा सारदा में खुद का एक छोटा संस्करण देखती हैं।ऐश्वर्या ने कहा था, जब से पारो ने हमारे साथ शूटिंग शुरू की है, तब से वह हमारी जिंदगी का एक बड़ा हिस्सा बन गई है। शुरू में मुझे एक बच्चे के साथ शूटिंग करने में संदेह था। लेकिन, वह अपनी उम्र के हिसाब से बहुत प्रतिभाशाली और परिपक्व लड़की है। मुझे लगता है कि हम बहुत समान हैं, हर बार जब मैं उसे देखती हूं, तो मुझे लगता है कि मैं खुद का एक छोटा संस्करण देख रही हूं।ऐश्वर्या ने कहा था, मैं अक्सर उससे कहती हूं- तू बिल्कुल मेरी जैसी है, जब मैं बच्ची थी, तो मैं भी उनकी तरह हर चीज पर सवाल उठाती थी, जब तक कि मुझे स्पष्टता नहीं मिल जाती। वह सेट पर सभी के साथ बहुत अच्छी तरह से रहती है। कैमरे के सामने भी वह बहुत आत्मविश्वासी हैं, उन्हें बस एक बार स्पष्ट ब्रीफ दें और वह जानती हैं कि क्या करना है और कैसे करना है। मुझे लगता है कि मैं उनकी ऑन-स्क्रीन मां बनने के लिए बनी हूं।

बॉक्स ऑफिस पर दर्शकों के लिए तरस रही देवा

अभिनेता शाहिद कपूर की फिल्म देवा से निर्माताओं को काफी उम्मीदें थीं, लेकिन पहले दिन से ही बॉक्स ऑफिस पर इसका हाल-बेहाल है।यह फिल्म दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने में नाकाम साबित हुई। फिल्म की रिलीज को 5 दिन हो गए हैं और यह अब तक 25 करोड़ रुपये नहीं कमा पाई।अब देवा की कमाई के पांचवें दिन के भी आंकड़े सामने आ गए हैं, जो अब तक का सबसे कम कारोबार है।बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, देवा ने अपनी रिलीज के पांचवें दिन यानी पहले मंगलवार को 2.35 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 24.25 करोड़ रुपये हो गया है।देवा ने 5.5 करोड़ रुपये के साथ टिकट खिड़की पर धीमी शुरुआत की थी, वहीं दूसरे दिन यह फिल्म 6.4 करोड़ रुपये और तीसरे दिन 7.25 करोड़ रुपये कमाने में सफल रही। चौथे दिन इसने 2.75 करोड़ रुपये कमाए।इस एक्शन ड्रामा में शाहिद ने एक दबंग पुलिसवाले का किरदार निभाया है।

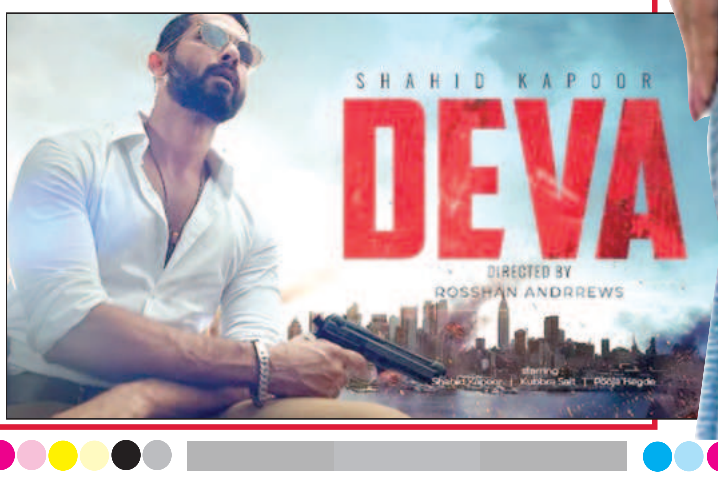

माघ पूर्णिमा से इन राशियों की बदलेगी फूटी किस्मत

बरसेगी बुध देव की कृपा

पूर्णिमा के दिन हिंदू धर्म में स्नान-दान का काफी महत्व माना गया है। इस दिन पर कई शुभ योग भी बन रहे हैं, जो जातक के लिए लाभकारी सिद्ध हो सकते हैं। इसी के साथ बुध देव और सूर्य देव राशि परिवर्तन करने जा रहे हैं। ऐसे में जानते हैं कि माघ पूर्णिमा के दिन किन राशियों की किस्मत चमकने वाली है।

माघ पूर्णिमा मुहूर्त

माघ माह की पूर्णिमा तिथि का आरंभ 11 फरवरी को शाम 06 बजकर 55 मिनट पर हो रहा है। वहीं, इस तिथि का समापन 12 फरवरी को शाम 07 बजकर 22 मिनट पर होगा। इस प्रकार माघ पूर्णिमा, बुधवार 12 फरवरी को मनाई जाएगी। इस दिन चंद्रोदय का टाइम कुछ इस प्रकार रहेगा -

पूर्णिमा के दिन चंद्रोदय का समय - शाम 05 बजकर 59 मिनट पर

राशियों को होगा फायदा

माघ पूर्णिमा पर मेष राशि के जातकों को कई तरह के लाभ मिलने वाले हैं। यह समय आपके लिए खुशियां लेकर आएगा। परिवार के साथ संबंध सुधरने वाले हैं। आपके लिए प्रॉपर्टी आदि खरीदने के योग भी बन रहे हैं। करियर के क्षेत्र में जो भी समस्याएं आ रही हैं, वह इस दौरान दूर हो सकती हैं। जो लोग नौकरी की तलाश में हैं, उनकी तलाश पूरी हो सकती है।

हर क्षेत्र में मिलेगा लाभ

माघ पूर्णिमा के अवसर पर वृषभ राशि के जातकों को भी काफी लाभ मिलने वाला है। जो जातक कारोबार से जुड़े हुए हैं, उन्हें फायदा मिल सकता है। अगर आप सेहत की दृष्टि से परेशान हैं, तो इस समय आपको अपनी सेहत में सुधार देखने को मिलने वाला है।

बढ़ेगा मान-सम्मान

मकर राशि के जातक माघ पूर्णिमा पर काफी लाभ प्राप्त करने वाले हैं। परिवार और समाज में आपका कद बढ़ने वाला है। लोग आपके व्यक्तित्व से प्रभावित होंगे। करियर में भी आपको लाभ मिलने वाला है।

12 को मनाई जाएगी गुरु रविदास जयंती समाज सुधार में रहा बड़ा योगदान

15वीं शताब्दी के महान संतों में से एक रहे रविदास जी द्वारा लिखित दोहे आज भी लोगों की जुबान पर हैं। समाज की उन्नति के लिए किया गया उनका योगदान आज भी सहायनीय है। उन्होंने समाज में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। हर साल गुरु रविदास जयंती को बडे.ही उत्साह के साथ मनाया जाता है। रविदास जी का पूरा जीवन भक्ति व ज्ञान के लिए समर्पित रहा। ऐसे में चलिए जानते हैं उनके जीवन से जुड़ी कुछ महत्वपूर्ण बातें।

कब और कहां हुआ जन्म

संत रविदास के जन्म को लेकर कई मत हैं, जिसमें से सबसे प्रचलित मत यह है कि रविदास जी का जन्म उत्तर प्रदेश के वाराणसी में एक मोची परिवार में हुआ था। उनके जन्म को लेकर एक दोहा भी मिलता है, चौदस सो तैंसीस कि माघ सुदी पन्द-रास. दुखियों के कल्याण हित प्रगटे श्री गुरु रविदास

इस दोहे में कहा गया है कि माघ माह की पूर्णिमा तिथि के दिन संत रविदास का जन्म हुआ था। इसलिए हर साल इसी तिथि पर गुरु रविदास जयंती मनाई जाती है। ऐसे में इस साल माघ पूर्णिमा यानी बुधवार, 12 फरवरी, 2025 को गुरु रविदास जी की जयंती मनाई जाएगी।

दिए कई महत्वपूर्ण योगदान

रविदास जी का 15वीं शताब्दी में भक्ति आंदोलन में बड़ा योगदान रहा। यह उस समय का एक बड़ा आध्यात्मिक आंदोलन था, जिसने भक्ति का प्रचार करने के साथ-साथ समाज सुधार का भी काम किया। उन्होंने अपने जीवन में कई गीत, दोहे और भजनों की रचना की, जो आज के समय में भी मानव मात्र को प्रेरित करने का काम कर रहे हैं।

उनकी रचनाओं में आत्मनिर्भरता, सहिष्णुता और एकता का संदेश मिलता है। इन्होंने अपनी रचनाओं में समाज से जातिवाद, भेदभाव और समाजिक असमानता के भाव को हटाकर भाईटारे और सहिष्णुता का भाव अपनाने के संदेश दिया, जिसका उस समय के लोगों पर काफी सकारात्मक असर पड़ा था। इसी के साथ गुरु रविदास जी ने शिक्षा के विशेष जोर दिया। विख्यात संत मीराबाई भी रविदास जी को ही अपना गुरु मानती थीं।

मूलांक 2 के लड़के बनते हैं अच्छे लाइफ पार्टनर, पूरी जिंदगी निभाते हैं साथ

अंक ज्योतिष शास्त्र में व्यक्ति का मूलांक खास महत्व रखता है। किसी व्यक्ति के मूलांक से उसके बारे में कई बातें पता लगाई जा सकती हैं। उदाहरण के तौर पर देखें तो अगर किसी व्यक्ति का जन्म किसी महीने की 18 तारीख को होता है, तो ऐसी स्थिति में उसका मूलांक 9 माना जाएगा। इसका कारण यह है कि 1 और 8 का जोड़ करने पर 9 प्राप्त होता है।

बनते हैं अच्छे लाइफ पार्टनर

मूलांक 2 के लड़के एक अच्छे पार्टनर साबित होते हैं। जिस किसी जातक का जन्म 2, 11, 20 या 29 तारीख को हुआ है, उनका मूलांक 02 माना जाता है। इस मूलांक के ग्रह स्वामी चंद्र देव हैं। मूलांक 02 के जातक बहुत ही शांत स्वभाव के होते हैं। माना जाता है कि अगर इन मूलांक के लड़कों को किसी से प्यार हो जाए, तो वह पूरी जिंदगी उसका साथ निभाते हैं। इस मूलांक के जातकों के लिए 1, 3, 4 और 6 मूलांक के लोग अच्छे पार्टनर साबित होते हैं।

हर हाल में निभाते हैं प्यार

जिन लड़कों का जन्म किसी महीने की 4, 13, 22 या 31 तारीख को होत है, उनका मूलांक 4 माना है। इस मूलांक का ग्रह स्वामी राहु होता है। इस वजह से इस स्वभाव के लड़के जुनूनी होते हैं। अगर मूलांक 4 के लड़कों को किसी से प्यार होता है, तो वह हर हाल में अपने प्यार को निभाते हैं। इसी के साथ यह अपने पार्टनर की छोटी-छोटी जरूरतों का ध्यान रखते हैं। अंक ज्योतिष के मुताबिक 1, 2, 7 और 9 मूलांक वाली लड़कियों के साथ मूलांक 4 की अच्छी बनती है।

नहीं होने देते किसी चीज की कमी

मूलांक 6 भी उन मूलांक में से एक है, जो बेस्ट लाइफ पार्टनर साबित होते हैं। इसके ग्रह स्वामी शुक्र देव होते हैं। शुक्र के प्रभाव के कारण इस मूलांक के पास सुख-सुविधा और भौतिक चीजें की कोई कमी नहीं होती। इस मूलांक के लड़के अपने लाइफ पार्टनर को खुश रखने की पूरी कोशिश करते हैं। इस मूलांक की 3, 2, 4, 5 और 6 मूलांक वाले लोगों के साथ लव लाइफ अच्छी गुजरती है।

बुधादित्य योग से तीन राशियों का बदलेगा भाग्य

वैदिक पंचांग के अनुसार, 12 फरवरी को माघ पूर्णिमा है। इस शुभ अवसर पर प्रयागराज स्थित गंगा नदी की त्रिवेणी संगम पर अमृत स्नान किया जाएगा। साथ ही पूजा, जप-तप एवं दान किया जाएगा। पूर्णिमा तिथि पर गंगा स्नान करने से साधक के समस्त पाप धुल जाते हैं। साथ ही रोग-दोष दूर हो जाते हैं।

ज्योतिषियों की मानें तो आत्मा के कारक सूर्य देव माघ पूर्णिमा के दिन राशि परिवर्तन करेंगे। सूर्य देव के राशि परिवर्तन करने की तिथि पर कुंभ संक्रांति मनाई जाएगी। सूर्य देव के राशि परिवर्तन करने से बुधादित्य योग का संयोग बन रहा है। इस योग से कई राशि के जातकों को लाभ होगा।

सूर्य राशि परिवर्तन

आत्मा के कारक सूर्य देव 12 फरवरी को मकर राशि से निकलकर कुंभ राशि में गोचर करेंगे। इस राशि में बुध देव 11 फरवरी को गोचर करेंगे। बुध और सूर्य देव के कुंभ राशि में गोचर करने से बुधादित्य योग बनेगा। बुधादित्य योग महाशिवरात्रि तक है। इसके अगले दिन बुध देव राशि परिवर्तन करेंगे। वहीं, सूर्य देव 14 मार्च को राशि परिवर्तन करेंगे। सूर्य देव 14 मार्च को मीन राशि में गोचर करेंगे।

मेष राशि -मेष राशि के जातकों को बुधादित्य योग से लाभ होगा। इस राशि के जातकों पर बुध देव की कृपा बरसेगी। उनकी कृपा से कारोबार में व्यापक बदलाव देखने को मिलेगा। कारोबार में तेजी आएगी। शेयर मार्केट से जुड़े लोगों को धन लाभ होगा। नए काम की शुरुआत करने के लिए समय अनुकूल है। किसी दोस्त की मदद से आर्थिक धन लाभ होगा। बिगड़ा काम बन सकता है। धन लाभ के योग बन रहे हैं।

वृषभ राशि -बुधादित्य योग से वृषभ राशि के जातक मालामाल होंगे। वृषभ राशि के जातकों पर देवगुरु बृहस्पति, सूर्य देव और बुध देव की कृपा बरसेगी। उनकी कृपा से कारोबार संबंधी परेशानी दूर होगी। साथ ही करियर संबंधी परेशानी भी दूर होगी। आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी। अचानक धन लाभ भी हो सकता है। स्वास्थ्य संबंधी परेशानी दूर होगी। त्वचा संबंधी परेशानी दूर होगी। पद-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

सिंह राशि -सिंह राशि के स्वामी सूर्य देव हैं और आराध्य भगवान विष्णु हैं। जगत के पालनहार भगवान विष्णु की कृपा से सभी बिगड़े काम बन जाएंगे। शिक्षा से जुड़े लोगों को सफलता मिलेगी। धार्मिक यात्रा के योग बनेंगे। धन-संपत्ति में वृद्धि होगी। सरकारी क्षेत्रों से जुड़े लोगों को धन लाभ हो सकता है। विदेश यात्रा के योग बनेंगे। रुके काम पूरे होंगे। प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलेगी। कारोबार से जुड़े लोगों के अटके काम पूरे होंगे।

14 मार्च से खरमास शुरू होगा

सनातन धर्म में फाल्गुन महीने का खास महत्व है। इस महीने में कई प्रमुख व्रत एवं त्योहार मनाए जाते हैं। फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि पर महाशिवरात्रि मनाई जाती है। वहीं, फाल्गुन पूर्णिमा पर रंगों का त्योहार होली मनाया जाता है। इसके साथ ही विजया और आमलकी एकादशी भी मनाई जाती है। ज्योतिषियों की मानें तो फाल्गुन महीने में सूर्य देव राशि परिवर्तन करेंगे। आसान शब्दों में कहें तो फाल्गुन महीने में सूर्य देव मीन राशि में गोचर करेंगे। सूर्य देव के मीन राशि में गोचर करने की तिथि से खरमास शुरू होता है। संक्रांति तिथि पर स्नान-ध्यान, पूजा, जप-तप और दान किया जाता है।

कब से शुरू होगा खरमास?

ज्योतिषियों की मानें तो 14 मार्च से खरमास शुरू होगा। वहीं, खरमास का समापन 14 अप्रैल को होगा। आसान शब्दों में कहें तो 14 मार्च से लेकर 13 अप्रैल तक खरमास रहेगा। इस दौरान कोई भी शुभ काम नहीं किया जाएगा। वहीं, 14 अप्रैल से सभी प्रकार के शुभ काम किए जाएंगे।

सूर्य राशि परिवर्तन

ज्योतिषीय गणना के अनुसार, आत्मा के कारक सूर्य देव 14 मार्च को संध्याकाल 06 बजकर 58 मिनट पर मीन राशि में गोचर करेंगे। इससे पहले सूर्य देव 12 फरवरी को मकर राशि से निकलकर कुंभ राशि में गोचर करेंगे। इसके बाद सूर्य देव 14 मार्च को मीन राशि में गोचर करेंगे। इससे पूर्व सूर्य देव 19 फरवरी को शतभिषा और 04 मार्च को पूर्वाभाद्रपद नक्षत्र में गोचर करेंगे।

मीन संक्रांति शुभ मुहूर्त

वैदिक पंचांग के अनुसार, 14 मार्च के दिन सूर्य देव मीन राशि में गोचर करेंगे। आसान शब्दों में कहें तो 14 मार्च को मीन संक्रांति और होली मनाई जाएगी। मीन संक्रांति तिथि पर पुण्य काल दोपहर 12 बजकर 39 मिनट से लेकर शाम 06 बजकर 29 मिनट तक है। वहीं, महा पुण्य काल शाम 04 बजकर 29 मिनट से लेकर शाम 06 बजकर 29 मिनट तक है। मीन संक्रांति के दिन पुण्य क्षण शाम 06 बजकर 59 मिनट पर है। साधक अपनी सुविधा अनुसार समय पर मीन संक्रांति के दिन स्नान-ध्यान एवं पूजा, जप-तप कर सकते हैं।

मीन संक्रांति शुभ योग

मीन संक्रांति पर शिववास योग का संयोग बन रहा है। शिववास योग दोपहर 12 बजकर 23 मिनट से है। इस समय देवों के देव महादेव कैलाश पर मां गौरी के साथ रहेंगे। इसके साथ ही उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र का संयोग है। वहीं, बव एवं बालव करण के योग हैं।

नवरात्रि का नौवां दिन: नवरात्रि पारण नवमी तिथि समाप्त होने के बाद दशमी तिथि में होता है!

नवरात्रि हिंदू धर्म में विशेष महत्व रखने वाला पर्व है, जो देवी दुर्गा की उपासना के लिए नौ दिनों तक चलता है। भक्तगण इस अवधि में व्रत रखते हैं और विभिन्न रूपों में देवी की आराधना करते हैं। नवरात्रि का समापन नवमी तिथि के बाद होता है। जिसे 'पारण' कहा जाता है।

धार्मिक मान्यता के अनुसार, नवमी तिथि के समाप्त होने और दशमी तिथि के प्रचलित होने के बाद ही व्रत का पारण किया जाता है। पारण का अर्थ है व्रत का विधिपूर्वक समापन। नवरात्रि में उपवास रखने वाले भक्त नवमी तिथि तक माता की उपासना करते हैं और पूर्ण श्रद्धा के साथ व्रत का पालन करते हैं। जब नवमी तिथि समाप्त हो जाती है और दशमी तिथि प्रारंभ होती है, तब व्रतधारी श्रद्धालु विशेष पूजा-अर्चना के बाद पारण करते हैं।

इस दिन कन्या पूजन का भी विशेष महत्व होता है, जिसमें नौ कन्याओं को भोजन कराकर आशीर्वाद लिया जाता है। नवमी तिथि पर हवन और देवी पूजन किया जाता है। दशमी तिथि लगने के बाद भक्त व्रत खोलते हैं। पारण के दौरान सात्विक भोजन किया जाता है, जिसमें हलवा, चना और पूरी का विशेष महत्व होता है।

कन्या पूजन कर उन्हें भोजन कराना और वस्त्र, दक्षिणा देना शुभ माना जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, विधिपूर्वक पारण करने से माता रानी की कृपा प्राप्त होती है और सुख-समृद्धि बढ़ती है। साथ ही, जीवन में शांति, सफलता

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ

संपादकीय

यह किसकी जमीन

विधायक प्राथमिकता बैठक से रूठा भाजपा का कुनबा भले ही बहिष्कार करता रहा, लेकिन प्रदेश के सत्ता पक्ष ने अपनी जमीन हथिया ली। विपक्ष की गैर मौजूदगी का आक्रोश छन से बाहर आया, तो मालूम हुआ कि हमारी राजनीति का स्तर किस गति से गिर रहा है। बहरहाल अपनी जवाबदेही में सरकार ने नाबार्ड योजनाओं के बही खाते खोल कर समझाने की चेष्टा की कि वह भी तू डाल-डाल, तो मैं पात-पात की स्थिति में है। इस बहिष्कार की संगत में 28 विधानसभा क्षेत्र कम से कम यह तो नहीं बता पाए कि उनके भीतर कितनी क्षमता, कितनी संभावना और कितनी महत्त्वाकांक्षा रची बसी है। मंडी जैसा पूरा जिला एक तरह से अलग होकर बैठ गया, तो भाजपा विधायकों का विजन खामोश हो गया। अगर सत्य विपक्ष के पास है, तो सत्ता को ऐसे दृष्टांत से बचने का रास्ता चाहिए। कोशिश अगर यह हो जाए कि 28 विधानसभा क्षेत्रों के लोग भी सरकार को प्रिय हैं, तो धरातल पर उभरते अक्स में कुछ तो कहा जाएगा। खैर इन बैठकों के माध्यम से प्रदेश के कांग्रेसी विधायकों का विजन तो सामने आया। खास पहलू यह कि अब हर विधानसभा क्षेत्र में पर्यटन की संभावना खोजी जाने लगी है। कुछ संकल्प व्यावहारिक और कुछ भविष्य की ओर देख रहे हैं। जब पालमपुर के आशीष बुटेल टी-टूरिज्म की कोंपलें चुनते हैं या बैजनाथ के विधायक किशोरी लाल बीड़-बिलिंग में पर्यटक सूचना केंद्र मांगते हैं, तो परिदृश्य में रौनक आती है। ज्वालामुखी के विधायक संजय रत्न मंदिर परिसर की सुविधाओं को आगे बढ़ाने का रास्ता चुनते हैं, तो धार्मिक पर्यटन का मंत्रोच्चारण शुरू होता है। चंबा के नीरज नैयर पर्यटन गतिविधियों में इजाफे के साथ हेली टूरिज्म की प्राथमिकता को आवाज देते हैं, तो हजार साल की संस्कृति कहीं मिंजर समारोह से आगे धरोहर पर्यटन की खोज खबर लेती है। शीतकालीन मरुस्थल को शीतकालीन खेलों का मक्का बनाने के प्रयत्न में लाहौल-स्पीति की विधायक अनुराधा राणा, प्रगतिशील इरादों को उकेर देती हैं। इसी तरह ठियोग के विधायक कुलदीप सिंह राठौर हाटू रोपवे के माध्यम से अपने क्षेत्र में पर्यटन का वसंत उगाना चाहते हैं। कहना न होगा कि अब विधायक अपने दायित्व के क्षेत्र में पर्यटन का दायरा बड़ा करना चाहते हैं। चाहते तो भाजपा के विधायक भी यही होंगे, क्योंकि अगर ज्वालाजी मंदिर को चार चांद लगते हैं, तो कांगड़ा, चामुंडा, दियोटसिद्ध और नयनादेवी के दर्शनों में विपक्षी विधायक भी सैलानियों के लिए पर्यटन का लंगर लगाना चाहते होंगे। मंडी की शिवधाम परियोजना के पीछे भाजपा विधायक और नेता प्रतिपक्ष की प्रतिबद्धता नजर आती है। जाहिर है विजन की हाजिरी के लिए सतत प्रयास चाहिए और अगर राज्य में पर्यटन के जरिए आर्थिकी व रोजगार के समाधान संभव हैं, तो पर्यटन प्राथमिकता बैठकों में विपक्ष की साझेदारी दिल्ली तक जरूरी है। ऐसे में सरकार अगर पर्यटन राज्य की शक्ल में प्राथमिकताएं तय करती है, तो हर विधानसभा क्षेत्र से हर गांव की दहलीज तक न जाने कितने-कितने पर्यटक हाजिरी लगाएंगे। राज्य के लक्ष्य में अगर आर्थिकी का संकल्प खड़ा करना है, तो इसे विविधता और सियासी एकता में देखना होगा। हर विधानसभा को कम से कम एक पर्यटक गांव तो बसा ही लेना चाहिए। इस तरह विधायक प्राथमिकता का ओजस्वी चेहरा, एक साथ 68 विधानसभा क्षेत्रों व सरकार के विभिन्न विभागों के बजटीय प्रावधानों का प्रसार हो जाएगा।

विपक्ष की गैर मौजूदगी का आक्रोश छन से बाहर आया, तो मालूम हुआ कि हमारी राजनीति का स्तर किस गति से गिर रहा है। बहरहाल अपनी जवाबदेही में सरकार ने नाबार्ड योजनाओं के बही खाते खोल कर समझाने की चेष्टा की कि वह भी तू डाल-डाल, तो मैं पात-पात की स्थिति में है। इस बहिष्कार की संगत में 28 विधानसभा क्षेत्र कम से कम यह तो नहीं बता पाए कि उनके भीतर कितनी क्षमता, कितनी संभावना और कितनी महत्त्वाकांक्षा रची बसी है। मंडी जैसा पूरा जिला एक तरह से अलग होकर बैठ गया, तो भाजपा विधायकों का विजन खामोश हो गया। अगर सत्य विपक्ष के पास है, तो सत्ता को ऐसे दृष्टांत से बचने का रास्ता चाहिए। कोशिश अगर यह हो जाए कि 28 विधानसभा क्षेत्रों के लोग भी सरकार को प्रिय हैं, तो धरातल पर उभरते अक्स में कुछ तो कहा जाएगा। खैर इन बैठकों के माध्यम से प्रदेश के कांग्रेसी विधायकों का विजन तो सामने आया। खास पहलू यह कि अब हर विधानसभा क्षेत्र में पर्यटन की संभावना खोजी जाने लगी है। कुछ संकल्प व्यावहारिक और कुछ भविष्य की ओर देख रहे हैं। जब पालमपुर के आशीष बुटेल टी-टूरिज्म की कोंपलें चुनते हैं या बैजनाथ के विधायक किशोरी लाल बीड़-बिलिंग में पर्यटक सूचना केंद्र मांगते हैं, तो परिदृश्य में रौनक आती है। ज्वालामुखी के विधायक संजय रत्न मंदिर परिसर की सुविधाओं को आगे बढ़ाने का रास्ता चुनते हैं, तो धार्मिक पर्यटन का मंत्रोच्चारण शुरू होता है।

पुस्तक मेला केवल किताबों तक सीमित नहीं है, यह सांस्कृतिक अभिव्यक्ति का भी एक मंच है

पुस्तक-महाकुंभ से एक नये दौर का सूत्रपात

ललित गर्ग

प्रयागराज में सनातन धर्म का महाकुंभ तो दूसरा दिल्ली में पुस्तकों का महाकुंभ। 1 फरवरी से 9 फरवरी 2025 तक प्रगति मैदान के भारत मंडपम में पाठकों, लेखकों और प्रकाशकों एक भव्य महा-उत्सव जो पांच दशकों की समृद्ध विरासत के साथ, साहित्य, संस्कृति और ज्ञान का जीवंत संगम बना हुआ है।

देश में दो महाकुंभ चल रहे हैं, एक प्रयागराज में सनातन धर्म का महाकुंभ तो दूसरा दिल्ली में पुस्तकों का महाकुंभ। 1 फरवरी से 9 फरवरी 2025 तक प्रगति मैदान के भारत मंडपम में पाठकों, लेखकों और प्रकाशकों एक भव्य महा-उत्सव जो पांच दशकों की समृद्ध विरासत के साथ, साहित्य, संस्कृति और ज्ञान का जीवंत संगम बना हुआ है। इस वर्ष के पुस्तक मेले की मुख्य थीम 'रिपब्लिक @ 75' है, जो भारतीय संविधान के 75 वर्षों के जश्न पर एक मजबूत भारत की परिकल्पना, राष्ट्र-निर्माण में प्रगति, और 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य पर केन्द्रित है। पुस्तक मेले का एक मुख्य आकर्षण बच्चों का मंडप है, जिसका उद्देश्य बच्चों के साहित्य को बढ़ावा देना और युवाओं में पढ़ने की आदत विकसित करना है। पुस्तक मेला केवल किताबों तक सीमित नहीं है; यह सांस्कृतिक अभिव्यक्ति का भी एक मंच है। मेले में आयोजित नाट्य, संगीत, लोक कला और परंपरागत प्रस्तुतियाँ इसे एक समग्र अनुभव और वैश्विक दृष्टिकोण के संवाद का अवसर प्रदान कर रही है। इस अवसर पर विभिन्न देशों के साहित्यिक प्रतिनिधिमंडल की सहभागिता हो रही है, जो अपने सांस्कृतिक मूल्यों, परंपराओं और साहित्यिक दृष्टिकोण को साझा कर रहे हैं। आज डिजिटलीकरण और कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) के दौर में भले ही पुस्तकों की उपादेयता एवं अस्तित्व पर प्रश्नचिन्ह टंग रहे हो, लेकिन ऐसे अनूठे एवं विलक्षण पुस्तक मेले पुस्तकों की उपयोगिता, प्रासंगिकता एवं महत्व को नये पंख भी दे रहे हैं। पुस्तक मेलों की परंपरा भारत और विश्व में सैकड़ों वर्षों से चली आ रही है। प्राचीन भारत में भी पांडुलिपियों के आदान-प्रदान और साहित्यिक संवाद की परंपरा थी। आधुनिक युग में, पुस्तक मेले का आयोजन पहली बार यूरोप में 15वीं शताब्दी में हुआ। गुटेनबर्ग द्वारा मुद्रण तकनीक के आविष्कार के बाद पुस्तकों का वितरण तेज़ी से बढ़ा और इसने पुस्तक मेलों के आयोजन को प्रेरित किया। भारत में पुस्तक मेलों की आधुनिक परंपरा 1970 के दशक में प्रारंभ हुई, जब नेशनल बुक ट्रस्ट ने दिल्ली में पहले

विश्व पुस्तक मेले का आयोजन किया। ये मेले न केवल साहित्यिक संवाद का माध्यम बने हैं, बल्कि विभिन्न भाषाओं और संस्कृतियों को जोड़ने का एक सशक्त मंच बनकर शब्द, विचार तथा भावनाओं को जीवंत किया हैं। ये केवल पुस्तकों की खरीद-बिक्री का स्थान नहीं, बल्कि भाषाई और साहित्यिक विविधता को प्रोत्साहित करते हुए समाज के विभिन्न वर्गों को एक मंच पर लाकर उनके विचारों को साझा करने का अवसर भी प्रदान करते हैं। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि पुस्तक मेले न केवल साहित्यिक चेतना को सजीव करते हैं, बल्कि गहरी सांस्कृतिक चेतना का पोषण भी करते हैं। विश्व पुस्तक मेला न केवल पुस्तकों का उत्सव है, बल्कि यह भारत की सांस्कृतिक धरोहर, साहित्यिक समृद्धि और विविधता का उत्सव मनाने के साथ पुस्तक-संस्कृति को सजीव बनाने का अवसर भी है। इंसान की ज़िंदगी में विचारों का सर्वाधिक महत्वपूर्ण स्थान है। वैचारिक क्रांति एवं विचारों की जंग में पुस्तकें सबसे बड़ा हथियार है। जिसके लिए न तो कोई लाइसेंस लेना है, न ही इसके लिए किसी नियम-क़ायदे से गुज़रना है, लेकिन यह हथियार जिसके पास हैं, वह ज़िंदगी की जंग हारेगा नहीं। जब लड़ाई वैचारिक हो तो किताबें हथियार का काम करती हैं। किताबों का इतिहास शानदार और परम्परा भव्य रही है। पुस्तकें मनुष्य की सच्ची मार्गदर्शक हैं। पुस्तकें सिर्फ जानकारी और मनोरंजन ही नहीं देती बल्कि हमारे दिमाग को चुस्त-दुरुस्त रखती हैं। समाज में पुस्तकें पुनः अपने सम्मानजनक स्थान पर प्रतिष्ठित हो, इसके लिये ऐसे मेले मील का पत्थर है। पुस्तकें वैचारिक जंग के साथ-साथ जीवन-जंग को जीतने का सक्षम आधार है। आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी ने पुस्तकों के महत्व पर लिखा है कि तोप, तीर, तलवार में जो शक्ति नहीं होती, वह शक्ति पुस्तकों में रहती है। तलवार आदि के बल पर तो हम केवल दूसरों का शरीर ही जीत सकते हैं, किंतु मन को नहीं। लेकिन पुस्तकों की शक्ति के बल पर हम दूसरों के मन और हृदय को जीत सकते हैं। ऐसी जीत ही सच्ची और स्थायी हुआ करती है, केवल शरीर की जीत नहीं! वस्तुतः पुस्तकें सचमुच हमारी मित्र हैं। वे अपना अमृतकोश सदा हम पर न्यौछावर करने को तैयार रहती हैं। उनमें छिपी अनुभव की बातें हमारा मार्गदर्शन करती हैं। हमारे मन में उठ रहे सवालों का जवाब पाने के लिए पुस्तकों से बेहतर ज़रिया कोई भी नहीं। तब भी जब हमारे आस-पास कोई नहीं है, हम अकेले हैं, उदास हैं, परेशान हैं, किताबें हमारी सच्ची दोस्त बनकर हमें सहारा देती हैं। पुस्तकों का महत्व एवं क्षेत्र सार्वकालिक, सार्वभौमिक एवं सार्वदैशिक है। जहां तक जीवन की पहुंच है, वहां तक पुस्तकों का क्षेत्र है। पुस्तकों की यही कसौटी बताई गयी है कि वे जीवन से उत्पन्न होकर सीधे मानव जीवन को प्रभावित करती है। दो और दो चार होते हैं, यह चिर सत्य है पर साहित्य नहीं है क्योंकि जो मनोवेग तरंगित नहीं करता, परिवर्तन एवं कुछ कर गुजरने की शक्ति नहीं देता, वह साहित्य नहीं हो सकता अतः अभिव्यक्ति जहां आनन्द एवं जीवन ऊर्जा का स्रोत बन जाए, वहीं वह साहित्य है। पुस्तकें पढ़ना विचार सुनने या भाषणों से बेहतर हैं। रेडियो पर अपने मन की बात के जरिये प्रधानमंत्री नरेद्र मोदी ने हिन्दी के अमर कथाकार मुंशी प्रेमचन्द का उल्लेख करते हुए लोगों से अपने दैनिक जीवन में किताबें पढ़ने की आदत डालने का आह्वान किया था। साथ ही उपहार में 'बुके नहीं बुक' यानी किताब देने की बात कही। पुस्तक-संस्कृति को जनजीवन में प्रतिष्ठापित करने की दृष्टि से उनकी यह एक नयी प्रेरणा है, झकझोरने एवं सार्थक दिशाओं की ओर अग्रसर करने की मुहिम है।

दृष्टि कोण

आत्मनिर्भर एवं विकसित प्रदेश का निर्माण

हिमाचल प्रदेश का पूर्ण राज्यत्व दिवस समारोह शिवभूमि बैजनाथ में गत 25 जनवरी को संपन्न हो गया। यह दिन बैजनाथ के नागरिकों के लिए दो कारणों से महत्वपूर्ण था क्योंकि बैजनाथ के इतिहास में पहली बार किसी बड़े राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन हुआ तो वहीं बैजनाथ विधानसभा क्षेत्र के लिए मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने स्थानीय विधायक किशोरी लाल द्वारा रखी गईं सभी मांगों को खुशी खुशी पूरा करने की घोषणाएं भी मंच से कीं। बैजनाथ क्षेत्र को पूर्ण राज्यत्व दिवस समारोह के लिए निर्धारित करना मुख्यमंत्री की दूरदर्शी सोच को भी रेखांकित करता है। सुक्खू सरकार को चाहिए कि वह इसी तर्ज पर जिला स्तरीय स्वतंत्रता एवं गणतंत्र दिवसों के आयोजन भी संबंधित जिलों के उपमंडल एवं तहसील मुख्यालयों में आयोजित करने के बारे में सोचे ताकि राज्य की अधिकतम आबादी को इन राष्ट्रीय पर्वों के आयोजन में भागीदारी का सुअवसर प्राप्त हो। बैजनाथ में आयोजित समारोह में बड़ा भंगाल घाटी के बाशिंदों ने भी बढ़-चढ़ कर शिरकत की तो वहीं चढियार को पूर्ण तहसील का दर्जा देने की मुख्यमंत्री की घोषणा ने समारोह में मौजूद लोगों को तालियां बजाने के लिए बाध्य कर दिया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर चढियार में लोक निर्माण विभाग का नया उपमंडल खोलने और पपरोला-बैजनाथ बाईपास मार्ग पर संसाली-भटवाली में बिनवा नदी पर पुल के निर्माण की घोषणा की। बैजनाथ-पपरोला के संकरे बाजारों में निरंतर लगने वाले जाम से यथाशीघ्र निजात मिले, इसके लिए इस बाईपास का निर्माण बेहद अहम हो गया है। मुख्यमंत्री ने संसाल में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र स्थापित करने और माहलपट गांव में राजीव गांधी डे-बोर्डिंग स्कूल खोलने जैसी महत्वपूर्ण घोषणाएं भी कीं। लोकतंत्रात्मक प्रणाली में नागरिकों के कल्याण एवं सेवार्थ हेतु आवश्यक मूलभूत व्यवस्थाओं को अमलीजामा पहनाना चुनी हुई सरकारों का दायित्व रहता है, लेकिन इस प्रकार की घोषणाओं को धरातल पर साकार करने के लिए बजट की भी जरूरत रहती है। चूंकि वर्ष 2025-26 में, यानी अगले वित्त वर्ष में केंद्रीय राजस्व घाटा अनुदान घटकर 3257 करोड़ रुपए रहने का अनुमान है, इसलिए राज्य की वित्तीय समस्याएं बढने वाली हैं और मुख्यमंत्री मानते भी हैं कि आगामी वित्तीय वर्ष चुनौतीपूर्ण रहेगा। आज यदि हिमाचल का प्रत्येक नागरिक खुशहाल और सुखमय जीवनयापन कर रहा है तो इसके पीछे उनकी अपनी मेहनत तो है ही, लेकिन शिक्षा के क्षेत्र में हुई प्रगति का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है। वर्तमान में हिमाचल प्रदेश के दुर्गम क्षेत्रों में भी घर के निकट हमारे बच्चों को स्कूलों एवं महाविद्यालयों में पढने की सुविधाएं मिल रहीं हैं तो इसका श्रेय भी हिमाचल के नेतृत्व को जाता है, लेकिन इसी दरमियान निजी शिक्षण संस्थानों का भी विस्तार हुआ है, लिहाजा सरकारी शिक्षण संस्थानों से विद्यार्थियों के पलायन ने वर्तमान सुक्खू सरकार को सरकारी क्षेत्र के स्कूलों के युक्तिकरण के बारे में कड़े फैसले लेने के लिए भी बाध्य किया है और यह जरूरी भी है क्योंकि हिमाचल की आर्थिक स्थिति और कर्ज को लेकर स्वयं मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह पूर्ण राज्यत्व दिवस के भाषण में विद्यमान आर्थिक संकट को लेकर चिंतित नजर आते हैं। इस बार के केंद्रीय बजट में हिमाचल को कोई बड़ा प्रोजेक्ट नहीं मिला है। इसलिए यह बेहद जरूरी हो जाता है कि सरकार अपनी नीतियों, कार्यक्रमों और योजनाओं का पुनर्निरीक्षण करे और देखे कि कहां, क्या कमियां रह गई हैं, उनमें बदलाव लाए। 1980 में राज्य का सकल घरेलु उत्पाद 794 करोड़ से बढक़र (जीएसडीपी) 2024-25 में 227136 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है, लेकिन बढ़ता कर्ज प्रदेश सरकार के लिए जी का जंजाल बना हुआ है। इसलिए जरूरी है कि राज्य की आय के संसाधन बढ़ें, जिससे विकास कार्यों को गति मिले, प्रदेश के बच्चों को नौकरियां मिलें, पर्यटन, ऊर्जा, बागवानी और सडक़ विकास को गति मिले। आय बढ़ाने के लिए राज्य में आयोजित किए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय, राज्य एवं जिला स्तरीय मेलों से होने वाली आय का इस्तेमाल फिजूलखर्ची करके उड़ाने के बजाय विकासात्मक कार्यों पर खर्च किया जाना चाहिए। हाल ही में मंडी शिवरात्रि मेले के लिए सिर्फ पड्डुल मैदान की रेहड़ी फड़ी मार्किट 1.03 करोड़ में बिकी है, जबकि अन्य स्रोतों से लाखों की आय अलग से होगी। स्पष्ट है कि पूरे प्रदेश के मेलों के संदर्भ में यह इन्कम करोड़ों के आंकड़े को छुएगी। हाल ही में सरकार ने नए आईएएस/आईपीएस और आईएफएस कैडर के अधिकारियों को हिमाचल कैडर में न लेने के अपने फैसले से केंद्रीय कार्मिक विभाग को आधिकारिक रूप से सूचित किया है। सरकारी विद्यालयों एवं महाविद्यालयों का मर्जर एवं युक्तिकरण एक अनिवार्य फैसला है। ऐसे ही फैसले अन्य विभागों के लिए भी होने चाहिए। अनावश्यक अनुत्पादक और गैर लाभकारी योजनाओं को इसी बजट में अलविदा कह देना चाहिए। मुख्यमंत्री स्वीकार भी करते हैं कि हिमाचल के लोग अमीर हैं, लेकिन सरकार गरीब है। यह सच भी है, आज हिमाचल के हर गांव-कस्बे में निजी निर्माण कार्यों की भरमार है, संपन्न हिमाचलियों ने पांच लाख से ज्यादा प्रवासी भारतीयों को रोजगार दे रखा है। यह सवाल उठना भी लाजिमी है कि एपीएल कार्ड धारकों को सस्ते राशन पर आखिर सरकार किसलिए प्रत्येक वर्ष लगभग 250 करोड़ रुपए की सब्सिडी देती है।

कुछ अलग

छिलकों की छाबड़ी : अच्छे दिन कहां?

कहीं किसी रोज एक बच्चा बोरवैल में गिर गया, मीडिया कर्मी उसे निकालने का प्रयास किए बिना पूछ रहे हैं कि 'बच्चे, आप इस बोरवैल में गिर कर कैसा मसहूस कर रहे हैं, कि जैसे पूछ रहे हों, आपने हमारा चॉकलेट खाकर कैसा महसूस किया, मीठा है कि कड़वा-कड़वा थू?' बच्चे ने जवाब नहीं दिया तो सही जवाब जानने के लिए वे अगले बोरवैल में किसी बड़ी उम्र के आदमी के गिरने का इंतजार करने लगे। फिलहाल एक दोटूक फैसले में राज्य के मसीहा ने पूरे राज्य में खुले पड़े बोरवैलों को बंद करने का आदेश दे दिया है। बस अब ईंट, सीमेंट, रेत सामग्री का इंतजार हो रहा है। ठेकेदार अपनी काम करने वालों की कुमक के साथ काम करने के लिए तत्पर हैं। बस उनकी मांग है तो इतनी-सी कि उसके पिछले काम का रुका हुआ भुगतान दिलवा दिया जाए। बंधु, हम तो बकाया देने के लिए तत्पर हैं, लेकिन पिछली सरकार 'अंधा बांटे रेवडियां मुड़-मुड़ अपनों को दे' के अंदाज में खजाना खाली कर गई। हमने जनता को उनके सर्वग्रासी पंजे से छुटकारे के वायदों के बाद उनकी गद्दी के साथ यह खाली खजाना संभालने की विरासत पाई थी। हम अभी गद्दी सुरक्षित करने में लगे हैं, पहले अपने लिए, फिर अपने नाती-पोतों के लिए। खाली खजाने की विरासत हमने केन्द्र में बैठी आला सरकार को सौंपने की कोशिश की थी, उन्होंने हाथ खड़े कर दिए। हुजूर बंदर की बला कौनसा तबेला अपने सिर लेने के लिए तैयार होगा? और वह भी ऐसा तबेला जो हमारे सौतेले बाप का हो, हमारी पार्टी अलग, उनकी पार्टी अलग। फिर विचारधारा भी तो अलग-अलग है। चुनाव परिणाम निर्णायक थे, इसलिए मरम्मत करके कोई नया निम्नतम सांझा कार्यक्रम भी नहीं बनाया जा सका कि वह रेते लीजिये कहीं की ईंट कहीं का रोड़ा, भानुमती ने कुनबा जोड़ा। अभी तो नया कुनबा बनाने की जरूरत नहीं पड़ी, इसलिए ईंट की दीवार में रोड़े कैसे चिन देते? तब बहुत से राजनीतिक अदावल के आरोप इन केन्द्र बंधुओं पर लगा कर, राज्य के मसीहा अपना दुःखड़ा लेकर जनता के बीच जाने की बात कहने लगे, लेकिन बातों से खाली खजाने का पेट नहीं भरता। फिर जरूरी भुगतान कैसे कर दिए जाएं? सब बोरवैल बंद करने के आदेश असमर्थता की दीवारों से टकरा कर लौट आए। बच्चा बोरवैल में गिरा है, कैसा महसूस कर रहा है, अभी जवाब नहीं दे पाया। नौजवानों के लिए भी बोरवैल बंद नहीं हुए, दिशाहीनता के अंधकूप खुल गए। इन अंधकूपों से कोई आवाज नहीं उभरती कि वे कैसा महसूस कर रहे हैं? कभी-कभी उनमें से कोई झुंड बाहर झांकता है, और वैध-अवैध कबूतरबाजों के टूटे हुए डैनों पर सवार होकर सात समुद्र पार जाने की कोशिश करता है। रास्ता समुद्री है तो माल्टा नौका दुर्घटनाओं जैसी त्रासदियां उसकी गलबहियां लेने को तैयार मिलती हैं। रास्ता मैदानी है तो तेल शेखों की गुलामी और दोयम दर्जे की नागरिकता उनका पीछा करती है। हवाई उड़ानें किसी सम्पन्न देश के अड्डे पर उतर गई, तो बेलौस, ठण्डे और अंधेरे कारागार उनकी प्रतीक्षा करते हैं। उससे बच निकले तो यहां का डाक्टर वहां कम्पाऊंडर भी बन जाए, तो समझो उसका जीवन सफल हो गया। कुछ पता नहीं चलता कि इस देश के निरीह लोगों का यहां बोरवैल में गिर कर या अंधकूप में कैद हो जाना बेहतर है या विदेशियों की बेगानी धरती पर किसी नए अंधकूप में कैद होकर सुखी हो जाने का बहाना करना। हमने गणतंत्रता की पौन सदी भी पूरी कर ली, लेकिन इस प्रश्न का जवाब आज तक नहीं मिला।

देश दुनिया से

पर का बुरा न राखहु चीत...

आयरिश नाटककार बर्नार्ड शॉ ने एक बार कहा था कि सबसे अशिक्षित व्यक्ति वह है जिसके पास भूलने के लिए कुछ नहीं है। यह एक चतुर और महत्वपूर्ण अवलोकन है। हर दिन लोगों को नकारात्मक अनुभवों का सामना करना पड़ता है। नकारात्मक अनुभव चाहे कैसा भी हो, अधिक महत्व का या कम महत्व का, लोग आम तौर पर इन नकारात्मक अनुभवों पर बार-बार ध्यान लगाते हैं और उसे मन ही मन दोहराते रहते हैं। नकारात्मक अनुभव हुआ और गुजर गया, लेकिन जब हम उसी पर ध्यान लगाए रखें तो वह गुजर चुका होने के बावजूद भी हमारे लिए वर्तमान बन जाता है और लगातार दुखी करता रहता है। एक बार जब यह आदत बन जाती है तो इसका अगला नकारात्मक प्रभाव यह है कि तब यह अप्रिय अनुभव हमारी सक्रिय स्मृति का हिस्सा बनकर अंततः नकारात्मकता का एक बड़ा जंगल बन जाता है। इसलिए इस प्रकार की दुखद घटनाओं को भूल जाना ही सबसे अच्छा है। नकारात्मक अनुभव के मामले में जो कुछ भी हुआ, वह अक्सर हमारे नियंत्रण से बाहर होता है, लेकिन इसे भूल जाना और इसे अपनी स्मृति का हिस्सा बनने से रोकना हमारे हाथ में है। एक और महत्वपूर्ण बात यह है कि इस संदर्भ में चुनाव भूलने और न भूलने के बीच नहीं है, असली विकल्प हर तरह की कड़वी यादों के साथ जीने और खुद को उनसे पूरी तरह मुक्त करने के बीच है। अप्रिय यादों की कड़वाहट में रहने से अच्छा है कि हम उनसे मुक्त हो जाएं। यह हमें व्याकुलता से बचाकर हमारी ऊर्जा को अकारण खर्च होने से बचाता है, समय बर्बाद होने से बचाता है और नकारात्मक विचारों के कारण सेहत की गड़बड़ी से भी बचाता है। आइए, अब हम नकारात्मक विचारों के दूसरे पहलू को भी देख लें। नकारात्मक अनुभव होने का मतलब है कि सामने वाला व्यक्ति हमें पसंद नहीं करता, हमसे घृणा करता है, हमें छोटा बनाने की कोशिश कर रहा है। जब कोई व्यक्ति हमारा अपमान करके खुद को बड़ा साबित करने की कोशिश करता है तो ज्यादातर मामलों में वह व्यक्ति हमारी काबीलियत और हमारी प्रगति के कारण हमसे जलन रखने वाला व्यक्ति होता है, जो हमसे इसलिए ईर्ष्या करता है क्योंकि वह धन में, स्टेटस में, सम्मान में से किसी न किसी रूप में हमसे पीछे है। चूंकि वह हमारी बराबरी नहीं कर पा रहा है, इसलिए वह हमसे जलता है, और उसकी वह जलन इस रूप में प्रकट होती है कि वह हमें ठेस पहुंचाकर, हमें नीचा दिखाकर या हमारा अपमान करके अपने अहम् को संतुष्ट करने की कोशिश कर रहा है। ऐसे व्यक्ति पर तो हमें क्रोध करने के बजाय, उस पर दया करनी चाहिए। वह सचमुच दया का पात्र है। यही नहीं, वह व्यक्ति हमसे ईर्ष्या ही इसलिए करता है क्योंकि अपने सभी प्रयत्नों के बावजूद वह हमारी बराबरी नहीं कर पा रहा, यानी, वह हमारी काबीलियत को जानता है, हमारी काबीलियत को मानता है, और असल में हमारी काबीलियत का प्रशंसक है, पर अपने स्वभाव से मजबूर होकर वह उस प्रशंसा को प्रशंसा के रूप में प्रकट न करके, ईर्ष्या के रूप में प्रकट कर रहा है। ऐसे में हमें अपने उस प्रशंसक पर क्रोध करके खुद को दुखी करते रहना उचित नहीं है। यही नहीं, हमें अपने मन में उसके लिए किसी भी तरह की बदले की भावना भी नहीं रखनी चाहिए। गुरबाणी में ठीक ही कहा गया है- 'पर का बुरा न राखहु चीत, तुम कउ दुख नहीं भाई मीत।' इसका अर्थ है कि- ऐ भाई, ऐ मित्र, अपने चित्त में, अपने मन में कभी किसी के लिए बुरा मत चाहो। कभी मन में यह इच्छा मत पैदा होने दो कि किसी का नुकसान हो। इसका परिणाम यह होगा कि तुम्हें कोई दुख नहीं मिलेगा। यूं भी किसी के बारे में बुरा सोचकर, या अपने अपमान की घटना के बारे में बार-बार सोचकर हम सिर्फ खुद के लिए बीमारी ही मोल लेते हैं। यदि हम मानसिक और शारीरिक व्याधियों से बचे रहना चाहते हों तो इसके लिए सहज संन्यास मिशन का मार्गदर्शन बहुत काम आ सकता है। सहज संन्यास की जीवनशैली इन व्याधियों से बचाव के लिए बहुत प्रभावशाली है। कहते हैं कि यात्रा के समय सामान जितना कम होगा, यात्रा उतनी सुखद होगी। सहज, सरल जीवन का मतलब ही यही है कि हम संग्रह नहीं करते, बीते कल का पछतावा नहीं करते, आने वाले कल की फिक्र नहीं करते, जो कुछ सामने हो, उसे पूरी शिद्दत से निभाते हैं। इसीलिए कहा जाता है कि इस नियम का पालन करने वाले एकदम सीधा और सरल जीवन जीते हैं।

इसका किसी कर्मकांड से, पूजा के विधि-विधान से, या ग्रंथों के पठन-पाठन से कोई लेना-देना नहीं है। इसके लिए अपनी सोच में एक रचनात्मक परिवर्तन लाने की आवश्यकता है। इस परिवर्तन के लिए छोटे-छोटे कदम उठाकर अपना लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। पहली बात तो यही है कि हम सोच लें कि सोच बदलनी है। इससे हमें वह मोटिवेशन, वह प्रेरणा मिलेगी जो सोच बदलने में सहायक होगी। सतर्कता बस इतनी चाहिए कि हम अपने लक्ष्य के बारे में पूर्णतः स्पष्ट हों, उसमें कोई किंतु-परंतु न हो, कोई शक-शुबहा न हो। हमें यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि हम जो लक्ष्य प्राप्त करना चाहते हैं, वह क्यों चाहते हैं, हमारा अंतिम उद्देश्य क्या है। जब हम इस बारे में स्पष्ट हों कि हमें अपनी सोच बदलनी है, लक्ष्य और उसका अंतिम उद्देश्य, लक्ष्य प्राप्ति का कारण भी स्पष्ट हो तो फिर यह देखना चाहिए कि पहला कदम क्या उठाएं। छोटे-छोटे कदमों से आगे बढ़ते चलें। इससे लक्ष्य तक पहुंचने की यात्रा आसान हो जाएगी, बोझिल नहीं बनेगी। जब ऐसा कर लें तो फिर यह सोचें कि हमें अपने जीवन में क्या-क्या वरदान मिले हैं, क्या सुख हैं, कौन-कौन सी खुशियां हैं। इससे हममें कृतज्ञता का भाव आएगा। ध्यान यह रखना है कि अपने सुख और खुशियों का आकलन करते समय हममें कृतज्ञता का भाव आए, अहंकार का नहीं। बस अब सब सरल है। अब प्रेममय होना कठिन नहीं रह जाता। यह एक सीधे और सादे जीवन का आसान सा पाठ है, जरूरत सिर्फ इसे समझने की है, और समझकर जीवन में उतारने की है। इतना कर लिया तो फिर कुछ और बाकी नहीं रह जाता। याद बस यह रखना चाहिए कि नजरिया बदलने से सब बदल जाता है। यह समझ लिया तो फिर मंगल ही मंगल है।

आप का नजरिया

पीएम का दोहराव भाषण

प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर सियासी जवाब दिया और विपक्ष को निशाने पर रखा। यह संसदीय परंपरा है कि केंद्र में राष्ट्रपति मौजूदा सरकार की नीतियों और उसके कार्यक्रमों पर अभिभाषण देते हैं और राज्यों में यह भूमिका राज्यपाल निभाते हैं। अभिभाषण सरकार के अधिकारी ही लिखते हैं, लिहाजा सांसदों या विधायकों का संबोधन पूरी तरह राजनीतिक होता है। प्रधानमंत्री मोदी ने करीब 95 मिनट के भाषण में गांधी परिवार, केजरीवाल और अखिलेश यादव सरीखे विपक्ष पर कई पलटवार किए, तंज भी कसे और पुराने, अप्रासंगिक मुद्दों को भी उठाया। प्रधानमंत्री ने 1961-63 के दौरान अमरीका के राष्ट्रपति रहे जॉन एफ. कैनेडी और भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के आपसी संबंधों का जिक्र किया और कैनेडी पर लिखी एक किताब पढने की सलाह दी। अमरीका के 35वें राष्ट्रपति कैनेडी पर असंख्य किताबें लिखी गई हैं, लेकिन आज कैनेडी-नेहरू के संबंधों की प्रासंगिकता क्या है? यह मोदी-ट्रंप का दौर है। आज 1962 के भारत-चीन युद्ध के दौरान हमारी असफलताओं को क्यों दोहराया जाए? बेशक चीन का भारत की 38,000 से ज्यादा वर्ग किलोमीटर जमीन पर कब्जा है। वह चीन युद्ध की देन है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी इस आयाम पर बयान दिया है। फिर इस किताब की प्रासंगिकता कितनी है, जिसमें तत्कालीन प्रधानमंत्री नेहरू की विदेश नीति की आलोचना की गई थी। यह भी उल्लेख था कि नेहरू चीन के युद्ध को समझ ही नहीं पाए। भारत की सेनाओं की तैयारियां ही नहीं थीं। चीन को लेकर कैनेडी ने नेहरू को सावधान किया था, लेकिन नेहरू ने उसे गंभीरता से नहीं लिया। ये तमाम करीब 63 साल पुराने संदर्भ हैं। बीते 11 साल से मोदी सरकार काम कर रही है। आज भारत-चीन के बीच अरबों डॉलर का कारोबार होता है, तो सैन्य रूप से दोनों देश प्रतिद्वंद्वी भी हैं। लद्दाख में भारत के हजारों सैनिक चीनी सैनिकों के सामने तन कर तैनात रहे, अंततः सेनाओं को पीछे हटने पर समझौता करना पड़ा। यह आज का महत्वपूर्ण यथार्थ है। यदि प्रधानमंत्री मोदी उचित समझते, तो उन सवालों के जवाब दे सकते थे, जो नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी समेत विपक्ष के कुछ सांसदों ने राष्ट्रपति अभिभाषण के संदर्भ में उठाए थे। उन्हें अनर्गल करार देकर खारिज कर सकते थे। प्रधानमंत्री के मुख से ये आंकड़े देश कई बार सुन चुका है कि मोदी सरकार ने 12 करोड़ घरों में नल से जल पहुंचाया है, उज्ज्वला योजना लागू की है, 40 लाख करोड़ रुपए सीधे ही जनता-जनार्दन के खातों में जमा कराए हैं, 10 करोड़ फर्जी लाभार्थियों के नाम मिटा कर 3 लाख करोड़ रुपए गलत हाथों में जाने से बचाए हैं, बुनियादी ढांचे का बजट 11 लाख करोड़ रुपए तय किया है, भारत आज विश्व की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, 3.5 लाख करोड़ रुपए किसानों के खातों में डाले हैं और 10 साल में कृषि का बजट 10 गुना बढ़ाया है। यह सूची बेहद लंबी है। बेशक हम 'विकसित भारत' का संकल्प लेकर आगे बढ़ रहे हैं, लेकिन अब वाकई 'जहर की राजनीति' नहीं होनी चाहिए। प्रधानमंत्री भी दोहराव करते न दिखें।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

भाग्य पर निर्भर न रहें और अपनी सेहत को सुधारने की कोशिश करें, क्योंकि क़िस्मत ख़ुद बहुत आलसी होती है। आप पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप अपनी जमा–पूंजी पारम्परिक तौर पर निवेश करें। अगर आप पार्टी करने की सोच रहे हैं, तो अपने अपने अच्छे दोस्तों को बुलाएँ। आज समय की नजाकत को देखते हुए आप अपने लिए समय निकाल सकते हैं लेकिन ऑफिस के किसी काम के अचानक आ जाने के कारण आप ऐसा करने में सफल नहीं हो पाएँगे। आपकी भागदौड़ भरी दिनचर्या के कारण आपका जीवनसाथी ख़ुद असहज महसूस करेगा ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज अपनी सेहत के चिंता करने की क़तई ज़रूरत नहीं है। आपके आस–पास के लोग आपको प्रोत्साहित करेंगे व सराहेंगे। जो लोग काफी वक्त से आर्थिक तंगी से गुजर रहे थे उन्हें आज कहीं से धन प्राप्त हो सकता है जिससे जीवन की कई परेशानियां दूर हो जाएंगी। पारिवारिक उत्तरदायित्व में वृद्धि होगी, जो आपको मानसिक तनाव दे सकती है। प्रेमी एक–दूसरे की पारिवारिक भावनाओं को समझेंगे। बड़े व्यापारिक लेन–देन करते वक़्त अपनी भावनाओं पर क़ाबू रखें। आज आप ऑफिस से घर वापस आकर अपना पसंदीदा काम कर सकते हैं। इससे आपके मन को शांति मिलेगी।

मिथुन – क,कि,कु,घ,ङ,छ,के,को,ह

अपने नकारात्मक रवैये के चलते आप प्रगति नहीं कर पा रहे हैं। यह इस बात को समझने का सही वक़्त है कि चिंता की आदत ने आपके सोचने की क्षमता को ख़त्म कर दिया है। हालात के उजले पहलू की ओर देखें और आप पाएंगे कि चीज़ें सुधर रही हैं। किसी करीबी दोस्त की मदद से आज कुछ करोबारियों को अच्छा–खासा धन लाभ होने की संभावना है। यह धन आपकी कई परेशानियों को दूर कर सकता है। नाते–रिश्तेदार तरक़्क़ी और समृद्धि के लिए नयी योजनाएँ लाएंगे। जीवनसाथी से बहुत ज़्यादा उम्मीदें रखना आपको वैवाहिक जीवन में उदासी की तरफ़ ले जा सकता है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज के दिन आप काम को अलग रखकर थोड़ा आराम करें और कुछ ऐसा करें जिसमें आपकी दिलचस्पी हो। आज अगर आप दूसरों की बात मानकर निवेश करेंगे, तो आर्थिक नुक़सान तक़रीबन पक्का है। प्रभावशाली और महत्वपूर्ण लोगों से परिचय बढ़ाने के लिए सामाजिक गतिविधियाँ अच्छा मौक़ा साबित होंगी। अपना बायोडाटा भेजने या किसी इंटरव्यू में जाने के लिए अच्छा समय है। आज रात को जीवनसाथी के साथ खाली वक्त बिताते समय आपको लगेगा कि आपको उन्हें और भी वक्त देना चाहिए।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

तली–भुनी खाने की चीज़ों से किनारा करें। अतिरिक्त आय के लिए अपने सृजनात्मक विचारों का सहारा लें। दिन के उत्तरार्ध में अचानक आई कोई अच्छी ख़बर पूरे परिवार को ख़ुशी देगी। ज़ाहिर तौर पर रोमांस के लिए पर्याप्त मौक़े हैं– लेकिन ऐसा बहुत कम समय के लिए है। सेमिनार और गोष्ठियों में हिस्सा लेकर आज आप कई नए विचार पा सकते हैं। अपना समय और ऊर्जा दूसरों की मदद करने में लगाएँ, लेकिन ऐसे मामलों में पड़ने से बचें जिनसे आपका कोई लेना–देना नहीं है। आपका जीवनसाथी आपको ज़्यादा ख़ास वक़्त देने वाला है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपका उदार स्वभाव आज आपके लिए कई ख़ुशनुमा पल लेकर आएगा। दीर्घावधि मुनाफ़े के नज़रिए से स्टॉक और म्यूचुअल फ़ंड में निवेश करना फ़ायदेमंद रहेगा। अपने घर के वातावरण में कुछ बदलाव करने से पहले आपको सभी की राय जानने की कोशिश करनी चाहिए। आज के दिन कार्यक्षेत्र में चीज़ें वाक़ई बेहतरी की ओर बढ़ सकेंगी । आज घर के लोगों के साथ बातचीत करते दौरान आपके मुंह से कोई ऐसी बात निकल सकती है जिससे घर के लोग नाराज हो सकते हैं। इसके बाद घर के लोगों को मनाने में आपका काफी समय जा सकता है। रिश्तेदारों को लेकर जीवनसाथी के साथ नोंकझोंक हो सकती है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

घर और दफ़्तर में कुछ दबाव आपको गुस्सैल बना सकता है। व्यापार को मजबूती देने के लिए आज आप कोई अहम कदम उठा सकते हैं जिसके लिए आपका कोई करीबी आपकी आर्थिक मदद कर सकता है। शादी लायक़ युवाओं का रिश्ता तय हो सकता है। इस राशि के जो लोग रचनात्मक कार्यों से जुड़े हैं उन्हें आज परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आज आपको महसूस हो सकता है कि रचनात्मक कार्य करने से बेहतर नौकरी करना था। व्यस्त दिनचर्या के बावजूद भी आज आप अपने लिए समय निकालपाने में सक्षम होंगे। खाली वक्त में आज कुछ रचनात्मक कर सकते हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

क़िस्मत के भरोसे न बैठें और अपनी सेहत सुधारने के लिए ख़ुद मेहनत करें, क्योंकि हाथ पर हाथ रखे रहने से कुछ नहीं होने वाला। तनाव का दौर बरक़रार रहेगा, लेकिन पारिवारिक सहयोग मदद देगा। आज के इस ख़ूबसूरत दिन प्रेम–संबंध में आपकी सभी शिकायतें ग़ायब हो जाएंगी। व्यावसायिक साझीदार सहयोग करेंगे और आप साथ मिलकर टलते आ रहे कामों को पूरा कर सकते हैं। आज आपको अपने ससुराल पक्ष से कोई बुरी खबर मिल सकती है जिसके कारण आपका मन दुखी हो सकता है ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आपकी सेहत पूरी तरह अच्छी रहेगी। रुका हुआ धन मिलेगा और आर्थिक हालात में सुधार आएगा। परिवार के सदस्यों के साथ कुछ आराम के पल बिताएँ। आपको अपनी ओर से सबसे अच्छा बर्ताव करने की ज़रूरत है, क्योंकि आपके प्रिय का मूड बहुत अनिश्चित होगा। नए विचार फ़ायदेमंद साबित होंगे। अपने काम से आराम लेकर आज आप कुछ समय अपने जीवनसाथी के साथ बिता सकते हैं। अपने जीवनसाथी के किसी छोटी बात को लेकर बोले गए झूठ से आप आहत महसूस कर सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

दाँत का दर्द या पेट की तक़लीफ़ आपके लिए परेशानी खड़ी कर सकती है। तुरंत आराम पाने के लिए अच्छे चिकित्सक की सलाह लेने में कोताही न बरतें। आज आपको समझ आ सकता है कि धन को बिना सोच विचारे खर्च करना आपको कितना नुक्सान पहुंचा सकता है. घर में साफ़–सफ़ाई की ज़रूरत तुरंत है। हमेशा की तरह इस काम को अगली बार के लिए न टालें और कमर कस कर जुट जाएँ। अगर आपको एक दिन की छुट्टी पर जाना है तो चिंता न करें, आपकी ग़ैरहाज़िरी में सभी काम ठीक से चलते रहेंगे। और अगर किसी ख़ास वजह से कोई परेशानी खड़ी भी हो जाए, तो आप लौटने पर उसे आसानी से हल कर लेंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

व्यापार में मुनाफा आज कई व्यापारियों के चेहरे पर खुशी ला सकता है। आपको ऐसी गतिविधियों में संलग्न होने की ज़रूरत है, जहाँ आपको अपने समान रुचियों के लोगों से मिलने का मौक़ा मिले। काम की अधिकता के बावजूद भी आज कार्यक्षेत्र में आपमें ऊर्जा देखी जा सकती है। आज आप दिये गये काम को तय वक्त से पहले ही पूरा कर सकते हैं। जिन लोगों के घर वाले शिकायत करते हैं कि वो घरवालों को पर्याप्त समय नहीं देते वो आज घरवालों को समय देने के बारे में सोच सकते हैं लेकिन ऐन वक्त पर किसी काम के आने की वजह से ऐसा नहीं हो पाएगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

गर्भवती महिलाओं को चलते–फिरते समय ख़ास ख़याल रखने की ज़रूरत है। कुछ ख़रीदने से पहले उन चीज़ों का इस्तेमाल करें, जो पहले से आपके पास हैं। घर में कुछ बदलाव लाने के लिए पहले बाक़ी लोगों की राय भली–भांति जान लें। अगर आप अपनी योजनाओं को सबके सामने खोलने में बिल्कुल नहीं हिचकते, तो आप अपनी परियोजना को ख़राब कर सकते हैं। किसी नये काम के आगाज के लिए आपको पहले उसके बारे में अनुभवी लोगों से बात करनी चाहिए। अगर आज आपके पास समय है तो उस क्षेत्र के अनुभवी लोगों से मिल लें जो काम आप शुरु करने वाले हैं।

शुक्रवार का पंचांग

दिनांक : 07 फरवरी 2025 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2081
मास : माघ , शुक्ल पक्ष
तिथि : दशमी रात्रि 09:28 तक
नक्षत्र : रोहिणी सायं 06:41 तक
योग : ऐन्द्र सायं 04:16 तक
करण : तैतिल प्रात: 10:10 तक
चन्द्रराशि : वृषभ
सूर्योदय : 06:46 , सूर्यास्त 06:14 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:44 , सूर्यास्त 06:23 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:38 , सूर्यास्त 06:14 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:36 , सूर्यास्त 06:06 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रात: 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : रोहिणी व्रत

पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

कांग्रेस का अस्तित्व उत्तर प्रदेश में ही नहीं, पूरे देश में कहीं नहीं है: बेढम

जयपुर,06 फरवरी (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता राम गोपाल यादव के कांग्रेस वाले बयान पर राजस्थान सरकार के गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने प्रतिक्रिया दी है। जवाहर सिंह बेढम ने आईएएनएस से बातचीत के दौरान राम गोपाल यादव के कांग्रेस वाले बयान को लेकर कहा कि वे अच्छी तरह से जानते हैं कि कांग्रेस का अस्तित्व उत्तर प्रदेश में नहीं, पूरे देश में ही कहीं नहीं है। धोखे से कहीं कोई वोटों के फेर से इधर उधर से एक आध कोई सीटें निकल के आ जाती हैं, बाकी कांग्रेस अप्रासंगिक हो गई है। इनके नेताओं और कार्यकर्ताओं को कोई गंभीरता से नहीं लेता है। इनके पास कोई विजन

नहीं है।

राजस्थान के गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने दिल्ली चुनाव और एग्जिट पोल को लेकर दिल्ली की जनता आम आदमी पार्टी से परेशान हो चुकी है। लोग आप सरकार और अरविंद केजरीवाल से ऊब चुके हैं, इसलिए उन्होंने इस बार दिल्ली में भाजपा सरकार बनाने का फैसला लिया है। मुझे पूरा भरोसा है कि जिस तरह एग्जिट पोल भाजपा सरकार की तरफ इशारा कर रहे हैं। मैं निश्चित रूप से कहना चाहूंगा दिल्ली में भारी बहुमत से भाजपा की सरकार बनेगी। बता दें कि रामगोपाल यादव ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के रवैये पर सवाल उठाया। सपा नेता कहा था कि दिल्ली में कांग्रेस भाजपा की भाषा बोल रही थी। जिसको भी अहंकार हो जाता है, वह विनाश की तरफ ही जाता है। यदि कांग्रेस को अहंकार नहीं होता तो हरियाणा में एक–दो सीट हमको भी दे सकते थे।

कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ को पितृशोक

जयपुर,06 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के कैबिनेट मंत्री और पूर्व ओलंपियन कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ के पिता कर्नल लक्ष्मण सिंह राठौड़ का 84 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 7 फरवरी 2025 को पांच्यावाला, जयपुर में किया जाएगा। कर्नल लक्ष्मण सिंह राठौड़ भारतीय सेना में दीर्घकालिक सेवा देकर देश की रक्षा और सेवा में अपना जीवन समर्पित करने वाले अनुकरणीय व्यक्तित्व थे। उनके आदर्श, शिक्षा और मार्गदर्शन ने न केवल परिवार बल्कि समाज को भी प्रेरित किया।

अपने पिता के निधन पर कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा, उनकी शिक्षा, आदर्श और आशीर्वाद सदैव मुझे कर्तव्यपथ पर राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित करते रहेंगे। ईश्वर से प्रार्थना है कि मेरे पूज्य पिताजी की पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें। इस दुखद समाचार पर राजनीतिक, सैन्य और सामाजिक क्षेत्रों से जुड़ी कई हस्तियों ने शोक व्यक्त किया है।

भजनलाल शर्मा ने स्व.कर्नल लक्ष्मण सिंह राठौड़ को श्रद्धासुमन अर्पित किए

जयपुर,06 फरवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरूवार को उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ के निजी आवास पर पहुंचकर उनके पिता स्व. कर्नल लक्ष्मण सिंह राठौड़ की पार्थिव देह पर पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

शर्मा ने कर्नल लक्ष्मण सिंह राठौड़ के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए शोक संतप्त परिजनों को सांत्वना दी। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए और परिजनों को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। इस दौरान उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, वन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा, सैनिक कल्याण राज्य मंत्री विजय सिंह, गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

बीकानेर कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

सांडों की लड़ाई में मृत व्यक्ति के परिवार को 33.22 लाख मुआवजा देने का आदेश, सरकार को माना दोषी

बीकानेर,06 फरवरी (एजेंसियां)। बीकानेर डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने एक अहम फैसले में राज्य सरकार और पंचायत समिति को आवारा पशुओं की समस्या पर लापरवाही के लिए दोषी ठहराया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि आवारा पशुओं को नियंत्रित करना प्रशासन की जिम्मेदारी थी, जिसमें विफलता के कारण एक निर्दोष व्यक्ति की जान गई। इस आधार पर, मृतक आसाराम सुथार के परिजनों को 33.22 लाख रुपए मुआवजा देने का आदेश दिया गया है।

सरकार और पंचायत समिति की लापरवाही : कोर्ट ने कहा कि आवारा पशुओं को गौशालाओं में रखना और आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार और पंचायत समिति की जिम्मेदारी थी, जो सही ढंग से नहीं निभाई गई। मृतक की वार्षिक आय के आधार पर आश्रितों की आर्थिक स्थिति का आकलन किया गया, जिससे उन्हें न्याय दिलाने के लिए 33.22 लाख रुपए का मुआवजा निर्धारित किया गया। यह फैसला प्रशासन के लिए एक नजीर बन सकता है, जिससे भविष्य में सरकार और स्थानीय निकाय अपनी जिम्मेदारी निभाने के प्रति अधिक गंभीर होंगे। यह फैसला सिर्फ एक परिवार को न्याय दिलाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्रशासन को उसकी जिम्मेदारी का अहसास कराता है। यदि स्थानीय प्रशासन अपनी भूमिका निभाने में विफल रहता है, तो ऐसे मामलों में कानूनी कार्रवाई आगे भी जारी रह सकती है।

20 मिनट का प्रदर्शन : युवा कांग्रेस की संजीदगी पर सवाल

जयपुर,06 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान युवा कांग्रेस का बेरोजगारी विरोधी प्रदर्शन महज़ 20 मिनट में ही खत्म हो गया। सवाल यह है कि क्या यह सच में बेरोजगारी के खिलाफ आवाज़ उठाने का गंभीर प्रयास था या केवल एक औपचारिकता पूरी करने की कवायद?

युवा कांग्रेस का दावा था कि वे भाजपा कार्यालय का घेराव करेंगे, लेकिन पुलिस ने उन्हें इससे पहले ही रोक दिया। यह तय था कि प्रशासन किसी भी संभावित हंगामे के मद्देनज़र पहले से तैयार रहेगा। परंतु, सवाल यह उठता है कि कांग्रेस का युवा नेतृत्व खुद कितना तैयार था? प्रदेशाध्यक्ष अभिमन्यु पूनिया और कार्यकारी अध्यक्ष यशवीर सूरा जैसे प्रमुख नेताओं की अनुपस्थिति प्रदर्शन की गंभीरता पर सवाल खड़े करती है।राहुल गांधी के समर्थन में किए गए इस प्रदर्शन की 'राजनीतिक मियाद' सिर्फ 20 मिनट थी, लेकिन बेरोजगारी का मुद्दा दशकों से युवाओं की जिंदगी का सबसे लंबा संघर्ष बना हुआ है।

सूर्य नमस्कार में फिर सिरमौर बना राजस्थान

शिक्षा मंत्री ने ग्रहण किया विश्व कीर्तिमान का प्रमाण पत्र

जयपुर,06 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान ने सूर्य नमस्कार में एक नया विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया है। 3 फरवरी को हुए एक राज्य स्तरीय कार्यक्रम में आयोजित सूर्य नमस्कार में एक करोड़ 53 लाख से अधिक लोगों ने एक साथ सूर्य नमस्कार करते हुए पूर्व के 1.33 करोड़ प्रतिभागियों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। गुरुवार को विधानसभा परिसर में वर्ल्ड बुक ऑफ़ रिकॉर्ड्स के प्रतिनिधि प्रथम भल्ला ने इस उपलब्धि का प्रोविजनल प्रमाण पत्र शिक्षा मंत्री मदन दिलावर को सौंपा।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने सभी प्रदेशवासियों को इस विश्व रिकॉर्ड की बधाई देते हुए कहा कि सूर्य नमस्कार न केवल हमारी संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है, बल्कि यह शारीरिक स्वास्थ्य और तनाव मुक्त जीवन के लिए भी आवश्यक है। उन्होंने सभी से योग को प्रतिदिन की दिनचर्या में अपनाने की अपील की।

अमेरिका से निर्वासित किए जाने वाले लोगों के लिए भाजपा सरकार जिम्मेदार : दीपेन्द्र हुड्डा

चंडीगढ़,06 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी सरकार द्वारा बड़े पैमाने पर अमेरिका में रह रहे भारतीयों को हथकड़ी, बेड़ियों में जकड़कर सैन्य विमानों से जबरन निर्वासित किए जाने की खबरों पर गहरी नाराजगी जाहिर करते हुए दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि अमेरिका ने सैन्य विमान से बेड़ियों में बांधकर भारतीय नागरिकों को वापस भेजा। ये हर भारतीय और भारत का अपमान है। उन्होंने इस विषय पर आज संसद भवन परिसर में INDIA गठबंधन के सांसदों के साथ बीजेपी सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया व शून्यकाल का नोटिस दिया। नोटिस में उन्होंने कहा कि अमेरिकी सरकार द्वारा अवैध दस्तावेजों के आधार पर बड़े पैमाने पर भारतीय नागरिकों को अपमान जनक ढंग से हथकड़ी व बेड़ियों में जकड़कर सैन्य विमानों से अमेरिका से निर्वासित किया जा रहा है। जिससे विशेष रूप से हरियाणा के नौजवान बड़ी संख्या में हैं। ये युवा रोज़गार की तलाश में अपनी ज़मीन–जायदाद बेचकर, जान जोखिम में डालकर वहाँ गये लेकिन अब आर्थिक बर्बादी और सामाजिक विस्थापन का सामना कर रहे हैं।

केंद्र की भाजपा सरकार बार–बार दावा करती रही है कि अमेरिका के राष्ट्रपति पीएम के दोस्त हैं लेकिन अमेरिका का राष्ट्रपति बनते ही पीएम के दोस्त ने बड़ी तादाद में भारतीयों को अपमानजनक तरीके से जबरन निर्वासित कर दिया। उन्होंने मांग करी कि प्रधानमंत्री तुरंत अमेरिकी सरकार से बात करें ताकि वर्षों से अमेरिका में रह रहे भारतीयों को अपमानजनक ढंग से न निकाला जाए। इसके अलावा केंद्र सरकार निर्वासन का सामना कर रहे भारतीयों के लिए कानूनी सहायता हेतु अमेरिका के साथ कूटनीतिक स्तर पर बातचीत करें। तत्काल पुनर्वास प्रदान करें, जिसमें वित्तीय सहायता और रोजगार के अवसर शामिल हों। प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए एक कानूनी सहायता कक्ष स्थापित किया जाए।

मोहनलाल बड़ौली,रॉकी मितल मामले में नया खुलसा

हनीट्रैप एंगल आया सामने

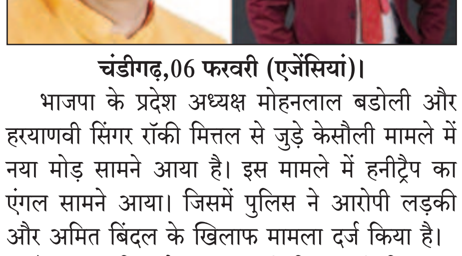

चंडीगढ़,06 फरवरी (एजेंसियां)। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडोली और हरयाणवी सिंगर रॉकी मित्तल से जुड़े केसौली मामले में नया मोड़ सामने आया है। इस मामले में हनीट्रैप का एंगल सामने आया। जिसमें पुलिस ने आरोपी लड़की और अमित बिंदल के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

पंचकूला पुलिस ने गायक रॉकी मित्तल की शिकायत पर मामला दर्ज किया है। पंचकूला पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। शुरुआती जांच में पता चला है कि शिकायतकर्ता से लड़की और उसके साथियों ने हनी ट्रैप के जरिए पैसों की मांग की थी। यह मामला रॉकी मित्तल की शिकायत में दर्ज है। इन सभी सवालों को लेकर रॉकी मित्तल ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। जिसके आधार पर धारा 308 (2), 308 (5), 61 और 351 (2) के अनुसार मामला दर्ज किया गया।कसौली में एक महिला ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बद्री और गायक रॉकी मित्तल के खिलाफ बलात्कार की शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन जैसे–जैसे जांच आगे बढ़ी, हनीट्रैप का मामला सामने आया।आरोपी लड़की और अमित बिंदल ने कथित तौर पर दोनों को फंसाने और उनसे पैसे ऐंठने की साजिश रची थी। फिलहाल पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है और अन्य संदिग्धों की तलाश कर रही है।

बहरहाल ऐसे में अब ये कहना मुश्किल होगा कि ये एक सोची समझी चाल थी या इसमें अभी और बड़े नाम भी जुड़ेंगे ? यह जाँच के बाद ही साफ हो पाएगा।

सरकार रोजगार के अवसर प्रदान करे तो युवाओं को विदेश जाने की जरूरत ही नहीं: सैलजा

चंडीगढ़,06 फरवरी (एजेंसियां)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि जिस प्रकार से अमेरिका सरकार ने 104 भारतीयों को डिपोर्ट किया है उससे केंद्र सरकार को सबक लेना चाहिए, अगर

विदेश में नौकरी की तलाश में जाने वाले युवाओं को देश में ही रोजगार उपलब्ध करवा दिया गया होता तो आज ये हालात ने होते। डोनाल्ड ट्रंप की जय जयकार करने वाले पीएम को ट्रंप ने आईना दिखा दिया है। भारत की कूटनीतिक विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए निर्णायक रूप से सरकार को कार्य करना होगा। अगर सरकार देश के श्रमिकों को इजरायल में रोजगार उपलब्ध करवा सकती है तो अपने स्तर पर दूसरे देशों में क्यों नहीं। मीडिया को जारी बयान में कुमारी सैलजा ने कहा कि अमृतसर एयरपोर्ट पर 104 लोगों को लेकर जो अमेरिकी विमान उतरा है, उसमें हरियाणा के 33 नागरिक नागरिक भी शामिल है। इनमें से अधिकतर वे लोग है तो रोजगार की तलाश में अपनी जमीन और मकान बेचकर या गिरवी रखकर गए थे। अमेरिकी सरकार अभी सैकड़ों लोगों को भारत भेजने की तैयारी कर रही है। सरकार को इस मुद्दे पर अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए और अमेरिकी अधिकारियों के साथ बातचीत करने और निर्वासित व्यक्तियों के साथ सम्मानजनक व्यवहार सुनिश्चित करने के लिए किए जा रहे कूटनीतिक उपायों की रूपरेखा तैयार करनी चाहिए।

स्कूली बच्चों को क्राइम से बचाने के लिए कार्यशाला

बच्चों को अपराध से बचाने और उनके संरक्षण को लेकर मंथन

सिरसा,06 फरवरी (एजेंसियां)। महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से पंचायत भवन में संवेदीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें स्कूली बच्चों को अपराध से बचाने और उनके संरक्षण को लेकर जागरूकता फैलाई गई। इस अवसर पर स्कूलों के प्राचार्य, अध्यापक, बाल विकास विभाग सहित अन्य सरकारी विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कार्यशाला में भारतीय न्याय संहिता, जेजे एक्ट, पोक्सो एक्ट, स्पॉन्सरशिप स्कीम, फोस्टर केयर स्कीम तथा बच्चों से संबंधित अन्य कानूनों पर विशेषज्ञों ने विचार रखे।जिला परिषद के सीईओ सुभाष चन्द्र ने कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करते हुए कहा कि बच्चों को अपराध की ओर बढ़ने से रोकने के लिए स्कूलों और परिवारों को विशेष सतर्कता बरतनी होगी। अध्यापक समय–समय पर बच्चों के परिजनों से संवाद करें। यह सुनिश्चित किया जाए कि बच्चे स्कूल में उपस्थित हो रहे हैं या नहीं।यदि किसी बच्चे की गतिविधियां संदिग्ध लगती हैं, तो इसकी जानकारी परिजनों को दें। परिजन ध्यान रखें कि बच्चे मोबाइल पर क्या देख और सुन रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि सही दिशा–निर्देशन से बच्चों को अपराध की दुनिया से दूर रखा जा सकता है।कार्यशाला में महिला एवं बाल विकास विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि बच्चों को अपराध से बचाने के लिए समाज, स्कूल और परिवार को मिलकर कार्य करना होगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में संवेदनशीलता, जागरूकता और सुरक्षा की भावना विकसित करना था। कार्यक्रम में डॉक्टर्स, काउंसलर्स, सामाजिक कार्यकर्ता एवं अन्य विषय विशेषज्ञों ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए।

सरकारी राशि गबन के मामले में लिपिक गिरफ्तार

पंचकूला,06 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के पंचायत विभाग में 50 करोड़ रुपये से अधिक के गबन मामले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की फरीदाबाद टीम ने आरोपी विवेक कुमार को गिरफ्तार किया है।

आरोपी विवेक कुमार, स्टेनो (डी.सी. रेट), कार्यालय बी.डी.पी.ओ. हसनपुर, जिला पलवल को 6 फरवरी 2025 को ठोस साक्ष्यों के आधार पर गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपी विवेक कुमार ने बताया कि राकेश (लिपिक, बी.डी.पी.ओ. हसनपुर) उसका सगा जीजा है और उसी ने 2019 में उसे इस पद पर नियुक्त कराया था।

राकेश ने विवेक के खाते में 38.50 लाख ट्रांसफर किए थे, जिसे विवेक ने नकद वापस कर दिया।

विवेक ने खुलासा किया कि राकेश गबन की राशि से सेवानिवृत्त एसओ शमशेर सिंह को हिस्सा देने के लिए चंडीगढ़ जाता था, जिसमें विवेक और ड्राइवर दीपक भी शामिल होते थे। वे मोहाली और जीरकपुर के रेडिसन होटल में ठहरते थे।

अप्रैल 2023 में विवेक, राकेश, शमशेर और दीपक हवाई जहाज से गोवा गए, जहां होटल ताज रिज़ॉर्ट में ठहरकर जिलों/ब्लॉकों को पंचायत विभाग से मिलने वाले फंड्स में हेराफेरी करने की योजना बनाई। जनवरी, अप्रैल, जुलाई, अगस्त और नवंबर 2024 में भी ये सभी गोवा घूमने गए और ताज रिज़ॉर्ट व रेडिसन होटल में रुके। गिरफ्तारी के बाद विवेक कुमार को 6 फरवरी 2025 को पलवल के सीजेएम न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जिला जेल, पलवल भेज दिया गया। इस मामले में अन्य आरोपियों की संलिप्तता की जांच कर रही है।

यूपी में जल परिवहन और पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

प्राधिकरण के गठन को कैबिनेट की मंजूरी

लखनऊ, 06 फरवरी (एजेंसियां)। प्रदेश की योगी सरकार ने राज्य में जल परिवहन एवं जल पर्यटन को विकसित करने की दिशा में एक महत्व-पूर्ण कदम उठाते हुए उत्तर प्रदेश अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण के गठन को मंजूरी दे दी है। इस प्राधिकरण के कार्यों को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए उत्तर प्रदेश जलमार्ग प्राधिकरण नियमावली 2025 को प्रख्यापित किया गया है। योगी कैबिनेट ने इस नियमावली को अपनी सहमति प्रदान कर दी है। गुरुवार को लोकभवन में वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कैबिनेट के निर्णयों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बैठक में 12 प्रस्तावों पर चर्चा हुई। इनमें से एक को छोड़कर 11 को कैबिनेट की मंजूरी मिल गई है।

गौरतलब है कि देश में 111 राष्ट्रीय जलमार्ग घोषित किए गए हैं, जिनमें उत्तर प्रदेश में गंगा, यमुना सहित कुल 11 राष्ट्रीय जलमार्ग मौजूद हैं। जलमार्गों के जरिए परिवहन को किफायती और सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से इस प्राधिकरण की स्थापना की जा रही है। सरकार का मानना है कि जल परिवहन प्रणाली विकसित होने से यातायात के अन्य साधनों पर दबाव कम होगा और व्यापारिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा।

इस प्राधिकरण का नेतृत्व मुख्यमंत्री द्वारा नामित परिवहन मंत्री या अंतर्देशीय जलमार्ग, शिपिंग, नेविगेशन, पोर्ट्स और मैरीटाइम मामलों के विशेषज्ञ द्वारा किया जाएगा। उपाध्यक्ष के रूप में ऐसे ही विशेषज्ञ व्यक्तियों में से किसी एक को राज्य सरकार द्वारा नियुक्त किया जाएगा। इसके अलावा, वित्त, लोक निर्माण, पर्यटन एवं संस्कृति, सिंचाई एवं जल संसाधन और वन एवं पर्यावरण विभाग के अपर मुख्य सचिव या प्रमुख सचिव इस प्राधिकरण के पदेन सदस्य होंगे। इसके अलावा, भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण के अध्यक्ष द्वारा नामित एक प्रतिनिधि भी सदस्य के रूप में शामिल होगा। उत्तर प्रदेश के परिवहन आयुक्त इस प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी होंगे।

इस प्राधिकरण के अंतर्गत विभिन्न महत्वपूर्ण प्रावधानों को शामिल किया गया है। इनमें अध्यक्ष और उपाध्यक्ष की शक्तियां एवं कर्तव्य, आवासीय व्यवस्था, यात्रा भत्ता, बैठकों की प्रक्रिया, कोरम, सलाहकार समितियों का गठन, कार्य संचालन की प्रक्रिया, सदस्यों का कार्यकाल, विशेषज्ञों का पैनल, बजट, लेखा और लेखा परीक्षा से जुड़े नियमों को सम्मिलित किया गया है। इसके अलावा, वार्षिक लेखा रिपोर्ट, आरक्षित निधि, तथा भूमि और सम्पत्ति में प्रवेश करने से संबंधित प्रावधान भी निर्धारित किए गए हैं।

उत्तर प्रदेश सरकार जल परिवहन के साथ-साथ जल पर्यटन को भी विकसित करने की योजना बना रही है। इस प्राधिकरण के माध्यम से विभिन्न पर्यटन स्थलों को जलमार्ग से जोड़ने और उन्हें आकर्षक बनाने की दिशा में प्रयास किए जाएंगे। इससे पर्यटकों को एक नया अनुभव मिलेगा और राज्य की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। सरकार का यह कदम जल परिवहन को बढ़ावा देने और राज्य में आर्थिक विकास को गति देने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा।

ई लॉटरी द्वारा होगा शराब की दुकानों का लाइसेंस

2025-26 की आबकारी नीति को भी कैबिनेट से मंजूरी मिल गई है। आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने बताया कि इस नीति के तहत शराब की दुकानों का लाइसेंस अब ई-लॉटरी द्वारा दिया जाएगा और इस बार पुराने लाइसेंस का रिन्यूअल नहीं किया जाएगा। हालांकि, 2026-27 में लाइसेंस रिन्यूअल का विकल्प दिया जाएगा। इसके अलावा, सरकार ने 55 हजार करोड़ रुपए का राजस्व जुटाने का लक्ष्य तय किया है, जो पिछले वित्तीय वर्ष से 4000 करोड़ रुपए अधिक है। नई नीति में यह भी प्रावधान किया गया है कि कोई भी व्यक्ति, फर्म या कंपनी दो से अधिक लाइसेंस नहीं ले सकेंगी। इसके अलावा, अब से विदेशी मदिरा 60 और 90 मिलीलीटर के पैक में भी उपलब्ध होगी, जो पहले नहीं थी।

केजीएमयू में 500 बेड के ट्रॉमा सेंटर का होगा विस्तार

किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय लखनऊ में मरीजों की संख्या में निरंतर वृद्धि को देखते हुए यहां स्थापित ट्रॉमा सेंटर के विस्तार का निर्णय लिया गया है। वर्तमान ट्रॉमा सेंटर का विस्तार करते हुए इसे 460 बेड से बढ़ाकर 500 बेड का किया जाएगा। इसके साथ ही पेशेंट यूटिलिटी कॉम्प्लेक्स का भी निर्माण कराया जाएगा। इस पर 272 करोड़ 97 लाख रुपए की राशि खर्च होगी। इस निर्णय से एक ही छत के नीचे किसी भी दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल मरीजों को सभी सर्जिकल स्पेशियलिटी सुविधाएं सुलभ हो सकेंगी।

यूपी 112 को मिलेंगे 469 नए वाहन

यूपी 112 के निर्बाध संचालन के लिए कैबिनेट ने 469 पुराने वाहनों की जगह 469 नए वाहनों का अनुमोदन प्रस्ताव मंजूर कर लिया। इसके लिए 43 करोड़ रुपए से ज्यादा की राशि खर्च की जाएगी। इसमें चार पहिया वाहनों के साथ-साथ दोपहिया वाहनों की भी खरीद की जाएगी।

हाई स्पेसिफिकेशन वाले टैबलेट का उपयोग करेंगे शिक्षक

डिजिटल लर्निंग को बढ़ावा देने के लिए परिषदीय विद्यालयों के शिक्षकों को हाई स्पेसिफिकेशन वाले टैबलेट उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके लिए भारत सरकार से अनुमोदित राशि के अतिरिक्त खर्च होने वाली राशि को राज्य सरकार वहन करेगी। मालूम हो कि भारत सरकार द्वारा टैबलेट खरीद के लिए 5166.70 लाख की धनराशि स्वीकृत की गई है, लेकिन टैबलेट को छात्र हित में अधिक उपयोगी बनाने के लिए उच्च स्पेसिफिकेशन वाले टैबलेट की खरीद के लिए राज्य सरकार द्वारा 1468.80 लाख रुपए वहन किए जाएंगे।

महाकुंभ पहुंचे मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने कहा

महाकुंभ मेला नहीं, भारतीय संस्कृति और आस्था का महान संगम

महाकुंभ नगर, 06 फरवरी (एजेंसियां)। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह गुरुवार को महाकुंभ पहुंचे। उन्होंने महाकुंभ को ऐतिहासिक और दुर्लभ आध्यात्मिक अवसर बताया। मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह अपने मंत्रीमंडल के सहयोगियों और विधायकों के साथ त्रिवेणी संगम में पवित्र स्नान के लिए पहुंचे। मुख्यमंत्री बीरेन सिंह ने कहा कि महाकुंभ केवल एक मेला नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और आस्था का महान संगम है। उन्होंने कहा कि इस आयोजन की दिव्यता और आध्यात्मिक ऊर्जा पूरे देश को जोड़ने का कार्य करती है।

केंद्रीय मंत्री श्रीपद नाइक भी महाकुंभ पहुंचे और महाकुंभ दिव्यता एवं भव्यता की सराहना की। उन्होंने इसे ऐतिहासिक आयोजन बताया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में महाकुंभ का यह आयोजन अपने आप में एक मिसाल है। करोड़ों श्रद्धालु संगम में आस्था की डुबकी लगा रहे हैं और उन्हें उच्च स्तरीय सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं।

इस सुव्यवस्थित आयोजन के लिए उन्होंने मोदी-योगी सरकार को धन्यवाद दिया। केंद्रीय मंत्री ने संगम स्नान के बाद कहा कि यह आयोजन भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा की दिव्यता को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि इस स्तर का आयोजन करना एक बड़ी चुनौती थी, लेकिन योगी सरकार ने इसे पूरी तरह सफल बनाया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद भी महाकुंभ पहुंचे और महाकुंभ की भव्यता देख कर अभिभूत हुए। रविशंकर प्रसाद ने कहा, यहां की व्यवस्था देखने के बाद मैं योगी आदित्यनाथ को तहेदिल से बधाई देना चाहता हूं। मुझे लगता है कि अब तक 40 करोड़ लोग यहां आ चुके हैं। आज मैंने कम से कम 1 करोड़ लोगों को पवित्र स्नान करते देखा। यह दुनियाभर के बड़े विश्वविद्यालयों के लिए एक बड़ी केस स्टडी है कि कैसे दो महीने तक 40-50 करोड़ लोगों के ठहरने की व्यवस्था यहां की जाती है।

महाकुंभ की भव्यता से योगी के कायल हुए गोवा के सीएम

विशेष ट्रेन को दिखाई हरी झंडी

पणजी/महाकुंभनगर, 06 फरवरी (एजेंसियां)। तीर्थराज प्रयागराज में महाकुंभ-2025 का आयोजन हर दिन के साथ दिव्यता व भव्यता के नए सोपानों की ओर अग्रसर है। इस दिव्यता और भव्यता का साक्षी बनने पूरी दुनिया से लोग आ रहे हैं। इसी क्रम में गोवा के मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत ने गुरुवार को राज्य सरकार की मुख्यमंत्री देव दर्शन यात्रा योजना के तहत पहली तीर्थयात्रा ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर प्रयागराज के लिए रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने महाकुंभ में हुई व्यवस्थाओं को लेकर जमकर सराहा। उन्होंने कहा कि महाकुंभ 2025 विश्व स्तर पर प्रतिष्ठित आध्यात्मिक आयोजन है।

40 करोड़ से अधिक लोग इसमें भाग ले रहे हैं, और इतने बड़े आयोजन की व्यवस्थाएं करना निश्चित रूप से एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। योगी आदित्यनाथ जी ने इसे सफल बनाने के लिए शानदार व्यवस्थाएं की हैं। हम गोवा के तीर्थयात्रियों को इस पवित्र आयोजन में शामिल होने का अवसर प्रदान कर गर्व महसूस कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विरासत भी, विकास भी विजन की सराहना करते हुए कहा कि हमें अपनी सांस्कृतिक विरासत को संजोते हुए देश के विकास के लिए भी कार्य करना है। प्रधानमंत्री मोदी जी ने इस दिशा में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। हमें आने वाली पीढ़ियों को हमारी विरासत से परिचित कराते हुए विकसित भारत के लक्ष्य की ओर बढ़ना होगा। उल्लेखनीय है कि कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड के सहयोग से संचालित यह विशेष ट्रेन महाकुंभ 2025 के लिए तीर्थयात्रियों की यात्रा को सुगम बनाने के लिए निर्धारित तीन ट्रेनों में से पहली है। इस अवसर पर गोवा के मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत के साथ समाज कल्याण मंत्री सुभाष फलदेसाई, गोवा भाजपा अध्यक्ष दामू नाइक और अन्य गणमान्य व्यक्ति उप-स्थित रहे। महाकुंभ 2025 के लिए तीर्थयात्रियों की यात्रा को सुविधाजनक बनाने के लिए दो अतिरिक्त विशेष ट्रेनें 13 फरवरी और 21 फरवरी 2025 को मडगांव रेलवे स्टेशन से सुबह 8 बजे रवाना होंगी। प्रत्येक ट्रेन में 1,000 तीर्थयात्रियों के बैठने की सुविधा होगी। इतना ही नहीं, इसमें 18 से 60 वर्ष की आयु के बिना किसी चिकित्सीय समस्या वाले योग्य यात्री पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर सीटें बुक करा सकते हैं। तीर्थयात्रियों ने इस आध्यात्मिक यात्रा को संभव बनाने के लिए सरकार का आभार व्यक्त किया।

गोवा के मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत ने कहा, उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में इतने बड़े महाकुंभ के आयोजन के लिए मैं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी का अभिनंदन करता हूं। 40 करोड़ से अधिक लोगों के लिए व्यवस्थाएं करना बहुत बड़ी उपलब्धि है। गोवा सरकार की ओर से, हम उत्तर प्रदेश सरकार को इस ऐतिहासिक आयोजन के लिए शुभकामनाएं देते हैं।

हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी ने सपरिवार किया संगम स्नान

महाकुंभनगर, 06 फरवरी (एजेंसियां)। सनातन संस्कृति के महापर्व महाकुंभ-2025 के अंतर्गत हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गुरुवार को सपरिवार आस्था, भक्ति व अध्यात्म के संगम में पुण्य स्नान किया। त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाकर उन्होंने प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और कल्याण की प्रार्थना की। योगी सरकार द्वारा महाकुंभ को दिव्य व भव्य बनाने के प्रयासों को लेकर पूरी तरह संतुष्ट दिखे सैनी ने इस महाआयोजन का विरोध करने वालों तथा इसके खिलाफ नकारात्मकता फैलाने वालों को आड़े हाथ लेते हुए उन्हें नसीहत भी दे डाली।

साथ ही, यह भी कहा कि प्रायोजित एजेंडे के तहत इस प्रकार के कृत्यों को बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। सैनी के सपरिवार महाकुंभनगर आगमन पर उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने कुंभ कलश भेंट कर भव्य स्वागत किया तथा उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से उनका अभिनंदन किया।

मुख्यमंत्री सैनी ने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि महाकुंभ केवल आस्था का संगम नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति की जीवंत धरोहर है। यह आयोजन भारत की आध्यात्मिक शक्ति और सांस्कृतिक विरासत का भव्य प्रतीक है, जिसे आज पूरा विश्व देख रहा है और गौरव की अनुभूति कर रहा है।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में इस विराट आयोजन की भव्यता की सराहना करते हुए कहा कि महाकुंभ 2025 सनातन धर्म की दिव्यता और गौरवशाली परंपराओं का प्रतीक बनेगा।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि यह सनातन का वह केंद्र है जहां पीढ़ियों से लोग मां गंगा की त्रिवेणी में आकर डुबकी लगाते हैं और अपने जन्म को धन्य करते हैं। न केवल देश बल्कि सकल विश्व से लोग इस महासमागम का हिस्सा बनने आ रहे हैं। ऐसे में, जब भी कोई अच्छा काम होता है तो कुछ लोगों का ध्येय उसमें विघ्न डालने का बन जाता है। कुछ लोग प्रायोजित एजेंडे के तहत या जानबूझकर नकारात्मकता के प्रसार को ही अपना लक्ष्य बनाकर इस पवित्र समागम में आ रहे हैं जो कि गलत है और किसी प्रकार से स्वीकार्य नहीं है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि सकारात्मक पक्षों को देखने के बजाए नकारात्मक पहलुओं के पीछे ऊर्जा बर्बाद करना कुछ लोगों का ध्येय बन गया है। सैनी ने ऐसे तत्वों को नसीहत देते हुए कहा कि बेहतर होगा कि अगर उन्हें कोई नकारात्मकता दिख रही है तो उसे दूर करने में शासन-प्रशासन का सहयोग करें।

भारत के नागरिक बने पाकिस्तानी हिंदुओं ने दिल्ली चुनाव में किया मतदान

नई दिल्ली, 06 फरवरी (एजेंसियां)।

धार्मिक प्रताड़ना के कारण पाकिस्तान से भागकर आए कुछ हिंदुओं नागरिकता मिलने के बाद दिल्ली विधानसभा चुनावों में पहली बार मतदान किया। इन्होंने कहा कि दिल्ली में भाजपा की सरकार बननी चाहिए। बता दें कि दिल्ली की 70 विधानसभा सीटों के लिए 5 फरवरी 2025 को वोट डाले गए। नतीजे 8 फरवरी को आने हैं।

पाकिस्तान से आए राधेकृष्ण आडवाणी और उनका परिवार पहली बार भारत में मतदान किया। आडवाणी साल 2013 में अपनी मां, पिता, पत्नी और दो बच्चों के साथ भारत आए थे। वे अपना और अपने परिवार का भरण-पोषण के लिए पास के ही एक मोबाइल मरम्मत की दुकान पर काम करते हैं। दिल्ली विधानसभा चुनावों में पहली बार वोट देने के बाद उन्होंने कहा, मैंने पाकिस्तान में कभी मतदान नहीं किया और जब हम दिल्ली आए तो हमें घर जैसा महसूस हुआ। आज हमें लगता है कि हम वाकई यहीं के हैं। उन्होंने अपना वोटर कार्ड दिलाने के लिए भाजपा कार्यकर्ताओं का धन्यवाद दिया। हालांकि, उनके घर की महिलाओं के वोटर आईडी नहीं मिले, क्योंकि प्रमाण पत्र देरी से जमा किए गए थे।

राधेकृष्ण आडवाणी की तरह ऐसे 150 से अधिक हिंदू हैं, जिन्होंने वोट किया। पिछले साल मोदी सरकार ने नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए) के तहत इन्हें भारतीय नागरिकता दी थी। आडवाणी की तरह ही पाकिस्तान से आए हजारों हिंदू दिल्ली स्थित मजनू का टीला और आदर्श नगर में स्थापित किए गए दो शिविरों में रह रहे हैं। राधेकृष्ण का कहना है कि सरकार अब उन लोगों की समस्याओं पर नजर डाले। उनका कहना है, हमारे इलाके में एक निजी कंपनी (टाटा पावर) बिजली सप्लाई करती है, जो बहुत महंगी है। हमें उम्मीद है कि सरकार हमें दिल्ली के दूसरे इलाकों की तरह ही सब्सिडी वाली बिजली मुहैया कराएगी। इसके साथ ही इलाका खाली करने के लिए मिलने वाले नोटिस से भी वे खुद को असुरक्षित महसूस करते हैं।

आम आदमी पार्टी की वर्तमान सरकार को लेकर उन्होंने कहा, केजरीवाल को हमने देख लिया। हम चाहते हैं कि भाजपा सत्ता में आए। भाजपा कार्यकर्ता हमारे लिए काम करते रहते हैं। आम आदमी पार्टी (आपा) ने हमारे लिए कुछ नहीं किया। राधेकृष्ण और उनके 21 वर्षीय भाई लक्ष्मण का कहना है कि चुनाव प्रचार के दौरान आपा से कोई नहीं आया, जबकि भाजपा के लोग आते रहे। ये सिर्फ राधेकृष्ण और लक्ष्मण की बात नहीं है। हाल ही में नागरिकता पाए हिंदुओं ने अरविंद केजरीवाल की पार्टी की सरकार की जगह भाजपा की सत्ता की उम्मीद जताई। उनका कहना है कि भाजपा उनके लिए बेहतर कर सकती है। वे भारत की नागरिकता दिलाने से लेकर उनके लिए विभिन्न सुविधाओं की मांग तक के लिए भाजपा कार्यकर्ता आगे रहे हैं।

एनएसई लिमिटेड से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग का मामला

13 हजार निवेशकों से हुई 5600 करोड़ की धोखाधड़ी

प्रवर्तन निदेशालय ने दाखिल की नई चार्जशीट

नई दिल्ली, 06 फरवरी (एजेंसियां)।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नेशनल स्पॉट एक्सचेंज लिमिटेड (एनएसईएल) से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में नया आरोपपत्र दाखिल किया है। यह मामला करीब 13,000 निवेशकों से 5,600 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी का है।

ईडी ने बताया कि 28 जनवरी को अभियोजन पक्ष की शिकायत मुंबई में विशेष धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) मामलों की विशेष अदालत के समक्ष 19 ब्रोकिंग इकाइयों और उनके निदेशकों के खिलाफ दायर की गई थी। इन पर एनएसईएल अधिकारियों के साथ मिलीभगत कर निवेशकों को इस प्लेटफार्म पर व्यापार करने के लिए प्रलोभन देने का आरोप है।

एजेंसी ने बताया कि अदालत ने तीन फरवरी को आरोपपत्र पर संज्ञान लिया। ईडी ने पहले ही इस जांच के तहत 94 आरोपियों के खिलाफ छह आरोपपत्र दायर किए हैं और 3,288 करोड़ रुपए की सम्पत्ति अटैच की है।

ईडी ने बताया कि जांच में खुलासा हुआ कि ब्रोकिंग कंपनियों ने एनएसईएल में पंजीकरण कराने के बाद एक्सचेंज के बारे में झूठे आश्वासन देकर अपने ग्राहकों को गुमराह किया तथा अवैध व्यापार अनुबंधों को बढ़ावा दिया, जिनकी उन्हें इसकी अनुमति नहीं थी। एजेंसी ने कहा कि ब्रोकिंग कंपनियों के साथ सांठगांठ कर एनएसईएल ने एक ऐसी प्रणाली स्थापित की, जो उनके ग्राहकों के लिए गोदाम रसीदों या भौतिक वस्तुओं के संग्रह की जरूरत को जानबूझकर बाईपास कर देती थीं। ईडी ने मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा के साथ मिलकर एनएसईएल और इससे जुड़े अन्य लोगों की जांच के लिए 2013 में पीएमएलए के तहत एक आपराधिक मामला दर्ज किया था। एजेंसी ने आरोप लगाया था कि उक्त मामले में आरोपियों ने निवेशकों को धोखा देने के लिए आपराधिक साजिश रची, उन्हें एनएसईएल के मंच पर व्यापार करने के लिए प्रेरित किया, फर्जी गोदाम रसीदों जैसे जाली दस्तावेज बनाए, खातों में हेराफेरी की और इस तरह करीब 13,000 निवेशकों के खिलाफ 5,600 करोड़ रुपए का आपराधिक विश्वासघात किया।

गुलाम नबी आजाद की पार्टी से आजाद होने जा रहे कई नेता

जम्मू, 06 फरवरी (ब्यूरो)।

पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद की पार्टी का अस्तित्व खतरे में है क्योंकि उनकी पार्टी के अधिकतर नेता पार्टी को छोड़ने जा रहे हैं। जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद और केंद्रीय मंत्री के नेतृत्व वाली डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी का राजनीतिक सफर केंद्र शासित प्रदेश में अपने अंतिम पड़ाव पर हो सकता है।

वर्ष 2022 में कांग्रेस छोड़ने वाले सभी नेताओं ने फिर से बड़ी पुरानी पार्टी में शामिल होने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि पूर्व विधायक ताज मोहिउद्दीन के नेतृत्व में कई नेता अगले कुछ दिनों में फिर से कांग्रेस में शामिल होने वाले हैं। ताज ने आजाद की पार्टी में शामिल होने के लिए अगस्त 2022 में कांग्रेस छोड़ दी थी। बाद में उन्होंने पिछले

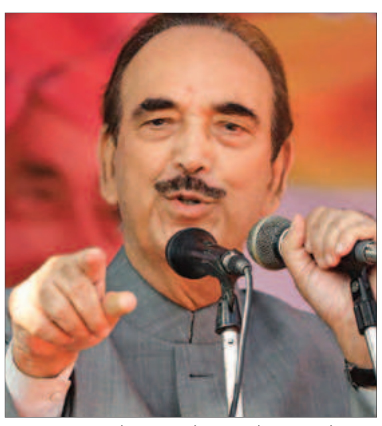

साल अगस्त में पार्टी से इस्तीफे की घोषणा की और फिर उड़ी निर्वाचन क्षेत्र से एक स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में 2024 का विधानसभा चुनाव लड़ा, लेकिन असफल रहे।

बदलते घटनाक्रम में कांग्रेस में फिर से शामिल होने का इरादा रखने वाले अन्य नेताओं में जीएम सरूरी, देवसर से मुहम्मद अमीन भट, अशोक कुमार, गुलजार अहमद वानी और अन्य शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इस सप्ताह जम्मू या नई दिल्ली में बड़े पैमाने पर फिर से शामिल होने की उम्मीद है। कांग्रेस में फिर से शामिल होने की उम्मीद रखने वाले कई नेताओं ने पिछले साल ही डीपीएपी से इस्तीफा दे दिया था। गौरतलब है कि इससे पहले यह खबर दी जा चुकी थी कि 2024 के विधानसभा चुनावों में करारी हार के बाद डीपीएपी अनिश्चित भविष्य का सामना कर रही है। पार्टी की गतिविधियां ठप्प हो गई हैं, और आजाद खुद जम्मू कश्मीर के राजनीतिक परिदृश्य से असामान्य चुप्पी और अनुपस्थिति बनाए हुए हैं।

ममता बनर्जी बदलना चाहती हैं पश्चिम बंगाल का नाम

कलकत्ता हुआ कोलकाता अब प. बंगाल होगा बांग्ला

कोलकाता, 06 फरवरी (एजेंसियां)।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल का नाम बदलना चाहती हैं। अपनी इस मांग को एक बार फिर से टीएमसी ने संसद में उठाया है। टीएमसी की राज्यसभा सांसद रीताब्रत बनर्जी ने राज्यसभा में यह मांग दोहराई। टीएमसी सांसद ने राज्य का नाम बांग्ला करने की मांग की।

सांसद ने ममता बनर्जी का हवाला देते हुए कहा पश्चिम बंगाल का बांग्ला नाम वहां की भाषा, संस्कृति और इतिहास के साथ मेल खाता है। टीएमसी सांसद का आरोप है कि 2018 में ममता बनर्जी ने राज्य विधानसभा में इसको लेकर एक प्रस्ताव पारित किया था,

जिसके बाद उसे मंजूरी के लिए केंद्र सरकार को भेजा था, लेकिन, उसे अब तक मंजूरी नहीं दी गई है। रीताब्रत बनर्जी का कहना है कि 1947 में भारत के बंटवारे के बाद बांग्लादेश को पूर्वी पाकिस्तान कहा गया और हमें पश्चिम बंगाल कहा गया। अब पूर्वी पाकिस्तान नहीं रहा तो हमें भी अपना नाम बदलना चाहिए। टीएमसी सांसद का कहना है कि 1955 में बॉम्बे को मुंबई किया गया, 1996 में मद्रास चेन्नई बना, कलकत्ता 2001 में कोलकाता बन गया और बैंगलोर 2014 में बेंगलुरु हो गया। इसके अलावा 2011 में उड़ीसा का नाम भी ओड़ीशा कर दिया गया था। टीएमसी की इस मांग पर विपक्ष का कहना है कि राज्य में इससे अधिक आवश्यक मुद्दा वहां अवैध बांग्लादेशियों मौजूदगी है, जिस पर सरकार कोई कदम नहीं उठा रही है।

वायुसेना का लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त, दोनों पायलट सुरक्षित

शिवपुरी, 06 फरवरी (एजेंसियां)।

मध्य प्रदेश के शिवपुरी के पास वायुसेना का लड़ाकू विमान मिराज-2000 दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दोनों पायलटों को हल्की चोट आई है, लेकिन वे सुरक्षित बच गए हैं। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन ने तुरंत एक टीम को घटना स्थल के लिए रवाना किया। हादसे की जांच का आदेश दे दिया गया है।

वायुसेना का विमान नरवर तहसील के दबरासानी गांव में एक खेत में दुर्घटनाग्रस्त हुआ, जिसके बाद उसमें आग लग गई। घटना के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण घटना स्थल के पास पहुंच गए थे। मौके पर वायुसेना का हेलीकॉप्टर पहुंचा और दोनों पायलटों को लेकर ग्वालियर रवाना हो गया। दोनों पायलटों ने खुद को इजेक्ट कर लिया था, जिससे दोनों की जान बच गई। विमान ने ग्वालियर से अभ्यास उड़ान भरी थी।

भाग रहे ट्रक पर सेना ने गोली चलाई, ड्राइवर मरा

जम्मू, 06 फरवरी (ब्यूरो)।

श्रीनगर से बारामुला की ओर जा रहे एक ट्रक चालक ने तलाशी का उल्लंघन कर भागने की कोशिश की। सेना ने रोकने की कोशिश की और करीब 23 किलोमीटर तक पीछा किया। तेजी से भाग रहे ट्रक को रोकने के लिए सेना को आखिरकार गोलियां चलानी पड़ीं। सेना की गोली से ट्रक चालक वसीम मजीद मीर की मौत हो गई। ट्रक जब्त कर ली गई है और मामले की छानबीन की जा रही है। चालक की पृष्ठभूमि और वाहन में मौजूद सामान की जांच जारी है।

महाकुंभ आकर हो रहा सनातनी होने का गौरव: ईशा गुप्ता

अभिनेत्री और मॉडल ईशा गुप्ता ने की सीएम योगी की प्रशंसा

महाकुंभ नगर, 06 फरवरी (एजेंसियां)।

अभिनेत्री और मॉडल ईशा गुप्ता भी गुरुवार को आस्था की डुबकी लगाने महाकुंभ पहुंचीं। उन्होंने महाकुंभ में की गई व्यवस्थाओं को लेकर योगिनसरकर की तारीफ की और कहा कि यहां आकर उन्हें सनातनी होने पर गौरव की अनुभूति हो रही है।

महाकुंभ 2025 में अपनी उपस्थिति को लेकर ईशा गुप्ता ने कहा कि मैं यहां एक बॉलीवुड अभिनेत्री के रूप में नहीं, बल्कि एक सनातनी के रूप में आई हूं।

बॉलीवुड एक्टर्स का काम एक्टिंग करना है, लेकिन भारतीय होने के नाते यहां आना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। ईशा गुप्ता ने कहा की महाकुंभ में व्यवस्था बहुत अच्छी रही है। 144 साल में यह अवसर आया है।

मोदी और योगी जी ने इस आयोजन को भव्य और दिव्य बनाने के लिए काफी मेहनत की है। मुझे नहीं लगता कि इतना बड़ा आयोजन इतनी सारी व्यवस्थाओं के साथ पूरे विश्व में कहीं भी हो पाएगा। पूरी दुनिया में लोग जानते हैं कि भारत जैसी आस्था किसी और देश में नहीं। महाकुंभ के माध्यम से आज पूरी दुनिया इसका अनुभव कर रही है।

उन्होंने कहा कि हम बचपन से मूवी तक में देखते रहे हैं कि यहां महाकुंभ में आकर लोग खो जाते हैं। लेकिन इस बार इतनी ऑर्गेनाइज व्यवस्था रही है कि लोग इस पर रील बनाकर प्रशंसा कर रहे हैं। व्यवस्था इतनी सुदृढ़ है कि लोग स्वत: ही लाइन से आ और जा रहे हैं।

किसी प्रकार की असुविधा नहीं हो रही है। उन्होंने अपील की कि यदि आप सनातन धर्म को फॉलो करते हैं तो हर हर महादेव का नारा लगाकर यहां चले आइए।

तिरुपति मंदिर से 18 गैर हिंदू कर्मचारी दूसरे विभागों में स्थानांतरित

तिरुपति, 06 फरवरी (एजेंसियां)।

आंध्र प्रदेश के तिरुपति मंदिर का प्रबंधन करने वाला तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने मंदिर के 18 गैर-हिंदू कर्मचारियों को दूसरे सरकारी विभागों में स्थानांतरित कर दिया है। टीटीडी के अध्यक्ष बीआर नायडू के आदेश पर यह कार्रवाई की गई। नायडू का कहना है कि ऐसा कदम मंदिर की पवित्रता को बनाए रखने के लिए उठाया जा रहा है। अब इन लोगों के मंदिर एवं उससे संबंधित काम में भाग लेने पर रोक रहेगी।

टीटीडी द्वारा 1 फरवरी 2025 को जारी कार्यकारी आदेश के अनुसार, इन 18 कर्मचारियों में से 6 टीटीडी द्वारा संचालित विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में

शिक्षक हैं। इसके अलावा एक उप-कार्यकारी अधिकारी (कल्याण), एक सहायक कार्यकारी अधिकारी, एक सहायक तकनीकी अधिकारी (विद्युत), एक छात्रावास कार्यकर्ता, दो इलेक्ट्रीशियन और दो नर्स शामिल हैं। जिन लोगों दूसरे विभागों में स्थानांतरित किया गया है, उनमें तिरुपति के एसवी आयुर्वेदिक कॉलेज में प्रोफेसर डॉक्टर केवी विजय भास्कर रेड्डी, प्रिंसिपल डॉक्टर रेणु दीक्षित, तिरुपति के एसपीडब्ल्यू डिग्री एवं पीजी कॉलेज में लेक्चरर के सुजाता और प्रिंसिपल जी असुंथा, एसजीएस आर्ट्स कॉलेज में लेक्चरर के प्रताप, एसवी आर्ट्स कॉलेज में लेक्चरर के मानेकशॉ दयान एवं अनुबंध कर्मचारी एनसी भीमन्ना शामिल हैं।

इसके अलावा, टीटीडी के कल्याण विभाग के डिप्टी एग्जीक्यूटिव अधिकारी ए आनंद राजू और टीटीडी के ही नीलामी विभाग के सहायक कार्यकारी अधिकारी ए राजशेखर बाबू को तबादला के लिए कहा गया है। स्थानांतरित किए गए अन्य लोगों में श्री वेंकटेश्वर कर्मचारी प्रशिक्षण अकादमी (एवीईटीए) के निदेशक कार्यालय की वीबी कोमला देवी शामिल हैं।

इसके अलावा, टीटीडी के बिजली विभाग में इलेक्ट्रीशियन एम शेखर, बीआईआरआरडी अस्पताल की हेड नर्स टी कल्याणी और स्टाफ नर्स ए सौभाग्यम और एस रोजी, एसवी पुअर होम में मेडिको नर्सिंग अधिकारी टी नारायण स्वामी, सहायक तकनीकी अधिकारी (इलेक्ट्रिकल) जी असरवदम और सेंट्रल हॉस्पिटल, तिरुपति में रेडियोग्राफर जी गोपी शामिल हैं।

आंध्र प्रदेश के धर्मस्व मंत्री अनम रामनारायण रेड्डी ने बताया कि जो कर्मचारी गैर-हिंदू धार्मिक गतिविधियों में शामिल का मतलब है कि ऐसे कर्मचारी या तो ईसाई हैं या फिर मुस्लिम और वे हिंदू मान्यताओं का अनुसरण नहीं करते। दरअसल, नवंबर 2024 में टीटीडी की बैठक में गैर-हिंदुओं को मंदिर एवं उससे संबंधित विभाग से स्थानांतरित करने का प्रस्ताव पास किया गया था।

कई देशों में भेजी गई महाकुंभ की 10 हजार अमिट निशानियां

महाकुंभनगर, 06 फरवरी (एजेंसियां)।

पवित्र त्रिवेणी के किनारे संगम की रेती पर महाकुंभ को यादगार बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल की गई है। रूस, जर्मनी, फ्रांस, इज़राइल और इटली तक महाकुंभ की 10 हजार से अधिक अमिट निशानियां भेजी गई हैं। जिनमें प्रयागराज के प्रसिद्ध अमरूद के साथ बेल और केले के पौधे भी शामिल हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हरित और सांस्कृतिक महाकुंभ के विजन को अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष समेत समस्त महामंडलेश्वरों ने सराहा है। महाकुंभनगर में देश विदेश से आए बड़े हनुमान मंदिर और बाघंबरी मठ की ओर से श्रद्धालुओं को महाप्रसाद के रूप में फलदार पौधों के साथ नीम और तुलसी के पौधे भी वितरित किए गए।

बड़े हनुमान मंदिर, संगम तट, प्रयागराज के महंत एवं श्रीमठ बाघम्बरी पीठाधीश्वर पूज्य बलवीर गिरि जी महराज के संयोजन में श्रीमठ बाघम्बरी गद्दी में अचला सप्तमी महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें महाप्रसाद के रूप में साधु-संतों और श्रद्धालुओं को पौधों के साथ एक थैला और एक थाली भी प्रदान की गई। श्रीमहंत बलवीर गिरि ने कहा कि एक थैला और एक थाली के साथ ही प्रयाग में पौधा पाने वाला बहुत भाग्यशाली है। वहीं, सीएम योगी द्वारा सम्मानित सबसे कम उम्र के गंगा सेवक पर्यावरणविद् मानस चिरविजय सांकृत्यायन ने कहा हम अपने मुख्यमंत्री योगी के साथ श्रीमठ बाघम्बरी पीठाधीश्वर बलवीर गिरि के आशीर्वाद से हरित महाकुंभ की संकल्पना को पूरा कर रहे हैं।

इस अवसर पर श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर सती गिरि जी महाराज ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ही वे महापुरुष हैं जो संत समाज का सम्मान कर रहे हैं। इनमें महादेव की शक्ति और आदियोगी गोरखनाथ जी की कृपा कार्य कर रही है, जिसकी वजह से न केवल भारत, बल्कि पूरे विश्व के लिए यह महाकुंभ एक ऐतिहासिक अवसर बना। उन्होंने कहा कि संगम की रेती पर श्रद्धालुओं का ऐसा उत्साह उमड़ा कि विशाल स्थान भी कम पड़ गया। उन्होंने महाकुंभ को हरित क्षेत्र बनाने के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया।

वहीं, अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को सनातन धर्म के रक्षक और संतों के सेवक के रूप में सराहा।

सर्राफा बाजार में लगातार दूसरे दिन तेजी, सोना 86 हजार के पार पहुंचा

नई दिल्ली, 06 फरवरी (एजेंसियां)।

घरेलू सर्राफा बाजार में लगातार दूसरे दिन सोने की कीमत मे जोरदार तेजी नजर आ रही है।इस तेजी के कारण 24 कैरेट सोना 86 हजार रुपये के स्तर को और 22 कैरेट सोना 79 हजार रुपये के स्तर को पार कर गया है। सोना 950 रुपये से लेकर 1,040 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। कीमत में आई इस उछाल के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 86,250 रुपये से लेकर 86,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 79,060 रुपये से लेकर 79,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोने की तरह ही चांदी की कीमत में 1,200 रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी दर्ज की गई है। इस तेजी के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 99,600 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 86,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 79,210 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 86,250 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 86,300 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 79,110 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 86,250 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 79,060 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 86,250 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 86,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 79,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 86,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 79,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज ब्रीफ

दिल्ली इंटरनेशनल लेदर एक्सपो का 20-21 फरवरी को यशोभूमि कन्वेंशन सेंटर में

नई दिल्ली। चमड़ा निर्यात परिषद (सीएलई) राजधानी नई दिल्ली में द्वारका के यशोभूमि कन्वेंशन सेंटर में 20-21 फरवरी को दिल्ली इंटरनेशनल लेदर एक्सपो (डीआईएलईएक्स) 2025 का आयोजन करने जा रहा है। डीआईएलईएक्स मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत पहलों के साथ मिलकर निर्यात और रोजगार को प्रोत्साहन देगा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने गुरुवार को जारी एक बयान में बताया कि यशोभूमि कन्वेंशन सेंटर में होने वाला डीआईएलईएक्स 2025 प्रमुख बिजनेस-टू-बिजनेस (बी2बी) कार्यक्रम है। इसको निर्माताओं एवं निर्यातकों को अपने नवीनतम संग्रह, नवाचारों और क्षमताओं को अंतरराष्ट्रीय खरीदारों के समक्ष प्रदर्शित करने के लिए एक मजबूत मंच प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है, जो व्यवहार्य सोर्सिंग विकल्पों की तलाश कर रहे हैं। चमड़ा निर्यात परिषद के अध्यक्ष राजेंद्र कुमार जालान ने बताया कि केंद्रीय बजट में की गई घोषणाएं भारत के चर्म और फुटवियर क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण हैं, जो मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत पहलों के तहत तेजी से वैश्विक विनिर्माण और सोर्सिंग हब के रूप में विकसित हो रहा है। सीएलई ने 2030 तक 47 अरब अमेरिकी डॉलर बिजनेस का लक्ष्य तय किया है। इसमें से 13.7 अरब अमेरिकी डॉलर निर्यात क्षेत्र के लिए है।

आरबीआई गवर्नर शुक्रवार 10 बजे करेंगे एमपीसी के फैसले का ऐलान

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के नवनियुक्त गवर्नर संजय मल्होत्रा 7 फरवरी को सुबह 10 बजे पहली बार मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक के फैसले का ऐलान करेंगे। आरबीआई इस बार नीतिगत ब्याज दर रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती कर सकता है। आरबीआई ने गुरुवार को एक बयान में बताया कि गवर्नर संजय मल्होत्रा 7 फरवरी को मौद्रिक नीति समिति की बैठक के फैसले की घोषणा करेंगे। रिजर्व बैंक गवर्नर की अध्यक्षता में मौद्रिक नीति समिति की तीन दिवसीय बैठक फिलहाल जारी है। आरबीआई के गवर्नर शुक्रवार को पहली बार एमपीसी के फैसले का एलान करेंगे। उल्लेखनीय है कि आरबीआई ने फरवरी 2023 के बाद रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया है। रेपो रेट फिलहाल 6.5 फीसदी पर है।

स्टेट बैंक का मुनाफा तीसरी तिमाही में 84 फीसदी बढ़कर 16,891 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के सबसे बड़े ऋणदाता स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही के नतीजे का ऐलान कर दिया है। 31 दिसंबर, 2024 को समाप्त अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में एसबीआई का मुनाफा 84 फीसदी बढ़कर 16,891 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। इससे पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की तीसरी तिमाही में एकल आधार पर बैंक का शुद्ध लाभ 9,164 करोड़ रुपये रहा था। स्टेट बैंक ने गुरुवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) में बैंक की कुल आय बढ़कर 1,28,467 करोड़ रुपये हो गई है, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 1,18,193 करोड़ रुपये थी। तीसरी तिमाही के दौरान बैंक की ब्याज आय सालाना आधार पर 1,06,734 करोड़ रुपये से बढ़कर 1,17,427 करोड़ रुपये हो गई है। बैंक की सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए) भी दिसंबर 2024 के अंत में 2.07 फीसदी पर आ गईं, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के अंत में 2.42 फीसदी थीं। बैंक ने बताया कि इसी तरह शुद्ध गैर-निष्पादित आस्तियां (एनपीए) भी सालाना आधार पर 0.64 फीसदी से घटकर 0.53 फीसदी रह गईं। इसके साथ ही एसबीआई समूह का एकीकृत शुद्ध लाभ इस अवधि में सालाना आधार पर 11,064 करोड़ रुपये से 70 फीसदी बढ़कर 18,853 करोड़ रुपये हो गया है। इसके अलावा एकीकृत कुल इनकम तीसरी तिमाही में सालाना आधार पर 1,53,072 करोड़ रुपये से बढ़कर 1,67,854 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है।

लगातार दूसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, निवेशकों को 2.05 लाख करोड़ का नुकसान

नई दिल्ली, 06 फरवरी (एजेंसियां)।

ब्याज दरों को लेकर रिजर्व बैंक की मॉनेटरी पॉलिसी कमिटी का फैसला आने के पहले घरेलू शेयर बाजार संभलकर कारोबार करता रहा। निवेशकों के सतर्क रुख की वजह से बाजार लगातार दूसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुआ। के कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई थी, लेकिन बाजार खुलने के तुरंत बाद बिकवाली शुरू हो गई, जिससे सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने लाल निशान में गोता लगा दिया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.27 प्रतिशत और निफ्टी 0.39 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। दिनभर के कारोबार के दौरान कंज्यूमर ड्यूरेबल, रियल्टी और टेलीकॉम सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक बिकवाली होती रही। इसके साथ ही ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, एफएमसीजी, मेटल, ऑयल एंड गैस, टेक और पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज इंडेक्स भी गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। दूसरी ओर आईटी, बैंकिंग और हेल्थ केयर सेक्टर के शेयरों में खरीदारी होती रही। ब्रॉडर मार्केट में मिला-जुला कारोबार होता रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.87 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 2.15 अंक की सांकेतिक गिरावट के साथ के कारोबार का अंत किया। शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन के कारोबार के बाद घट कर 425.14 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 427.19 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को के कारोबार से करीब 2.05 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,063 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,917 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,018 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 128 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,568 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,164 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,404 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 11 शेयर बढ़त के साथ और 19 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए।

भारतीय स्टार्टअप्स ने ओपन एआई से की मूल्य निर्धारण लागू करने की मांग, भारतीय भाषाओं में सपोर्ट को बढ़ाने का वादा किया

नई दिल्ली। भारतीय स्टार्टअप्स के शीर्ष फाउंडर्स ने बुधवार को ओपन एआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन से मुलाकात की और ओपनी एआई के मॉडल्स को डेवलपर्स के लिए किफायती बनाने और भारत-केंद्रित मूल्य निर्धारण लागू करने की मांग की। ऑल्टमैन ने भारत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के तेजी से बढ़ते प्रभाव की सराहना करते हुए इसे नई तकनीकी इनोवेशन के लिए एक महत्वपूर्ण बाजार बताया। आलोक बाजपेई, विजय शेखर शर्मा, कुनाल बहल, राघव वर्मा, गौरव मुंजाल, आकृत वैष जैसे प्रमुख भारतीय स्टार्टअप लीडर्स ने सम्मेलन में भाग लिया और मूल्य निर्धारण की मांग की। इन बैठकों में भारत के उपयोगकर्ताओं की जरूरतों पर चर्चा की गई और ओपन एआई की एपीएलएस के इस्तेमाल की समस्याओं पर विचार किया गया। ओपन एआई ने माना कि उनकी प्राइसिंग को भारत के हिसाब से समायोजित करने की जरूरत है और उन्होंने भारतीय भाषाओं में सपोर्ट को बढ़ाने का वादा किया। इस दौरान, स्टार्टअप फाउंडर्स और डेवलपर्स ने ओपनी एआई की टेक्नोलॉजी के उपयोग और इससे जुड़ी चुनौतियों पर भी चर्चा की। इस महत्वपूर्ण मीटिंग में उठी मुद्दों को लेकर जोरदार चर्चा हुई और मूल्य निर्धारण की मांग को लेकर सभी सहमति जताई गई। स्टार्टअप उद्यमियों की शक्तिशाली दबाव ने ओपन एआई को भारत में अपने मॉडल्स की प्राइसिंग को सही निर्धारित करने के लिए मजबूर किया।

देश में खाने-पीने की चीजें महंगी होने से आम जनता ही नहीं सरकार भी परेशान

नई दिल्ली, 06 फरवरी (एजेंसियां)।

माल ढुलाई की लागत बढ़ने से देशभर में खाद्य महंगाई पर असर पड़ा

देश में खाने-पीने की चीजों के भाव बढ़ने से आम जनता ही नहीं सरकार और रिजर्व बैंक भी परेशान है। खाद्य महंगाई की वजह से ही खुदरा महंगाई की दर बढ़ जाती है और आरबीआई पिछले करीब ढाई साल से कर्ज भी सस्ता नहीं कर पा रहा है। अब खाद्य महंगाई बढ़ने के कारणों का पता चला है। एक फाइनेंस कंपनी के मासिक बुलेटिन में बताया गया है कि माल ढुलाई की लागत बढ़ने से देशभर में खाद्य महंगाई पर असर पड़ा है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि देश के प्रमुख मार्गों पर ट्रक किराये में जनवरी 2025 में बढ़ोतरी हुई है, जिसका कारण सर्दियों के फलों और सब्जियों का आना है। इनमें से कुछ मार्गों पर तो किराये में चार प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई है। इसमें कहा गया है कि जनवरी-मार्च तिमाही आमतौर पर काफी व्यस्त अवधि होती है, जिसमें रबी की फसल के बाद कृषि गतिविधि में तेजी आती है और कई क्षेत्रों में विनिर्माण गतिविधियों में भी बढ़ोतरी होती है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि इस तेजी के चलते पिछले महीने माल वाहक, कार्गो थ्री-व्हीलर के साथ-साथ यात्री बसों, मैक्सी कैब और कृषि ट्रेलरों जैसे वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री में बढ़ोतरी हुई है। ट्रक किराये की बात करें तो दिल्ली-मुंबई-दिल्ली मार्ग पर चार प्रतिशत, मुंबई-कोलकाता-मुंबई मार्ग पर 3.7 प्रतिशत और दिल्ली-हैदराबाद-दिल्ली और कोलकाता-गुवाहाटी-कोलकाता मार्ग पर मासिक आधार पर किराये में 3.3 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। मासिक आधार पर देखा जाए तो जनवरी में माल वाहक की बिक्री में 41 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई। तिपहिया (माल) और यात्री बसों की बिक्री में 32 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई, जबकि मैक्सी कैब की बिक्री में 59 प्रतिशत की भारी बढ़ोतरी हुई है। रबी की फसल के मौसम में कृषि ट्रेलर की बिक्री में 15 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि मोटर कार की बिक्री में 54 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई और दोपहिया वाहनों की बिक्री में महीने-दर-महीने आधार पर 27 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

नेपाल में हिंदू...

अनुदान दिए जाने को गलत तरीके से पेश किया जा रहा है।वीडियो में ब्रायन मास्ट ने उनसे पूछा, क्या वर्मा रिकॉर्ड पर कह रहे हैं कि नेपाल में नास्तिकता के लिए कोई अनुदान आवंटित नहीं किया गया है या अन्य क्षेत्रों में विभाजित नहीं किया गया है? नेपाल और अन्य जगहों पर नास्तिकता को बढ़ावा देने के आरोपों को खारिज करते हुए वर्मा ने दावा किया, मैंने नेपाल में नास्तिकता को बढ़ावा देने के लिए किसी अनुदान का कोई सबूत नहीं देखा है। अनुदान के लिए अनुरोध दस्तावेज का उल्लेख करते हुए ब्रायन मास्ट ने बताया, यह (आधिकारिक दस्तावेज) नास्तिक, मानवतावादी, गैर-अभ्यास करने वाले और गैर-संबद्ध व्यक्तियों सहित धार्मिक स्वतंत्रता को बढ़ावा देने और बचाव करने की बात कहता है।रिपब्लिकन सांसद ने कहा, यह अनुदान नेपाल में नास्तिकों और विधर्मी व्यक्तियों के बीच नेटवर्क या संगठन बनाने और नास्तिकों के विविध समुदायों के लिए वकीलों का नेटवर्क बनाने और उन्हें मजबूत करने के लिए दिया गया। वर्मा की गवाही के दौरान ब्रायन मास्ट ने जोर देकर कहा कि नास्तिकता शब्द और नेपाल में नास्तिकता को बढ़ावा देने के लिए अलग-अलग वाक्यांशों का आधिकारिक दस्तावेज में अलग-अलग जगहों पर बार-बार उल्लेख मिलता है। मास्ट ने कहा, वर्मा ने गलतबयानी कर समिति का अनादर किया है। मास्ट ने कहा, अनुदान अनुरोध का पहला पृष्ठ ही धर्म का विरोध और नास्तिकता के समर्थन की पुष्टि करता है। मस्त ने कहा, यह खुलासा बेहद परेशान करने वाला है। न केवल यह करदाताओं के पैसे का अनुचित उपयोग है, बल्कि प्रशासन की ओर से पारदर्शिता और ईमानदारी की कमी हमारी सरकार में विश्वास को और कम करती है।रिपब्लिकन नेता के अनुसार, आश्चर्यजनक रूप से बाइडेन प्रशासन ने नेपाल में नास्तिकता को बढ़ावा देने के लिए बड़ी मात्रा में धनराशि दी है, जिसे धार्मिक स्वतंत्रता के मौलिक अधिकारों को बढ़ावा देने के नाम पर छिपाया गया है। नेपाल को दिए गए अमेरिकी अनुदान के पीछे का गुप्त एजेंडा जागर होने के बाद दोनों देशों के बीच कूटनीतिक विवाद पैदा होने की संभावना जताई जा रही है। यह नेपाल के आंतरिक मामलों में सीधा-सीधा बाहरी हस्तक्षेप और इसकी धार्मिक जनसांख्यिकी को बदलने के कुचक्र के रूप में देखा जा रहा है। इस कुचक्र के प्रतिकार में ही नेपाल को फिर से हिंदू राष्ट्र बनाने की वकालत करने वाले बड़े पैमाने पर नेपाल में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। 2021 की जनगणना के अनुसार, हिमालयी राष्ट्र में हिंदू धर्म सबसे अधिक पालन किया जाने वाला धर्म है, जो कुल आबादी का 81 प्रतिशत है। 2006 तक नेपाल दुनिया का एकमात्र हिंदू राज्य था। उसी वर्ष, देश एक धर्मनिरपेक्ष राज्य बन गया। इस बीच, संयुक्त राष्ट्र अमेरिका, उसके सहयोगी देशों और अतीत में अरबपति जॉर्ज सोरोस जैसे कुछ गैर-सरकारी धनपशुओं पर देश की राजनीतिक व्यवस्था में हस्तक्षेप करने, क्षेत्र की धार्मिक जनसांख्यिकी को बदलने और लोकतंत्र, धार्मिक सहिष्णुता और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को बढ़ावा देने जैसे सद्गुणों की वकालत करने के बहाने शासन परिवर्तन की कार्रवाइयों के गंभीर आरोप हैं।

अभिभाषण समझना...

पीएम मोदी ने कहा कि, हमारी सरकार ने एससी-एसटी एक्ट को मजबूत बनाकर दलित-आदिवासी समाज के प्रति सम्मान भी दिखाया, प्रतिबद्धता भी दिखाई। आज जातिवाद का जहर फैलाने के लिए भरपूर प्रयास हो रहा है।

पीएम मोदी ने कहा कि आज जातिवाद के जहर फैलाने के लिए भरपूर प्रयास हो रहा है। लेकिन तीन-तीन दशक दोनों सदन के ओबीसी एमपी और सभी दलों के ओबीसी एमपी सरकारों से मांग करते रहे थे कि ओबीसी आयोग को संवैधानिक दर्जा दिया जाए, ठुकरा दिया गया। इनकार किया गया क्योंकि शायद उस समय उनके राजनीति को ये सूट नहीं करता था। हम सबने मिलकर तीन-तीन दशक से मेरे ओबीसी समाज ने जिस बात की मांग की थी हमने आकर इस आयोग को संवैधानिक दर्जा दिया।पीएम मोदी ने कहा कि हमारे लिए इनका मान-सम्मान भी उतना ही महत्वपूर्ण है। देश में जब-जब आरक्षण का विषय आया, उसको एक तंदुरुस्त तरीके से सत्य को स्वीकार करते हुए करने का प्रयास नहीं हुआ। दुश्मनी पैदा करने वाले तरीके अपनाए गए। पहली बार हमारी सरकार ने एक ऐसा मॉडल दिया कि हमने सामान्य वर्ग के गरीब को 10 फीसदी आरक्षण दिया, बिना तनाव के, बिना किसी का छीने। एससी-एसटी, ओबीसी ने भी इसका स्वागत किया। पूरे राष्ट्र ने इस बात को स्वीकार किया।पीएम मोदी ने कहा कि बाबा साहब के प्रति कांग्रेस को कितनी नफरत थी, कितना गुस्सा था, इसके प्रमाण हैं। बाबा साहब को दो-दो बार चुनाव हराने के लिए क्या कुछ नहीं कहा गया। बाबा साहब को कभी भारत रत्न के योग्य नहीं समझा गया। इस देश के लोगों ने बाबा साहब की भावना का आदर किया, सर्व समाज ने किया। तब आज मजबूरन कांग्रेस को जय भीम बोलना पड़ रहा है। जय भीम बोलने में उनका मुंह सूख जाता है। ये कांग्रेस भी रंग बदलने में बड़ी माहिर लग रही है। कितनी तेजी से अपना नकाब बदल देते हैं, ये इसमें साफ-साफ नजर आ रहा है।पीएम मोदी ने कहा, अब कांग्रेस का अध्ययन करेंगे तो इसकी राजनीति जैसे हमारा मूल मंत्र सबका साथ, सबका विकास, वैसे ही उनका रहा दूसरे की लकीर छोटी करना। इसके कारण उन्होंने सरकारों को अस्थिर किया, किसी भी राजनीतिक दल की सरकार कहीं बनी तो उसे अस्थिर कर दिया। इसी काम में वो लगे रहे। यही उनकी नीतियों का परिणाम है कि आज कांग्रेस का ये हाल हो गया है। पीएम मोदी ने कहा कि लोकसभा के बाद जो कांग्रेस के साथ थे वो भी भाग रहे हैं। इसी का परिणाम है कि कांग्रेस का आज यह हाल हो गया है। देश की सबसे पुरानी पार्टी, आजादी के आंदोलन से जुड़ी पार्टी, इतनी दुर्दशा। अगर वे अपनी लकीर लंबी करने में मेहनत करने न तो इतनी दुर्दशा नहीं होती। बिना मांगे सलाह देता हूं, अपनी लकीर लंबा करने में मेहनत करेंगे तो देश कभी न कभी 10 मीटर दूर यहां आने का अवसर देगा।पीएम मोदी ने कहा कि, हर समुदाय का सशक्तिकरण और बाबा साहब के सपने को पूरा करने का कार्य हमने मुद्रा योजना से किया है। जिसको किसी ने नहीं पूछा, उसे मोदी पूजता है। गरीब वंचित का कल्याण हमारी प्राथमिकता है। इस वर्ष के बजट में भी लेदर, फुटवियर इंडस्ट्री जैसे छोटे क्षेत्रों को हमने स्पर्श किया है जिसका लाभ गरीब-वंचित समाज को मिलने वाला है। खिलौने की बात करें, इस प्रकार के लोग ही इस काम में हैं। बहुत से लोगों को इस काम में मदद दी गई और इसका परिणाम ये है कि हम इसे इंपोर्ट करने की आदत में फंसे थे, आज हम तीन गुना एक्सपोर्ट कर रहे हैं। इसका फायदा गरीब लोगों को मिल रहा है। हमने मछुआरे साथियों के लिए अलग मंत्रालय बनाया और केसीसी के सारे बेनिफिट्स भी दिए। मत्स्य उत्पादन बढ़ा है।

अवैध आव्रजन...

कल 104 लोग वापस आए हैं। हमने ही उनकी राष्ट्रीयता की पुष्टि की है। हमें ऐसा नहीं समझना चाहिए कि यह कोई नया मुद्दा है। यह एक ऐसा मुद्दा है जो पहले भी होता रहा है। कानूनी गतिशीलता को प्रोत्साहित करना और अवैध आवागमन को हतोत्साहित करना हमारे सामूहिक हित में है। सभी देशों का यह दायित्व है कि यदि उनके नागरिक विदेश में अवैध रूप से रह रहे पाए जाते हैं तो उन्हें वापस ले लिया जाए। निर्वासन की प्रक्रिया कोई नई नहीं है।

जयशंकर ने अमेरिका से अब तक भारत निर्वासित किए गए लोगों के आंकड़े भी सदन के सामने रखे। उन्होंने कहा कि साल 2009 में 734, साल 2010 में 799, साल 2011 में 597, साल 2012 में 530 भारतीयों को निर्वासित किया गया। उन्होंने इस संबंध में 2024 तक के आंकड़े सदन में प्रस्तुत किए।

उल्लेखनीय है कि अमेरिका में बिना दस्तावेजों के रह रहे भारतीयों को निर्वासित किए जाने के मुद्दे पर गुरुवार को संसद के दोनों सदनों में विपक्ष ने हंगामा किया। इससे पहले अमेरिकी सेना का एक विमान बुधवार को भारतीयों को लेकर अमृतसर हवाई अड्डे पर उतरा था। डोनाल्ड ट्रंप के दूसरी बार सत्ता संभालने के बाद से यह अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे भारतीयों का पहला निर्वासन है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ व्यापक वार्ता के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आगामी वॉशिंगटन यात्रा से कुछ ही दिन पहले यह कार्रवाई हुई है। निर्वासित लोगों में से 30 पंजाब से, 33-33 हरियाणा और गुजरात से, तीन-तीन महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश से तथा दो चंडीगढ़ से हैं। निर्वासित किए गए लोगों में 19 महिलाएं और चार वर्षीय एक लड़का, पांच व सात वर्षीय दो लड़कियों सहित 13 नाबालिग शामिल हैं।

यूपी में वक्फ ...

से 2363, अयोध्या में 3652 में से 2116, जौनपुर में 4167 में से 2096 और बरेली में 3499 वक्फ सम्पत्तियों में से 2000 सरकारी जमीनों पर स्थित हैं। यहां बता दें कि प्रदेश में कुल 57792 सरकारी सम्पत्तियां हैं, जो वक्फ बोर्ड के रिकॉर्ड में वक्फ सम्पत्तियों के रूप में दर्ज हैं। इनका कुल रकबा 11712 एकड़ है। नियमानुसार, इन सम्पत्तियों को वक्फ (दान) किया ही नहीं जा सकता था। इसी तरह लखीमपुर खीरी-1792, बुलंदशहर-1778, फतेहपुर-1610, सीतापुर-1581, आजमगढ़-1575, सहारनपुर-1497, मुरादाबाद-1471, प्रतापगढ़-1331, आगरा-1293, अलीगढ़-1216, गाजीपुर-1251, मेरठ-1154, संभल-1150, अमरोहा-1045, देवरिया-1027 और बिजनौर में 1005 अवैध सम्पत्तियां हैं।उत्तर प्रदेश में 40 जिले ऐसे भी हैं, जहां बोर्डों के रिकॉर्ड में सैकड़ों की संख्या में वक्फ सम्पत्तियां दर्ज हैं, लेकिन तहसील रिकॉर्ड में एक का भी नामांतरण नहीं है। ये जिले हैं, फिरोजाबाद, मैनपुरी, मथुरा, अलीगढ़, एटा, कासगंज, अयोध्या, आजमगढ़, बलिया, बदायूं, शाहजहांपुर, सिद्धार्थनगर, बहराइच, बलरामपुर, गोंडा, श्रावस्ती, देवरिया, कुशीनगर, महराजगंज, जालौन, ललितपुर, औरैया, फर्रूखाबाद, कन्नौज, कानपुर देहात, हरदोई, रायबरेली, बुलंदशहर, गाजियाबाद, हापुड़, भदोही, मिर्जापुर, सोनभद्र, बिजनौर, कौशांबी, प्रयागराज, चंदौली, जौनपुर, वाराणसी, महोबा। वक्फ बोर्ड के रिकॉर्ड के मुताबिक महोबा में एक भी वक्फ सम्पत्ति नहीं है। जबकि, सोनभद्र में एक वक्फ सम्पत्ति है। हालांकि, जिलास्तर के गजट में महोबा में 245 और सोनभद्र में 171 वक्फ सम्पत्तियां हैं।

महाकुंभ भगदड़ में...

वह भी घेरे में हैं।पुलिस को जांच में मिला है कि महाकुंभ को लेकर इन्टरनेट पर अधिक ही रुचि दिखाने वाले बड़ी संख्या में गैर हिंदू हैं। उन्हें नोटिस भेजा जा रहा है। इसके अलावा महाकुंभ की शुरुआत से ही जो लोग इसको लेकर नकारात्मकता फैला रहे हैं और बार बार भ्रामक सूचनाएं डाल रहे हैं, उनको भी राडार पर लिया गया है। पुलिस इसके अलावा मेला क्षेत्र में लगे कैमरों की फुटेज खंगाल कर संदिग्धों को पहचान रही है। 600 ऐसे संदिग्ध पहचाने जा चुके हैं।

इससे पहले पुलिस ने यहां नम्बर खंगालना चालू किया था। इससे पहले मौनी अमावस्या की भगदड़ में फंसी कुछ महिलाओं ने दावा किया था कि हुड़दंगी लड़कों के भीड़ में घुसने के बाद भगदड़ चालू हुई। पुलिस ने उस समय भगदड़ वाली जगह पर मौजूद नम्बरों को भी खंगाला था। इस बीच महाकुंभ में स्नान करने वालों की संख्या लगभग 40 करोड़ के पार पहुंच चुकी है।

दो यात्रियों से...

सीमा शुल्क विभाग ने बताया कि आरोपी जम्मू कश्मीर का रहने वाले हैं और उन्हें बुधवार को इटली के मिलान से दिल्ली लौटने के दौरान हवाई अड्डे पर रोका गया। विभाग ने कहा कि आरोपियों के सामान की जांच में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला, लेकिन व्यक्तिगत तलाशी लेने पर विशेष रूप से डिजाइन की गई दो कमर बेल्ट में छिपा कर रखे गये सोने के सिक्के बरामद हुए। सीमा शुल्क विभाग ने बताया कि अधिकारियों ने 10.092 किलोग्राम सोने के सिक्के जब्त किए, जिनकी अनुमानित कीमत लगभग 7.8 करोड़ रुपए आंकी गई है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शुक्रवार, 07 फरवरी, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

मिधानि में हिंदी कार्यशाला सम्पन्न

हैदराबाद, 06 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग के निर्देशों के अनुसरण में भारत के रक्षा उपक्रम मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानि) द्वारा अपनी राजभाषा कार्यान्वयन समिति के तत्वावधान में कर्मचारियों के लिए गुरुवार दि. 06 फरवरी को एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार तीन सत्रों में संचालित कार्यशाला के आरंभ में डॉ. बी. बालाजी, प्रबंधक (हिंदी अनुभाग एवं निगम संचार), मिधानि ने कार्यशाला के प्रतिभागियों का स्वागत किया और हिंदी कार्यशाला के आयोजन की अनिवार्यता तथा उद्देश्य को स्पष्ट किया। कार्यशाला के सत्रों का परिचय देते हुए उन्होंने बताया कि कार्यशाला में राजभाषा नीति, राजभाषा कार्यान्वयन में कंप्यूटर की भूमिका, कंप्यूटर पर हिंदी टंकण के बेसिक टिप्स सहित प्रशासनिक शब्दावली जैसे विषयों पर व्याख्यान होंगे। उन्होंने प्रथम व द्वितीय सत्र में क्रमशः विभागों में हिंदी में कामकाज को कैसे बढ़ाएँ और कंप्यूटर पर हिंदी टंकण के बेसिक टिप्स विषय पर व्याख्यान दिया। तृतीय सत्र में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की हिंदी अधिकारी श्रुति पांडे ने राजभाषा नीति के अनुपालन में कर्मचारियों का दायित्व विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने अपने व्याख्यान के दौरान प्रतिभागियों को भारत की राजभाषा नीति से संबंधित संवैधानिक प्रावधानों, राजभाषा अधिनियम, 1963 की धाराओं व राजभाषा नियम 1976 के अंतर्गत बने नियमों की जानकारी दी। अपने व्याख्यान के दौरान उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार के कार्यालयों में तैनात कर्मचारी के सहयोग के बिना राजभाषा कार्यान्वयन संभव नहीं होगा। अतः उनसे राजभाषा कार्यान्वयन में सक्रिय भूमिका की अपेक्षा की जाती है। श्रुति पांडे ने कार्यालयीन कामकाज में हिंदी का प्रयोग बढ़ाने के लिए कर्मचारियों को प्रोत्साहित किया। उन्होंने अपने व्याख्यान के अंतिम चरण कार्यशाला में शामिल कर्मचारियों को लेकर नमूना राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन किया। इस बैठक से प्रतिभागियों को राजभाषा नीति के सुचारु अनुपालन की गंभीरता व व्यावहारिकता को समझने में आसानी हुई।

कार्यशाला के सफल आयोजन में हिंदी विभाग की श्रीमती डी रत्नाकुमारी, कनिष्ठ कार्यपालक (एनयूएस) का और डाक अनुभाग के सांविदिक कर्मचारी जयपाल व नरेंद्र गांधी का सक्रिय सहयोग रहा। कार्यशाला का समापन प्रतिभागियों द्वारा राजभाषा में कार्य करने हेतु शपथ से हुआ।

पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल का 140वां नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर 9 को

हैदराबाद, 06 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा तेलंगाना जयसवाल सेवा समिति के सहयोग से 140वां निशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर गोशामहल स्थित हिन्दी नगर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में रविवार दि. 9 फरवरी को सुबह 10.00 से दोपहर 2.00 बजे तक आयोजित किया जा रहा है।

यहां अग्रवाल सेवा दल के अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मेगा मेडिकल कैंप में एलसीएस साधुराम नेत्र अस्पताल के सहयोग से नि:शुल्क नेत्रों की जांच की जाएगी और योग्य रोगियों को चश्मे तथा मोतियाबिंद का ऑपरेशन किया जाएगा। किम्स सनशाइन अस्पताल द्वारा सामान्य जांच डॉ.अखिल सुगंधी, डॉ. मीनल सुगंधी द्वारा की जाएगी। साथ ही ईएनटी, आर्थोपेडिक, कार्डियोलॉजी, ईसीजी-2डी इको-बीएमडी, आरबीएस, रक्तचाप आदि की जांच की जाएगी।

इस अवसर पर श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति हैदराबाद द्वारा कृत्रिम अंग वितरण का शिविर लगाया जाएगा। जिसमें योग्य को नि:शुल्क कृत्रिम अंग, हैंड किट्स, कैलिपर्स हैंडस आदि का वितरण किया जाएगा।

योग्य के लिए नि:शुल्क डायलिसिस की व्यवस्था भी जाएगी। अवसर पर ललिता डेंटल क्लीनिक के डॉ.संजय सूर्यवंशी द्वारा दांतों की जांच की जाएगी। फिजियोथैरेपी की व्यवस्था, बजाज फिजियोकेयर की डॉ.मीता बजाज द्वारा की जाएगी। शिविर 9 फरवरी को सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक जारी रहेगा जिसमें कथा स्थल पर नाम पंजीकरण सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक ही रहेगा। सभी से इस शिविर का लाभ लेने का आग्रह किया है। शिविर की अधिक जानकारी के लिए कैंप संयोजक प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेन्द्र गोयल, राकेश जयसवाल, अशोक जयसवाल, संजय जयसवाल से संपर्क किया जा सकता है।

एनआईआईएमएच में हिंदी कार्यशाला का आयोजन

हैदराबाद, 06 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
परिषद मुख्यालय के निर्देशानुसार, गुरुवार दि. 06 फरवरी को राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान, हैदराबाद (एनआईआईएमएच) के सम्मेलन कक्ष में राजभाषा कार्यान्वयन समिति के मार्गदर्शन में संस्थान स्तर पर त्रैमासिक हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार उक्त कार्यक्रम का संचालन डॉ. गोलि पेंचल प्रसाद, प्रभारी सहायक निदेशक के नेतृत्व में हुआ। कार्यशाला के संचालक में डॉ. अशफाक अहमद, हिंदी प्रभारी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कार्यशाला के प्रथम सत्र में डॉ. गोलि पेंचल प्रसाद ने वक्ताओं, संस्थान के अधिकारियों एवं कर्मचारियों का स्वागत किया। मुख्य वक्ता डॉ. टी. साकेतराम, अनुसंधान अधिकारी (आयुर्वेद), राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान, हैदराबाद, ने राजभाषा के लिए उपयुक्त कृत्रिम मेधा के संसाधन विषय पर विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने राजभाषा में कार्य करने के लिए उपयोगी वेबसाइट्स और एप्लिकेशन्स के बारे में भी जानकारी साझा की।

दूसरे सत्र में डॉ. राजनारायण अवस्थी, प्रबंधक (राजभाषा), इलेक्ट्रॉनिक कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, हैदराबाद ने तकनीकी शब्दों का अनुवाद: कठिनाइयाँ और चुनौतियाँ विषय पर व्यापक व्याख्यान दिया। उन्होंने अनुवाद के तकनीकी पहलुओं, अनुवाद के स्तर, वैज्ञानिक अनुवाद की अवधारणाओं तथा सामाजिक मान्यताओं के ज्ञान के महत्व पर विस्तार से चर्चा की।

कार्यशाला में संस्थान के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने वक्ताओं के व्याख्यानों को गंभीरता से सुना और उनसे ज्ञानवर्धक जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम के अंत में, हिंदी सहायिका ने सभी प्रतिभागियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। प्रभारी सहायक निदेशक की अनुमति से राष्ट्रगान के साथ कार्यशाला का समापन हुआ।

इस कार्यशाला ने राजभाषा हिंदी के प्रति जागरूकता बढ़ाने और तकनीकी अनुवाद के क्षेत्र में नई जानकारी प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इसामिया बाजार स्थित नारायण सेवा संस्थान में आयोजित कृत्रिम अंग एवं व्हील चेयर वितरण किया गया। इस अवसर पर श्री राम जलाराम सेवा ट्रस्ट के ट्रस्टी जसमत पटेल, रिद्धीश रमेश जागीरदार, आरके जैन, अलका चौधरी, महेंद्र सिंह रावत एवं अन्य उपस्थित थे।

माघी पोर्णिमा स्नान के लिए श्रध्दालुओं का दल प्रयागराज के लिए 10 को होगा रवाना

हैदराबाद, 06 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
सनातन धर्म के सर्वोच्च पर्व प्रयागराज महाकुंभ 2025 के अंतर्गत माघी पूर्णिमा पर कुंभ स्नान के लिए सैकडों भक्त क्रमश 10, 17 और 22 फरवरी को बेगम बाजार से रवाना होंगे।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति में रामकृष्ण माखन ट्रैवल्स के व्यवस्थापक गोपाल सोनी के बताया कि भाग्यनगर हैदराबाद के सैकडों सनातन भक्तों का एक दल 5 (पांच) लग्जरी स्लीपर बसों द्वारा भू-लक्ष्मी मंदिर बेगम बाजार से 10 फरवरी को रवाना होगा और हैदराबाद से चित्रकूट, प्रयागराज महाकुंभ स्नान कर श्रीराम जन्मभूमि अयोध्या और हनुमानगढी, काशी विश्वनाथ मंदिर के दर्शन कर आगामी दि. 16 फरवरी को हैदराबाद पहुंचेगा।

ईसी क्रम में दि. 17 और 22 फरवरी को भी एक-एक दल रामकृष्ण माखन ट्रैवल्स के सह व्यवस्थापक रविंद्र सोनी और निखील सोनी के नेतृत्व में रवाना होगा।

समस्त शिव भक्तों से जल्द से जल्द अपना पंजीकरण कराने का ट्रैवल्स के व्यवस्थापक गोपाल सोनी नें आह्वान किया है ।

बिहार महिला एसोसिएशन द्वारा सरस्वती पूजा का आयोजन

हैदराबाद, 06 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तेलंगाना बिहार सहयोग समिति द्वारा सरस्वती पूजा का आयोजन दुर्गा माता मंदिर इंदिरा नेहरु नगर मल्काजगिरी में अनिता भगत की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ।प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार कार्यक्रम में केन्द्रीय समिति के अध्यक्ष माधवी यादव और नीना यादव ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सरस्वती पूजा ब धुम धाम से मनाई गई और भारी मात्रा में बच्चों एवं महिलाओं ने माता के जुलूस में शामिल हुए।

कापड़ा चेरू में माता रानी का विसर्जन किया गया। इस मौके पर बिहार सहयोग समीती तेलंगाना के सचिव सागर भगत ने अपने पुरी टीम के साथ पुजा में भाग लिया और ऐसोसिएशन के वरिष्ठ प्रधाकारी इंदु देवी, माधवी यादव, रीना यादव, अनिता भगत, गीता देवी, गुड़िया, ममता, अनिता यादव, कविता एवं भारी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया ।

गौमाता को राष्ट्रीय माता घोषित कराने की मांग को लेकर संसद के बजट सत्र में मुद्दा उठाने के लिए केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान, केन्द्रीय कोयला मंत्री जी. किशन रेड्डी को निवेदन करती हुईं लव फॉर काऊ फांउडेशन की पंकज श्रीनिवासन तथा इस संकल्प में सहयोग करने के लिए हरीयाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, बागेश्वर धाम सरकार धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री से भेंट करती हुईं परमेश्वरी शर्मा।

स्वरूप कुमार और साईनाथ अ.भा.जा. महासभा में मनोनीत

हैदराबाद, 06 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। अखिल भारतीय जायसवाल (सर्ववर्गीय) महासभा के वरिष्ठ समाज शिरोमणि द्वारा राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति में हैदराबाद के साईनाथ जायसवाल को राष्ट्रीय वरिष्ठ कार्यकारी अध्यक्ष एवं दक्षिणांचल प्रभारी एवं स्वरूप कुमार जायसवाल को राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में मनोनीत किया गया। प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार महासभा ने समाज को सामाजिक चेतना, विकास, कल्याण एवं शक्तिशाली संगठन के रूप में उभारने के लिए उक्त सदस्यों को सम्मिलित किया। साईनाथ जायसवाल एवं स्वरूप कुमार को जायसवाल समाज के पदाधिकारियों ने महासभा में मनोनयन पर बधाई दी।

हैदराबाद मेट्रो रेल के दूसरे चरण विस्तार

बजट पर चुप्पी के बावजूद प्रमुख स्वीकृतियां अपेक्षित

हैदराबाद, 06 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा मंगलवार को पेश किए गए केंद्रीय बजट में तेलंगाना में नई परियोजनाओं के लिए कोई विशेष धनराशि आवंटित नहीं की गई, लेकिन हैदराबाद मेट्रो रेल परियोजना के बहुप्रतीक्षित दूसरे चरण पर सक्रिय रूप से विचार किया जा रहा है। वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों ने पुष्टि की कि 24,269 करोड़ रुपये के विस्तार के लिए आने वाले महीनों में मंज़ूरी मिलने की उम्मीद है, क्योंकि परियोजना तकनीकी मूल्यांकन के माध्यम से आगे बढ़ रही है।हैदराबाद मेट्रो रेल परियोजना के दूसरे चरण का लक्ष्य शहर में पाँच गलियारों में फैले मेट्रो नेटवर्क को 76.4 किलोमीटर तक विस्तारित करना है। वर्तमान में, यह प्रस्ताव केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय द्वारा विस्तृत तकनीकी मूल्यांकन के दौर से गुजर रहा है, जिसमें रेलवे और भूतल परिवहन जैसे प्रमुख मंत्रालय भी मूल्यांकन में शामिल हैं।केंद्रीय बजट में विशिष्ट आवंटन की कमी के बावजूद, चर्चा में शामिल अधिकारियों को भरोसा है कि परियोजना आगे बढ़ती रहेगी। एक अनाम अधिकारी के अनुसार, यह परियोजना मेट्रो रेल संयुक्त उपक्रमों के लिए केंद्रीय दिशा-निर्देशों के अनुरूप है, जिससे निकट

भविष्य में मंजूरी मिलने की उम्मीद बढ़ जाती है।तेलंगाना सरकार केंद्र से संप्रभु गारंटी की मांग कर रही है, जो जापान अंतर्राष्ट्रीय सहयोग एजेंसी (जेआईसीए), एशियाई विकास बैंक (एडीबी) और न्यू डेवलपमेंट बैंक (एनडीबी) जैसे अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों से धन प्राप्त करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। इस समर्थन के साथ, परियोजना रियायती ब्याज दरों पर ऋण प्राप्त करने में सक्षम होगी, जिससे परियोजना की वित्तीय योजना और निष्पादन में काफी आसानी होगी।

हैदराबाद मेट्रो रेल चरण खख के लिए वित्तपोषण संरचना इस प्रकार है: 30% (7,313 करोड़) तेलंगाना सरकार से, केंद्र से 18% (4,230 करोड़), 48% (11,693 करोड़ रुपये) बाहरी ऋणों के माध्यम से और 4% (1,033 करोड़) सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) निवेश के जरिए।अधिकारियों ने इस तथ्य की ओर भी ध्यान दिलाया कि पिछले साल केंद्र के पूंजीगत व्यय का लगभग 10% अप्रयुक्त था, जिससे परियोजना अनुमोदन की संभावना बढ़ सकती है। उन्होंने कहा कि राजस्व व्यय बाधाओं के बावजूद मेट्रो परियोजनाओं जैसे बुनियादी ढांचे में पूंजी निवेश को प्राथमिकता दी जाती है।हैदराबाद मेट्रो रेल परियोजना के दूसरे चरण के विस्तार का उद्देश्य शहर के प्रमुख गलियारों में कनेक्टिविटी को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाना है। प्रस्तावित मार्गों में शामिल हैं: नागोले से शमशाबाद आरजीआईए (हवाई अड्डा गलियारा) : 36.8 किमी, रायदुर्ग से कोकापेट नियोपोलिस : 11.6 किमी

एमजीबीएस से चंद्रायनगुट्टा (पुराना शहर कॉरिडोर) : 7.5 किमी, मियापुर से पाटनचेरु : 13.4 किमी, एलबी नगर से हयातनगर : 7.1 किमी शामिल है।

इन गलियारों से शहरी गतिशीलता में सुधार होने तथा हैदराबाद में यातायात की भीड़भाड़ का स्थायी समाधान मिलने की उम्मीद है, जिससे शहर के बुनियादी ढांचे और परिवहन नेटवर्क को और बढ़ावा मिलेगा।अक्टूबर 2024 में केंद्र द्वारा चेन्नई मेट्रो के दूसरे चरण को मंजूरी दिए जाने से भारत में इसी तरह की परियोजनाओं के लिए सकारात्मक मिसाल कायम हुई है। अधिकारियों का मानना है कि चेन्नई मेट्रो के दूसरे चरण की सफलता हैदराबाद मेट्रो रेल विस्तार के लिए निकट भविष्य में मंजूरी और वित्त पोषण प्राप्त करने के लिए अनुकूल माहौल प्रदान कर सकती है।

जैसे-जैसे चर्चाएं जारी हैं, इस बात को लेकर सतर्क आशावाद है कि हैदराबाद मेट्रो रेल चरण खख परियोजना को आगे बढ़ने के लिए आवश्यक मंजूरी मिल जाएगी, जिससे शहर के परिवहन बुनियादी ढांचे में सुधार होगा और हैदराबाद में टिकाऊ सार्वजनिक परिवहन की बढ़ती मांग को पूरा करने में मदद मिलेगी।

चैतन्य कुमार ने बोर्ड के साथ पोलो चैंपियनशिप के क्रियान्वयन पर चर्चा की

हैदराबाद, 06 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। एचपीआरसी के अध्यक्ष चैतन्य कुमार, जो वर्ल्ड एरिना पोलो चैंपियनशिप के गवर्निंग बोर्ड के भी प्रमुख हैं ने गुरुवार दि. 06 फरवरी को बंजारा हेड इनहैबिट कार्यालय में बोर्ड के प्रमुख सदस्यों के साथ पोलो चैंपियनशिप के क्रियान्वयन पर चर्चा की। बैठक में अरसलान खान, निमरा शाहजूर अली, मनस्वी, निकिता और शेख शेख ने भाग लिया। बैठक में चैंपियनशिप के लिए रणनीतिक दिशा और आगामी योजनाओं, संगठनात्मक पहलुओं पर विचार-विमर्श किया गया। जिससे टूर्नामेंट में सुचारू क्रियान्वयन और वैश्विक भागीदारी सुनिश्चित हो सके।

हैदराबाद में जाट समाज ट्रस्ट द्वारा परमेश्वर महादेव मंदिर का भव्य उद्घघाटन कार्यक्रम आगामी 17 से 21 फरवरी 2025 तक अलमासगुड़ा, वनस्थलीपुरम में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम में सकल सिखवाल समाज को आमंत्रित किया गया। गुरुवार दि. 6 फरवरी को जाट समाज ट्रस्ट के ट्रस्टी धर्मारामढाका तथा हनुतराम खोखर ने सिखवाल प्रगति समाज कार्यालय में समाज बँधुओं को पत्रिका भेंट कर आमंत्रित किया।

आबिड्स स्थित होटल रॉयलटन में जारी अन्तर्राष्ट्रीय को-आपरेटिव गवर्नेंस कार्यक्रम के अन्तर्गत एनसीयूआई के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी सावित्री सिंह एवं एनसीयूआई की सहायक निदेशक इन्दरप्रीत कौर तथा सम्पूर्ण भारतवर्ष एवं नेपाल से पधारे प्रतिनिधियों का महेश बैंक की ओर से माला, साफा एवं स्मृति चिह्न द्वारा सम्मान करते हुए चयेरमैन रमेश कुमार बंग एवं निदेशक रामप्रकाश भण्डारी ।

राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के अंतर्गत गुरुवार को नामपल्ली स्थित पाब्लिक गार्डन, पिलर नं. ए1265 के समीप जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार सेवा की गई। इस अवसर पर सतीश गुप्ता, आशा अग्रवाल रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, जगत नारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, भगतराम गोयल, ई. जगन (चंपापेट), राजेश योगा सरजी, प्रभाकर जी, मायारामजी अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुशील गुप्ता, शीतल गुप्ता, महेश गुप्ता, अशोक गुप्ता एस.जे, प्रीतिका अग्रवाल, कैलाश चंद केडिया, निर्मला केडिया, विशाल अग्रवाल, शिवानी अग्रवाल, नंदकिशोर अग्रवाल एवं राधे राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 87,310/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 97,580/- (प्रति किलोग्राम)

शेयर मार्केट

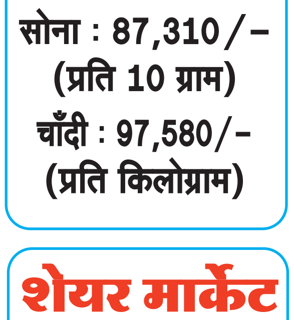

बीएसई : 78,058.16 -213.12 -0.27%) ↓

एनएसई :23,603.35 -92.95 (-0.39%) ↓

तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में 40 लाख से अधिक मुर्गियों की मौत!

हैदराबाद, 06 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। गोदावरी, खम्मम और निज़ामाबाद जिलों सहित तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में पोल्ट्री उद्योग पर एक रहस्यमय वायरस फैल गया है। स्वस्थ दिखने वाली मुर्गियाँ अचानक मर रही हैं, जिससे पोल्ट्री फार्म मालिकों में व्यापक चिंता पैदा हो गई है। जबकि मुर्गियों की मौत को आमतौर पर कुछ हद तक सामान्य घटना माना जाता है, लेकिन हज़ारों मुर्गियों की अचानक मौत ने फार्म मालिकों को चिंतित कर दिया है।

पश्चिमी गोदावरी जिले में पोल्ट्री फार्मों के पास बड़ी संख्या में मृत मुर्गियां पाई जा रही हैं। रिपोर्ट बताती है कि कुछ फार्मों में हर दिन करीब 10,000 मुर्गियां मर रही हैं।

हालांकि, इन मौतों का सही कारण अभी भी अज्ञात है। इस अचानक संकट के कारण अंडे के निर्यात में उल्लेखनीय गिरावट आई है। आम तौर पर पश्चिम

बंगाल और असम में प्रतिदिन 40 से अधिक ट्रक अंडे भेजे जाते हैं, लेकिन अब यह संख्या घटकर मात्र 25 ट्रक रह गई है। अगर यही स्थिति बनी रही तो यह संख्या घटकर एकल अंकों में आ सकती है।

सामान्य परिस्थितियों में, पोल्ट्री फार्मों में प्रतिदिन लगभग 0.05% मृत्यु दर होती है । उदाहरण के लिए, 100,000 मुर्गियों वाले फार्म में , प्रतिदिन लगभग 20 से 50 मौतें स्वीकार्य सीमा के भीतर मानी जाती हैं। हालाँकि, वर्तमान स्थिति कहीं अधिक खराब है।

पिछले 15 दिनों में अकेले पश्चिमी गोदावरी जिले में 40 लाख (4 मिलियन) से ज़्यादा मुर्गियाँ मर चुकी हैं, जो इस संकट की गंभीरता को दर्शाता है। किसान अब सरकार से वायरस की पहचान करने और इसके प्रसार को नियंत्रित करने में मदद करने का आग्रह कर रहे हैं।

आमतौर पर दिसंबर और जनवरी में ठंड के मौसम में मुर्गियों में श्वसन संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। हालांकि, किसानों का कहना है कि पिछले प्रकोपों की तुलना में इस वायरस के लक्षण असामान्य हैं । वे लगातार डर में रहते हैं, इस बात को लेकर अनिश्चित कि हर सुबह उनकी कितनी मुर्गियाँ बच पाएंगी।वायरस के तेजी से फैलने के कारण, कई किसान नुकसान के डर से अपनी जीवित मुर्गियां कम कीमत पर बेच रहे हैं।

अधिकारियों ने जांच शुरू कर दी है और विभिन्न पोल्ट्री फार्मों से नमूने एकत्र कर उन्हें परीक्षण के लिए प्रयोगशालाओं में भेज दिया है। परिणामों से बीमारी की वास्तविक प्रकृति का पता चलेगा।

इस बीच, अधिकारियों ने किसानों को निर्देश दिया है कि वे मृत मुर्गियों को खुले स्थानों पर न डालें , बल्कि वायरस के आगे प्रसार को रोकने के लिए उन्हें उचित तरीके से दफनाएं ।

पशु चिकित्सा विशेषज्ञों को संदेह है कि इन मौतों का कारण एच5एन1 वायरस हो सकता है , जिसने पहले 2012 और 2020 में तबाही मचाई थी ।

चार साल पहले, इसी तरह के प्रकोप के कारण बड़ी संख्या में मुर्गियों की मौत हो गई थी , जिससे अंडे और चिकन की बिक्री में भारी गिरावट आई थी , साथ ही बाजार की कीमतों में भी बड़ी गिरावट आई थी ।

इस वायरस का सबसे बड़ा खतरा यह है कि संक्रमित मुर्गियों में कोई लक्षण नहीं दिखते और वे अचानक मर जाती हैं।

स्कूल बस की टक्कर से बच्ची की मौत

हैदराबाद, 06 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद के हनुमान हिल्स इलाके में एक दिल दहला देने वाली घटना घटी, जहां एक चार वर्षीय बच्ची ऋत्विका की स्कूल बस से कुचलकर दुखद मौत हो गई।श्री चैतन्य स्कूल की छात्रा ऋत्विका बस से उतरकर घर लौट रही थी, तभी यह विनाशकारी दुर्घटना घटी।यह घटना हयातनगर पुलिस स्टेशन की सीमा में हुई। एलकेजी (किंडरगार्टन) में पढ़ने वाली ऋत्विक स्कूल बस से उतरने के बाद घर जा रही थी। दुर्भाग्य से, बस चालक ने बस को पीछे मोड़ते समय बच्ची को नहीं देखा और ऐसा करते हुए बस ने उसे कुचल दिया।

हाइड्रा ने सरकारी भूमि को पुनः प्राप्त करने के लिए कुकटपल्ली में अवैध संरचनाओं को ध्वस्त किया

हैदराबाद, 06 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। हाइड्रा ने हैदराबाद में अवैध निर्माण और अतिक्रमण के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई की है, कुकटपल्ली निजामपेट मुख्य सड़क पर अनधिकृत संरचनाओं को ध्वस्त कर दिया है।हाइड्रा के अधिकारियों ने जेसीबी का उपयोग करके परिधि की दीवारों और अन्य अवैध इमारतों को गिरा दिया, जो सरकारी भूमि पर बनाई गई थीं, जो मूल रूप से एक सेना कर्मचारी को आवंटित की गई थी।निज़ामपेट होलिस्टिक अस्पताल के पीछे स्थित यह भूमि, आधिकारिक तौर पर सरकार द्वारा एक सेना कर्मचारी के उपयोग के लिए नामित की गई थी। हालाँकि, पिछले कुछ वर्षों में, भूमि के चारों ओर बड़े पैमाने पर निर्माण हुआ, जिसमें चारदीवारी का निर्माण भी शामिल है, जो आवंटित संपत्ति पर अतिक्रमण है। भूमि को पुनः प्राप्त करने के प्रयासों के बावजूद, सेना कर्मचारी को अतिक्रमण हटाने में महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ा।इस मुद्दे को सुलझाने के कई सालों के असफल प्रयासों के बाद, सेना के कर्मचारी ने अतिक्रमण के ठोस सबूत पेश करते हुए हाइड्रा के पास औपचारिक शिकायत दर्ज कराई । हाइड्रा ने कमिश्नर रंगनाथ के नेतृत्व में एक जांच शुरू की, जिसने दावे की वैधता की पुष्टि की। अतिक्रमण की पुष्टि होने के बाद, हाइड्रा के अधिकारियों ने ज़मीन को उसके असली मालिक को वापस करने के लिए तुरंत कार्रवाई की।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें। द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

सं.C/C/YTSK/2025 दिनांक: 06.02.2025

आवेदन आमंत्रण सूचना

PUB/0131

कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडलीय वाणिज्यिक प्रबंधक, सिकंदराबाद डिवीजन,सिकंदराबाद, दक्षिण मध्य रेलवे द्वारा आरक्षित और अनारक्षित टिकट जारी करने के लिए अनुलग्नक-1 में उल्लिखित विभिन्न स्थानों पर निजी भागीदारी के माध्यम से **यात्री टिकट सुविधा केंद्र** (वाईटीएसके) की स्थापना और संचालन के लिए आवेदन आमंत्रित हैं।

भारतीय रेलवे के सभी प्राधिकृत रेलवे टिकट एजेंट, जिनमें रेल यात्रा सेवा एजेंट (आरटीएसए), रेल यात्रा एजेंट (आरटीए) और जनसाधारण टिकट बुकिंग सेवक (जेटीबीएस) तथा भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) द्वारा नियुक्त टिकट एजेंट शामिल हैं, जिन्होंने कम से कम दो (2) वर्षों तक काम किया है/कर रहे हैं, वे वाईटीएसके योजना के अंतर्गत आवेदन करने के पात्र हैं।

सभी निर्धारित और प्रासंगिक दस्तावेजों के साथ आवेदन पत्र को सीलबंद लिफाफे में पंजीकृत डाक पावती देय के माध्यम से भेजा जा सकता है या वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक, प्रथम तल संचालन, दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद मंडल, सिकंदराबाद 500025 के कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से सौंपा जा सकता है। सीलबंद लिफाफे पर यात्री टिकट सुविधा केंद्र (वाईटीएसके) की स्थापना और संचालन के लिए आवेदन लिखा होना चाहिए।

आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 03.03.2025 को 15.00 बजे या उससे पहले है। 03.03.2025 को 15.00 बजे के बाद डाक या व्यक्तिगत रूप से प्राप्त आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे और रेलवे प्रशासन ऐसी किसी भी देरी के लिए जिम्मेदार नहीं होगा।

आवेदन 03.03.2025 को 15.30 बजे खोले जाएंगे।

योजना का विवरण, आवेदन पत्र, मानदंड, पात्रता, नियम और शर्तें दक्षिण मध्य रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट www.scr.indianrailways.gov.in पर उपलब्ध हैं। अधिक जानकारी के लिए आप किसी भी कार्य दिवस पर नीचे अधोहस्ताक्षरी कार्यालय से सम्पर्क करें।

A0166 वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक, सिकंदराबाद

शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME

I, K DEEPIKA Spouse of Service No. 14830134L Hav KUMMARI LAXMINARAYANA, R/o.Vill:Mombojipally, Po:Machavaram, Teh:Medak, Dist:Medak, Telangana-502109 have changed my name from K DEEPIKA to KUMMARI DEEPIKA vide affidavit dt:6-2-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME

I, RASHMI KADWAY spouse of Service No. 14945208F Sepoy RAHUL KUMAR, R/o.36, ImliChowk, Vill and Po:Rondha, Teh:Rondha, Dist:Betul, Madhya Pradesh - 460001 have changed my name from RASHMI KADWAY to RASHMI vide affidavit dt:6-2-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad

CHANGE OF NAME & DOB

I, Service No- 17032237K,Rank-NK Name-Abhishek Sharma, R/o Vill - Baryal, PO-Kashirah,Teh & Distt- Udhampur, State- Jammu & Kashmir, PIN-182101.I have changed my Mother name from SHASHI SHARMA to SHASHI BALA and also date of birth changed from 09/06/1976 to 21/04/1975 add in my service documents vide affidavit date 04/02/2025 before G Ramchander,Advocate Secunderabad.

CHANGE OF NAME

I, Kasturi Bajanrti R/o Vill & Post:Savalagi Teh:Jamkhandi Dist:Bagalkot, State: Karnataka, pin:587330 have changed my name from KASTURI BAJANRTI to KASTURI BAJANTRI video affidavit dt:06-02-2025 before judicial magistrate court Hyderabad Telangana

CHANGE OF NAME

I, Sangita Biswas R/o vill & Post:Chander Ghat Teh: Tehatta, Dist: Nadia, State: West Bengal, pin:741160 have changed my name from SANGITA BISWAS to SANGITA MANDAL vide affidavit dt:06-02-2025 before judicial magistrate court Hyderabad Telangana

CHANGE OF NAME

I, Service No. JC-771249H, Rank:SUB/M TECH C VEH, Name: MORE GIRISH CHARUDUTTA, Unit: 6340 (I) MECH WKSP C/O. 56 APO, S/o. MORE CHARUDUTTA DHULAPPA residing at VILL: HAMIDWADA, PO: HAMIDWADA, Teh: KAGAL, Dist: KOLHAPUR, State: MAHARASHTRA, Pin: 416235, I have Changed my Son Name from SHUBHAM to SHUBHAM GIRISH MORE, my son date of birth is 25-06-2008, Vide Affidavit date 06/01/2025

11वां पद्मश्री श्याम लाल मेमोरियल हॉकी टूर्नामेंट 10 फरवरी से, प्रो. बालाराम पाणि और अशोक ध्यानचंद करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली , 06 फरवरी (एजेंसियां) ।

11वें पद्मश्री श्याम लाल मेमोरियल आमंत्रण हॉकी टूर्नामेंट का आयोजन 10 से 17 फरवरी, 2025 तक श्याम लाल कॉलेज, शाहदरा के मैदान पर किया जाएगा। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में दिल्ली यूनिवर्सिटी की शीर्ष पुरुष और महिला हॉकी टीमें हिस्सा लेंगी। श्याम लाल कॉलेज के प्रधानाचार्य प्रो. रबि नारायण कर ने बताया कि टूर्नामेंट का उद्घाटन 10 फरवरी, सोमवार को सुबह 10 बजे दिल्ली यूनिवर्सिटी के डीन ऑफ कॉलेजेस प्रो. बालाराम पाणि और पूर्व ओलंपियन अशोक ध्यानचंद द्वारा किया जाएगा। इस अवसर पर कॉलेज की चेयरपर्सन डॉ. सविता गुप्ता भी उपस्थित रहेंगी।

10 पुरुष और 6 महिला टीमें लेंगी हिस्सा – खेल समिति के संयोजक वी. एस. जग्गी के अनुसार, पुरुष वर्ग में 10 और महिला वर्ग में 6 टीमें लीग और नॉकआउट आधार पर खेलेंगी। शीर्ष पर रहने वाली दो टीमों के बीच फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। टूर्नामेंट के हर मैच में प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार भी दिया जाएगा।

गत विजेता टीमें – पिछले वर्ष पुरुष वर्ग में श्याम लाल कॉलेज और महिला वर्ग में इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंस की टीम ने खिताब जीता था। प्रो. रबि नारायण कर ने कहा कि कॉलेज स्तर पर खेलों को बढ़ावा देने और फिट इंडिया अभियान के तहत छात्रों को फिटनेस के प्रति जागरूक करने के लिए ऐसे टूर्नामेंट का आयोजन बेहद जरूरी है।

टूर्नामेंट में भाग लेने वाली टीमें

पुरुष वर्ग

- 1.श्याम लाल कॉलेज
- 2. इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंस
- 3. किरोड़ी मल कॉलेज
- 4. एमिटी यूनिवर्सिटी
- 5. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, दिल्ली
- 6. श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स
- 7. श्याम लाल कॉलेज (सांध्य)
- 8. हंसराज कॉलेज
- 9. श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज
- 10. श्याम लाल कॉलेज (एलुमनस)

महिला वर्ग

- 1. इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंस
- 2. भारती कॉलेज
- 3. दिल्ली यूनिवर्सिटी एलुमना
- 4. विवेकानंद कॉलेज
- 5. श्यामा प्रसाद मुखर्जी कॉलेज
- 6. जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज।

न्यूज ब्रीफ

द हंड्रेड: एसआरएच ने नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स फ्रेंचाइजी खरीदी

नई दिल्ली। सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) ने द हंड्रेड में नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स फ्रेंचाइजी हासिल कर ली है। यॉर्कशायर काउंटी द्वारा संचालित टीम के लिए विजयी बोली 100 मिलियन जीबीपी है। यह इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) द्वारा बेची गई छठी हंड्रेड फ्रेंचाइजी है और मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपरजायंट्स के बाद एसआरएच तीसरी आईपीएल फ्रेंचाइजी है, जिसने 100 गेंदों की प्रतियोगिता में एक टीम हासिल की है। पिछले कुछ दिनों में इंग्लिश बोर्ड ने लंदन स्पिरिट, ओवल इनविंसिबल्स, वेल्श फायर, मैनचेस्टर ओरिजिनल्स और बर्मिंघम फीनिक्स को बेच दिया है। दो और टीमें – ट्रेंट रॉकेट्स और सदर्न ब्रेव – बिक्री के लिए तैयार हैं। चेन्नई स्थित सन ग्रुप द्वारा प्रबंधित सनराइजर्स, फ्रेंचाइजी क्रिकेट के क्षेत्र में पुरानी है। वे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में हैदराबाद स्थित टीम हैं और एसए 20 में भी सनराइजर्स ईस्टर्न केप उनकी एक टीम है। वर्तमान में आईपीएल में उनका नेतृत्व पैट कमिंस कर रहे हैं, जो यकीनन सबसे सम्मानित अंतरराष्ट्रीय कप्तानों में से एक हैं। वे पिछले साल आईपीएल में उपविजेता रहे थे। एसए 20 में, वे दो बार के गत चैंपियन हैं।

अभिषेक ने की धुआंधार बल्लेबाजी, गुरुकुल ने जीता मैच

लखनऊ। अंडर-25 करीम चिश्ती मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट में गुरुकुल क्रिकेट क्लब ने सिद्धार्थ ग्लोबल क्लब को 211 रन से मात दे दी। इस मैच में अभिषेक सिंह ने धुआंधार बल्लेबाजी करते हुए 70 बाल पर 102 रन बनाये। गुरुकुल क्रिकेट क्लब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 40 ओवर में सात विकेट गवांकर 327 रन बनाये। सलामी बल्लेबाज शिवांश सिंह मात्र 20 रन बनाकर पवेलियन लौट गये। वहीं अभिषेक सिंह ने धुआंधार बल्लेबाजी करते हुए 11 चौका और छह छक्का की मदद से 70 बाल पर 102 रन जड़े। अभिषेक यादव ने धुआंधार बल्लेबाजी करते हुए छह चौका और दो छक्का की मदद से 52 बाल पर 60 रन बनाये। अभिषेक यादव ने शानदार गेंदबाजी भी की और मात्र दो रन देकर तीन विकेट झटक लिये। उत्कर्ष वर्मा ने छह चौका और दो छक्का की मदद से 40 बाल पर 56 रन बनाये। आदित्य ने 38 रन का योगदान दिया। सिद्धार्थ ग्लोबल की पूरी टीम 116 रन बनाकर ही पवेलियन लौट गयी और गुरुकुल ने 211 रन से मैच को जीत लिया। अपनी टीम में हर्षित ने सबसे अधिक 33 रन बनाये।

राष्ट्रीय खेल : ट्रैक साइक्लिंग में हरियाणा, कर्नाटक और अंडमान के साइक्लिस्टों का जलवा

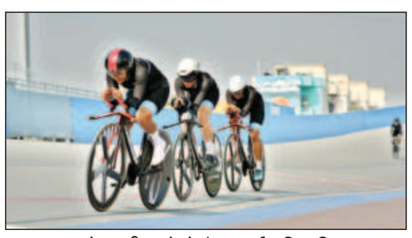

रुद्रपुर। 38वें राष्ट्रीय खेलों के अंतर्गत शिवालिक वेलोड्रोम, रुद्रपुर में ट्रैक साइक्लिंग प्रतियोगिता के तीसरे दिन रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। विभिन्न श्रेणियों में देशभर के साइक्लिस्टों ने अपनी गति, तकनीक और रणनीति से दर्शकों को रोमांचित किया। हरियाणा ने महिला एलीट टीम परसूट में जीता स्वर्ण महिला एलीट टीम परसूट (4 किमी) स्पर्धा में हरियाणा की टीम ने स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। हिमांशी सिंह, परुल, अंशु देवी और मीनाक्षी की चौकड़ी ने 5.26.920 मिनट का समय निकालते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया। ओडिशा (5.30.423) की टीम को रजत पदक और महाराष्ट्र (5.32.643) की टीम को कांस्य पदक मिला। डेविड बेकहम ने पुरुष 1 किमी टाइम ट्रायल में मारी बाजी पुरुष एलीट टाइम ट्रायल (1 किमी) में अंडमान व निकोबार के डेविड बेकहम ने 1.06.535 मिनट में दौड़ पूरी कर स्वर्ण पदक जीता। राजस्थान के देवेंद्र बिश्नोई (1.06.644) ने रजत और मणिपुर के यांगलेम रोजित सिंह (1.07.874) ने कांस्य पदक अपने नाम किया। कीर्ति रंगास्वामी ने महिला केरिन स्पर्धा में मारी बाजी महिला एलीट केरिन (5 लैप्स) स्पर्धा में कर्नाटक की कीर्ति रंगास्वामी सी ने तेज रफ्तार और जबरदस्त तकनीक के दम पर स्वर्ण पदक जीता। महाराष्ट्र की श्वेता बालू गुंजाल को रजत और तमिलनाडु की श्रीमति जे को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। सर्विसेज ने पुरुष टीम परसूट में किया कमाल पुरुष एलीट टीम परसूट (4 किमी) में सर्विसेज की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता।

हर्षित-जडेजा के बाद आया श्रेयस-शुभमन और अक्षर का तूफान, जीत के साथ भारत ने बनाई 1-0 से बढ़त

नागपुर, 06 फरवरी (एजेंसियां) ।

भारत ने इंग्लैंड को चार विकेट से हराकर तीन मैचों की वनडे सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है। इससे पहले टीम इंडिया ने इंग्लैंड को पांच मैचों की टी20 सीरीज में 4-1 से हराकर सीरीज अपने नाम की थी। गुरुवार को नागपुर के विदर्भ क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया और 47.4 ओवर में 248 रन बनाए। जवाब में भारत ने 38.4 ओवर में छह विकेट पर 251 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। वनडे विश्व कप 2023 के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड ने आठ में से सात वनडे मैच गंवाए हैं। अब टीम इंडिया की नजर दूसरे वनडे में जीत के साथ अजेय बढ़त बनाने पर होगी। यह मुकाबला कटक में नौ फरवरी को खेला जाएगा।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत कुछ खास नहीं हुई थी। यशस्वी जायसवाल (15) और रोहित शर्मा (02) 19 रन के स्कोर पर आउट हो गए। इसके बाद मोर्चा शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर ने संभाला। दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 64 गेंदों में 94 रनों की साझेदारी हुई। इस दौरान दाएं हाथ के बल्लेबाज श्रेयस ने अपने वनडे करियर का 19वां पचासा किया। इसके लिए उन्होंने 30 गेंदें खेलीं। इस प्रारूप में यह उनके बल्ले से निकली दूसरी सबसे तेज फिफ्टी है। इससे पहले उन्होंने 2019 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 28 गेंदों में अर्धशतक जड़ा था।30 वर्षीय बल्लेबाज को जैकब बेथेल ने 16वें ओवर की आखिरी गेंद पर एलबीडब्ल्यू आउट किया। अय्यर 36 गेंदों में नौ चौकों और दो छक्कों की मदद से 59 रन बनाने में कामयाब हुए। इसके बाद पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करने आए अक्षर पटेल ने शुभमन गिल का साथ दिया और दोनों के बीच चौथे विकेट के लिए 100 से ज्यादा रनों की विशाल साझेदारी हुई, जिसे आदिल रशीद ने 34वें ओवर में तोड़ा। उन्होंने बाएं हाथ के बल्लेबाज अक्षर पटेल को बोल्ड किया। वह 47 गेंदों में 52 रन बनाकर लौटे। उन्होंने 46 गेंदों में अपने वनडे करियर का तीसरा अर्धशतक पूरा किया।

छठे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे केएल राहुल सिर्फ दो रन बना सके। वहीं, शुभमन गिल 87 रनों की दमदार पारी खेलकर आउट हुए। उन्होंने 60 गेंदों में अपने करियर का 14वां अर्धशतक पूरा किया। इस दौरान उन्होंने सात चौके लगाए। हार्दिक पांड्या ने नौ* और रवींद्र जडेजा* ने 12 रन बनाकर टीम को जीत दिलाई। इंग्लैंड के लिए साकिब महमूद और आदिल रशीद ने दो-दो विकेट लिए जबकि जोफ्रा आर्चर और जैकब बेथेल को एक-एक सफलता मिली।डेब्यू कर रहे तेज गेंदबाज हर्षित राणा और स्पिनर रवींद्र जडेजा की अगुआई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर भारत ने इंग्लैंड को 248 रन पर ऑलआउट कर दिया। इंग्लैंड के लिए कप्तान जोस बटलर और जैकेब बेथेल ने अर्धशतक जड़े जिस कारण टीम चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा करने में सफल रही।

भारत की ओर से हर्षित और जडेजा ने तीन-तीन विकेट लिए, जबकि मोहम्मद शमी, अक्षर पटेल और कुलदीप यादव को एक-एक विकेट मिला।

फिल सॉल्ट और बेन डकेट ने पहले विकेट के लिए 75 रन जोड़कर टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई। सॉल्ट के रन आउट होने के बाद इंग्लैंड की पारी लड़खड़ा गई और हर्षित ने भारतीय टीम की वापसी कराने में कोई कसर नहीं छोड़ी। इसके बाद बटलर ने सधी हुई बल्लेबाजी कर इंग्लैंड को संभाला, लेकिन उनके आउट होने के बाद टीम फिर लड़खड़ाई। हालांकि, बेथेल टिके रहे और उन्होंने पचासा जड़ा। पर बेथेल के आउट होने के बाद शेष बल्लेबाज कुछ खास नहीं कर सके और टीम पूरे 50 ओवर भी नहीं खेल सकी। इंग्लैंड के लिए बटलर ने 52 रन, बेथेल ने 51 रन, सॉल्ट ने 43 रन और डकेट ने 32 रन बनाए, लेकिन अन्य बल्लेबाज कुछ खास नहीं कर सके।

राष्ट्रीय खेल : शूटिंग स्पर्धाएं संपन्न, नीरज कुमार, सुरूचिप्रमोद की जोड़ी चमकी

देहरादून, 06 फरवरी (एजेंसियां) ।

38वें राष्ट्रीय खेलों की शूटिंग स्पर्धाएं त्रिशूल शूटिंग रेंज में दस दिनों तक चले जबरदस्त मुकाबलों के बाद सफलतापूर्वक संपन्न हो गईं। इस दौरान देशभर के शीर्ष निशानेबाजों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया और विभिन्न रायफल व पिस्टल श्रेणियों में नए कीर्तिमान स्थापित किए। कुमार ने जीता 50 मीटर 3-पोजीशन राइफल पुरुष स्वर्ण प्रतियोगिता के अंतिम दिन 50 मीटर एयर राइफल 3-पोजीशन पुरुष फाइनल बेहद रोमांचक रहा। सर्विसेज स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड (एसएससीबी) के नीरज कुमार ने 464.1 अंकों के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। मध्य प्रदेश के ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने 462.4 अंकों के साथ रजत पदक जीता, जबकि महाराष्ट्र के स्वप्निल सुरेश कुसेल ने 447.7 अंकों के साथ कांस्य पदक हासिल किया।

हरियाणा ने जीता 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्वर्ण

10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम फाइनल में हरियाणा के सुरूचि और प्रमोद की जोड़ी ने राजस्थान को 17-7 के बड़े अंतर से हराकर स्वर्ण पदक जीता। राजस्थान के अंजलि शेखावत और उमेश चौधरी को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। वहीं, कांस्य पदक के लिए हुए मुकाबले में महाराष्ट्र के राही सरनोबत और प्रणव अरविंद पाटिल ने उत्तराखंड को 17-3 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया। क्वालीफिकेशन राउंड में हुआ जबरदस्त मुकाबला मिश्रित टीम स्पर्धा के क्वालीफाइंग राउंड में 19 टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। फाइनल में हरियाणा और राजस्थान ने स्वर्ण पदक मुकाबले में जगह बनाई, जबकि महाराष्ट्र और उत्तराखंड कांस्य पदक के लिए भिड़े। नए सितारों ने किया खुद को साबित 38वें राष्ट्रीय खेलों की शूटिंग स्पर्धाएं देश के उभरते निशानेबाजों के लिए बड़ा मंच साबित हुईं। इस दौरान कई युवा खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई। समापन समारोह में विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने अपने समर्पण और मेहनत से इस प्रतियोगिता को यादगार बना दिया।

कर्नाटक 54 पदकों के साथ पदक तालिका में शीर्ष पर बरकरार

उत्तराखंड में चल रहे 38वें राष्ट्रीय खेल के नौवें दिन के पदक तालिका में कर्नाटक ने 54 पदकों के साथ शीर्ष पर बरकरार है। कर्नाटक ने अब तक 28 स्वर्ण, 11 रजत और 15 कांस्य पदक जीते हैं। दूसरे स्थान पर सर्विसेज है, जिसने कुल 46 पदक (27 स्वर्ण, 10 रजत, 9 कांस्य) अपने नाम किए हैं। मध्य प्रदेश 34 पदकों (17 स्वर्ण, 7 रजत, 10 कांस्य) के साथ तीसरे स्थान पर है। महाराष्ट्र 82 पदकों के साथ सर्वाधिक कुल पदक जीतने वाला राज्य है, लेकिन इसमें स्वर्ण पदकों की संख्या 16 होने के कारण वह चौथे स्थान पर है।

लीजेंड 90 लीग: धवन की कप्तानी में दिल्ली रॉयल्स के लिए खेलेंगे रॉस टेलर, बोले- ड्रेसिंग रूम साझा करने को लेकर रोमांचित हूं

रायपुर, 06 फरवरी (एजेंसियां) ।

रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में गुरुवार से लीजेंड 90 लीग की शुरुआत हो रही है। इस नए और रोमांचक 90 गेंदों के प्रारूप वाले टूर्नामेंट के उद्घाटन मुकाबले में दिल्ली रॉयल्स और छत्तीसगढ़ वॉरियर्स आमने-सामने होंगे। दिल्ली रॉयल्स टीम की कमान अनुभवी भारतीय बल्लेबाज शिखर धवन के हाथों में होगी। उनके साथ न्यूजीलैंड के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज रॉस टेलर, वेस्टइंडीज के विस्फोटक बल्लेबाज लेंडल सिमन्स, श्रीलंका के दनुश्का गुनाथिलका समेत कई अनुभवी खिलाड़ी टीम का हिस्सा होंगे।

भारत में खेलने को लेकर उत्साहित रॉस टेलर

रॉस टेलर ने भारत में खेलने को लेकर अपनी उत्सुकता जाहिर की। उन्होंने कहा, मुझे भारत में खेलना हमेशा पसंद आया है। यहां की ऊर्जा अलग होती है और इस बार लीजेंड 90 लीग का अनूठा प्रारूप इसे और भी रोमांचक बनाएगा। टेलर ने इस नए 90 गेंदों के प्रारूप को लेकर कहा, टी20 पहले से ही तेज प्रारूप है, लेकिन 90 गेंदों की यह लीग और भी तेज होगी। इसमें बल्लेबाजों को परिस्थितियों को जल्दी समझकर तेजी से रन बनाने होंगे, जबकि गेंदबाजों को अलग रणनीति अपनानी होगी।

शिखर धवन के साथ खेलने को लेकर उत्साहित टेलर

टेलर ने शिखर धवन की कप्तानी में खेलने को लेकर भी उत्साह व्यक्त किया। उन्होंने कहा, मैंने शिखर के साथ कई बार अंतरराष्ट्रीय और फ्रेंचाइजी क्रिकेट में आमने-सामने मुकाबले खेले हैं, लेकिन पहली बार उनके साथ ड्रेसिंग रूम साझा करना शानदार अनुभव होगा। मैं अपनी टीम और कप्तान के लिए 100प्रतिशत देने के लिए पूरी तरह तैयार हूं।

बिपुल शर्मा बोले- नया प्रारूप दिलचस्प और चुनौतीपूर्ण

दिल्ली रॉयल्स के ऑलराउंडर बिपुल शर्मा ने 90-बॉल फॉर्मेट को लेकर कहा, यह एक दिलचस्प और अनूठा प्रारूप है। यह पारंपरिक 10 या 20 ओवरों के प्रारूप से अलग होगा और इसके लिए मानसिक रूप से तैयार रहना जरूरी होगा।

उन्होंने टीम के संतुलन पर बात करते हुए कहा, हमारे पास शिखर धवन और रॉस टेलर जैसे अनुभवी खिलाड़ी हैं, जिनसे युवा खिलाड़ियों को सीखने का शानदार अवसर मिलेगा। हम एकजुट होकर खेल का मजा लेंगे और अपनी रणनीति को सही ढंग से लागू करेंगे।

दिल्ली रॉयल्स टीम

शिखर धवन (कप्तान), लेंडल सिमन्स, रॉस टेलर, जेरोम टेलर, दनुश्का गुनाथिलका, शरद लुम्बा, बिपुल शर्मा, सुमित नरवाल, परविंदर अवाना, लखविंदर सिंह, राजविंदर सिंह, पुनीत बिस्ट, अनुरीत सिंह, एंजेलो परेरा, प्रवीन गुप्ता। लीजेंड 90 लीग का पहला मुकाबला शाम 7 बजे से दिल्ली रॉयल्स और छत्तीसगढ़ वॉरियर्स के बीच खेला जाएगा, जहां प्रशंसकों को रोमांचक क्रिकेट का लुत्फ उठाने का मौका मिलेगा।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज से वेस्टइंडीज के 2025-27 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र की होगी शुरुआत

नई दिल्ली , 06 फरवरी (एजेंसियां) ।

वेस्टइंडीज की पुरुष क्रिकेट टीम 2025-27 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र की शुरुआत फ्रैंक वॉरेल ट्रॉफी के लिए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट श्रृंखला से करेगी। यह श्रृंखला 25 जून से 16 जुलाई तक खेली जाएगी। डैरेन सैमी की कोचिंग में यह वेस्टइंडीज का पहला टेस्ट असाइनमेंट होगा, जिन्होंने रेड-बॉल कोच आंद्रे कोली की जगह ली है।

श्रृंखला का पहला टेस्ट बारबाडोस के केंसिंग्टन ओवल में खेला जाएगा, दूसरा टेस्ट ग्रेनेडा नेशनल स्टेडियम में और अंतिम टेस्ट जमैका के सबीना पार्क में होगा। इसके बाद दोनों टीमें पांच टी20 मैच भी खेलेंगी।

पाकिस्तान के खिलाफ घरेलू सत्र का समापन

वेस्टइंडीज अपनी घरेलू गर्मी का समापन 31 जुलाई से 12 अगस्त तक पाकिस्तान के खिलाफ तीन टी20 और तीन वनडे मैचों के साथ करेगा। टी20 सीरीज फ्लोरिडा में ब्रोवार्ड काउंटी स्टेडियम में होगी, जबकि ब्रायन लारा क्रिकेट अकादमी, त्रिनिदाद में एकदिवसीय मैच खेले जाएंगे।

भारत, बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के खिलाफ विदेशी दौरे

इसके बाद वेस्टइंडीज 21 सितंबर से 23 दिसंबर तक भारत, बांग्लादेश और न्यूजीलैंड का दौरा करेगा। बांग्लादेश में टीम तीन वनडे और तीन टी20 मैच खेलेगी, जबकि न्यूजीलैंड दौरे में तीन टेस्ट, तीन वनडे और पांच टी20 मैच शामिल होंगे।

वनडे विश्व कप 2027 की तैयारी में इंग्लैंड और आयरलैंड दौरा 2023 वनडे विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने से चूकने के बाद, वेस्टइंडीज 2027 विश्व कप की तैयारी में आयरलैंड और इंग्लैंड में तीन-तीन वनडे और टी20 मैच खेलेगा। आयरलैंड में मुकाबले 21 से 25 मई तक मलाहाइड में होंगे, जबकि इंग्लैंड के खिलाफ वनडे मैच 29 मई, 1 जून और 3 जून को हेडिंग्ली, कार्डिफ और द ओवल में खेले जाएंगे। इसके बाद टीम तीन टी20 मैचों के लिए बेलफास्ट लौटेगी, जहां 15 जून को उनका यूके दौरा समाप्त होगा। वेस्टइंडीज महिला टीम का 2025 अभियान वेस्टइंडीज की महिला टीम अपने 2025 अभियान की शुरुआत 4 से 19 अप्रैल तक पाकिस्तान में विश्व कप क्वालीफायर से करेगी। इस टूर्नामेंट में छह टीमें अगस्त-सितंबर में भारत में होने वाले महिला विश्व कप के दो स्थानों के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। इसके बाद टीम 21 मई से 8 जून तक इंग्लैंड का दौरा करेगी, जहां तीन टी20 और तीन वनडे खेले जाएंगे। फिर वेस्टइंडीज की महिलाएं दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ स्वदेश में तीन वनडे और तीन टी20 मुकाबलों में भिड़ेंगी। इन सभी मैचों की मेजबानी बारबाडोस का केंसिंग्टन ओवल करेगा। वेस्टइंडीज की पुरुष और महिला टीमों के व्यस्त क्रिकेट कार्यक्रम से यह साफ है कि वे आगामी बड़े टूर्नामेंटों की तैयारी में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते।

प्रस्तावित यूजीसी मसौदा दिशा-निर्देश विश्वविद्यालयों पर राज्य के अधिकार को कमजोर करते हैं : बीआरएस

हैदराबाद/नई दिल्ली, 6 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने गुरुवार को कहा कि प्रस्तावित यूजीसी मसौदा दिशा-निर्देश संघीय भावना का उल्लंघन करते हैं और विश्वविद्यालयों पर राज्य के अधिकार को कमजोर करते हैं।

यूजीसी मसौदा दिशा-निर्देशों का विरोध करते हुए, जो केंद्र को राज्य के विश्वविद्यालयों पर नियंत्रण करने में सक्षम बनाता है, कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामा राव के नेतृत्व में बीआरएस प्रतिनिधिमंडल ने दिल्ली में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से मुलाकात की और उन्हें छह पन्नों का एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें यूजीसी से नए नियमों का मसौदा तैयार करने का आग्रह किया गया, जो राज्य की स्वायत्तता या राज्यों के भीतर शैक्षणिक संस्थानों के अधिकारों का उल्लंघन नहीं करते हैं।

केंद्रीय मंत्री के साथ बैठक के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए, केटीआर ने चर्चाओं और महत्वपूर्ण मुद्दों पर पार्टी के रुख का विस्तृत विवरण दिया।

उन्होंने कहा कि पार्टी ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नियमों में प्रस्तावित बदलावों पर अपने विचारों को रेखांकित करते हुए केंद्र सरकार को एक औपचारिक पत्र सौंपा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारतीय नागरिक वैश्विक स्तर पर अपने कौशल का सफलतापूर्वक प्रदर्शन कर रहे हैं, इसका मुख्य कारण देश के विश्वविद्यालयों द्वारा प्रदान की गई मजबूत नींव है।उन्होंने कहा कि यह सफलता काफी हद तक इन संस्थानों में किए गए शोध और नवाचार के कारण है।

भारत के शैक्षिक पारिस्थितिकी तंत्र की विविधता पर प्रकाश डालते हुए, पूर्व मंत्री ने बताया कि देश में संस्थानों की एक विस्तृत श्रृंखला है, जिसमें केंद्रीय और राज्य सरकार के विश्वविद्यालय, निजी शैक्षणिक संस्थान और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) जैसे उत्कृष्टता केंद्र शामिल हैं।

बीआरएस विधायक ने कहा कि बीआरएस पार्टी ने यूजीसी नियमों में प्रस्तावित संशोधनों के बारे में प्रधान को अपनी चिंताओं से अवगत कराया।

केटीआर ने बताया कि यूजीसी नियमों में केंद्र सरकार के प्रस्तावित बदलाव राज्य के अधिकारों को कमजोर करते हैं और लोकतांत्रिक सिद्धांतों का उल्लंघन करते हैं। खोज समितियों के माध्यम से कुलपतियों की नियुक्ति के लिए राज्य के राज्यपालों को पूर्ण अधिकार देने की योजना सीधे राज्यों के अधिकार क्षेत्र में हस्तक्षेप करती है।रामा राव ने इस कदम की आलोचना करते हुए इसे केंद्र सरकार द्वारा 'अधिकार का अतिक्रमण' बताया, जो राज्य द्वारा संचालित विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता का उल्लंघन करता है।

उन्होंने कहा कि आगामी यूजीसी दिशा-निर्देशों के बारे में शिक्षा क्षेत्र के विशेषज्ञों से परामर्श करने के बाद पार्टी ने केंद्र सरकार के समक्ष अपना रुख प्रस्तुत किया है।

भर्ती प्रक्रिया में कोई उपयुक्त उम्मीदवार नहीं मिला खंड की शुरूआत के बारे में गंभीर चिंता जताते हुए उन्होंने चेतावनी दी कि इस खंड का इस्तेमाल एससी, एसटी और बीसी समुदायों के लिए आरक्षण नीतियों को दरकिनार करने के लिए किया जा सकता है, जिससे अनुपलब्धता के बहाने अन्य श्रेणियों के उम्मीदवारों से पदों को भरा जा सकता है।

पूर्व मंत्री ने जोर देकर कहा कि इस तरह की प्रथाएं सीधे तौर पर हाशिए पर पड़े समुदायों को दिए गए संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन करेंगी और सामाजिक न्याय को कमजोर करेंगी।

उन्होंने कहा कि पार्टी ने सिफारिश की है कि विश्वविद्यालय भर्तियों में न केवल शैक्षणिक योग्यता बल्कि अनुसंधान और नवाचार में महत्वपूर्ण योगदान को भी प्राथमिकता दी जाए।

तेलंगाना में भीषण गर्मी

- इन इलाकों में तापमान 37 डिग्री सेल्सियस के पार
- विशेषज्ञों ने अगले 3 दिनों के लिए चेतावनी जारी की

हैदराबाद, 06 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। गर्मी के मौसम की आधिकारिक शुरुआत से पहले ही तेलंगाना में सूरज अपना प्रकोप दिखा रहा है। परंपरागत रूप से, गर्मी का चरम अप्रैल से मई तक महसूस किया जाता है, लेकिन इस साल राज्य में बहुत पहले ही भीषण गर्मी पड़ रही है। बेमौसम उच्च तापमान निवासियों और मौसम विज्ञानियों के बीच चिंता का विषय बना हुआ है।राज्य के कई हिस्सों में पारा पहले ही 34 डिग्री सेल्सियस को पार कर चुका है, खास तौर पर दोपहर के समय। गर्मी के महीनों में भीषण गर्मी पड़ना आम बात है, लेकिन फरवरी में तापमान का जल्दी बढ़ना असामान्य और चिंताजनक है। तापमान में लगातार वृद्धि के कारण तेलंगाना के निवासियों को आने वाली लंबी और गर्म गर्मी का सामना करना पड़ रहा है।हैदराबाद मौसम विज्ञान केंद्र ने चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि अगले तीन दिनों तक तेलंगाना में न्यूनतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री अधिक रहने की उम्मीद है। इस दौरान शुष्क मौसम बने रहने का अनुमान है, साथ ही कुछ जिलों में सुबह के समय कोहरा छाए रहने की संभावना है। हालांकि, गर्मी की तीव्रता में वृद्धि जारी रहने की उम्मीद है।मंगलवार को राज्य में औसत न्यूनतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जिलेवार तापमान के आंकड़ों से पता चलता है कि आदिलाबाद और खम्मम दोनों ही 37 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गए हैं, जबकि वारंगल और निजामाबाद भी 37 डिग्री सेल्सियस के स्तर पर पहुंच गए हैं। महबूबाबाद में 36.1 डिग्री सेल्सियस, मेडक में 35.4 डिग्री सेल्सियस और करीमनगर में 35.2 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। हैदराबाद में ही 34.2 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया, जबकि नलगोंडा में तापमान थोड़ा कम 33 डिग्री सेल्सियस रहा।मौसम के हिसाब से तापमान में यह बेतहाशा वृद्धि पूर्व और दक्षिण-पूर्व से आने वाली गर्म हवाओं के कारण हुई है। ये हवाएं गर्मी को और बढ़ा रही हैं और पारे के स्तर में तेजी से वृद्धि कर रही हैं। मौसम विभाग के अधिकारियों ने यह भी पाया है कि पड़ोसी राज्य आंध्र प्रदेश में भी इसी तरह का मौसम देखा जा रहा है, जिससे यह चिंता बढ़ गई है कि इस साल इस क्षेत्र में खास तौर पर गर्मी पड़ सकती है।तापमान सामान्य से पहले बढ़ने के कारण, तेलंगाना के निवासियों को अतिरिक्त सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। राज्य के मौसम विभाग ने लोगों से हाइड्रेटेड रहने, हल्के कपड़े पहनने और पीक ऑवर्स के दौरान लंबे समय तक धूप में रहने से बचने का आग्रह किया है। जैसे-जैसे गर्मी का प्रकोप बढ़ता जा रहा है, विशेषज्ञों का अनुमान है कि आने वाली गर्मियाँ हाल के वर्षों में सबसे गर्म हो सकती हैं।तापमान में शुरुआती उछाल आने वाले समय में लंबे समय तक गर्म मौसम रहने का संकेत देता है, जिससे नागरिकों के लिए सतर्क रहना और चरम मौसम स्थितियों के लिए तैयार रहना आवश्यक हो जाता है।

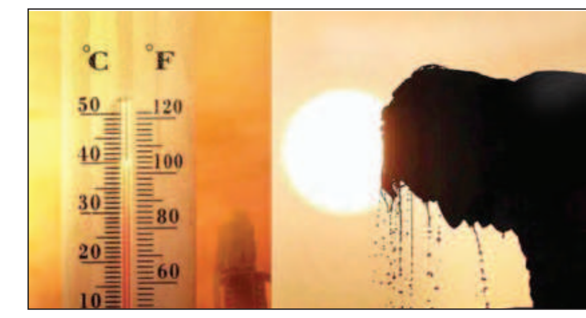

मेजर जनरल समर्थ नागर के नेतृत्व में

राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय प्रतिनिधिमंडल ने सचिवालय का दौरा किया

हैदराबाद, 06 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। मेजर जनरल समर्थ नागर के नेतृत्व में राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज (एनडीसी) के एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रीय सुरक्षा और सामरिक अध्ययन पर अपने अध्ययन दौरे के तहत आज राज्य सचिवालय का दौरा किया ।अपनी यात्रा के दौरान, उन्होंने राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ चर्चा की तथा राज्य द्वारा शुरू की गई विभिन्न विकासात्मक और सुरक्षा संबंधी पहलों पर ध्यान केंद्रित किया।प्रतिनिधिमंडल के अध्ययन दौरे का उद्देश्य राज्य स्तर पर शासन, सुरक्षा और विकास नीतियों की रणनीतिक समझ को बढ़ाना है। कार्यक्रम के हिस्से के

रूप में, एनडीसी टीम राज्य के प्रशासनिक ढांचे, नीति कार्यान्वयन रणनीतियों और समग्र राष्ट्रीय विकास में योगदान देने वाले सुरक्षा उपायों को समझने के लिए प्रमुख अधिकारियों के साथ बातचीत कर रही है।इंटरैक्टिव सत्र के दौरान, शीर्ष सरकारी अधिकारियों ने राज्य की शासन रणनीतियों का अवलोकन प्रस्तुत किया, जिसमें कानून और व्यवस्था, शिक्षा और कृषि सहित कई क्षेत्र शामिल थे ।

बैठक में उपस्थित प्रमुख अधिकारियों में- रवि गुप्ता, विशेष मुख्य सचिव, गृह विभाग

योगिता राणा , सचिव, शिक्षा विभाग, उदय कुमार, संयुक्त सचिव, कृषि विभाग, एस. वेंकट राव , निदेशक, प्रोटोकॉल शामिल हैं।

चर्चा में विभिन्न सरकारी पहलों और नीतियों पर चर्चा की गई जो शासन और सुरक्षा को मजबूत करने में भूमिका निभाती हैं।विशेष मुख्य सचिव गृह रवि गुप्ता ने राज्य के कानून प्रवर्तन तंत्रों पर विस्तार से चर्चा की , जिसमें आधुनिक पुलिसिंग रणनीतियों, प्रौद्योगिकी-संचालित अपराध नियंत्रण उपायों और आंतरिक सुरक्षा को बढ़ाने के प्रयासों पर प्रकाश डाला गया । उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कैसे डिजिटल निगरानी, डेटा एनालिटिक्स और एआई-आधारित पुलिसिंग समाधानों ने अपराध की रोकथाम और तेजी से प्रतिक्रिया समय में सुधार करने में योगदान दिया है।

शिक्षा सचिव योगिता राणा ने डिजिटल शिक्षण पहल, कौशल-आधारित कार्यक्रम और साक्षरता दर और रोजगार के अवसरों को बढ़ाने के लिए किए गए उपायों सहित क्रांतिकारी शिक्षा सुधारों के बारे में जानकारी दी । उन्होंने मानव पूंजी विकास को बढ़ावा देने में डढएच् शिक्षा, व्यावसायिक प्रशिक्षण और सरकार द्वारा प्रायोजित छात्रवृत्ति कार्यक्रमों की भूमिका पर जोर दिया ।संयुक्त सचिव कृषि उदय कुमार ने कृषि आधुनिकीकरण, टिकाऊ खेती तकनीक और किसानों के लिए वित्तीय सहायता पर राज्य के फोकस पर प्रकाश डाला । उन्होंने सिंचाई में सुधार, जैविक खेती को बढ़ावा देने और सटीक कृषि के लिए एआई-संचालित समाधानों को लागू करने के लिए राज्य के प्रयासों का विवरण दिया ।

THE AGRASEN CO-OPERATIVE URBAN BANK LTD.
Head Office # 15-2-391/392/1, Siddiamber Bazar, Hyderabad - 500012
(T.A. No. 1439)
ISO 9001 : 2015 CERTIFIED BANK
www.agrasenbank.in
info@agrasenbank.in
अग्रसेन बैंक
Estd. 1998

NOTICE

Notice is hereby given that the 2nd General Body Meeting of the Shareholders of the Bank for the Financial Year 2024-2025, will be held on Sunday, 23rd February, 2025 at K.L.N Prasad Auditorium, FTCCI House, Red Hills, Hyderabad-500 004, T.G. at 11:00 A.M to transact the following items of the Agenda:

1. To review the membership and attendance of the Committee Members for the period from 01-08-2024 to 31-01-2025.
2. To approve admission of members, allotment of additional shares, transfer of shares, withdrawal and refund of Share Capital made during the period from 01-08-2024 to 31-01-2025.
3. To approve investments / withdrawals made during the period from 01-08-2024 to 31-01-2025.
4. To approve transfer of surplus /additional balance in Bad and Doubtful Debt Reserve to the General Reserve Fund/Profit and Loss account as per the guidelines of the Reserve Bank of India.
5. To ratify the transfer of balance in the Dividend Equalisation Fund to the General Reserve Fund as per the guidelines of the Reserve Bank of India.
6. To review all overdue loans and loans covered under legal action.
7. To approve "Write off" of Bad and doubtful loans classified as NPA.
8. To consider any other matter with the permission of the Chair.

All the Shareholders are requested to attend the 2nd General Body Meeting, on the date, time and place herein mentioned above

Place : Hyderabad
Date : 07/02/2025

By order of the Board of Directors
Sd/-
C. V. Rao
General Manager /CEO

NOTE
1. All documents referred to in the Notice are open for inspection at the Registered Office of the Bank on all working days between 11.00 A.M to 4.00 P.M from 10-02-2025 to 21-02-2025 with prior notice.
2. In the absence of the requisite Quorum within half an hour of the time specified for holding the 2nd General Body Meeting, the meeting shall stand adjourned to 12.00 Noon on the same day and the same agenda of the meeting shall be transacted at the same venue.

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.